RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

शुभ दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं लाभ

https://www.hamaramahanagar.net | वर्ष 34 ■ अंक 84 ■ मुंबई, सोमवार 20 अक्टूबर 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 | संरक्षक : आरएन सिंह

दीपदानम्... रघुवंशनाथम्

दीपोत्सव का वर्ल्ड रिकॉर्ड

महानगर नेटवर्क

अयोध्या

2017 से हर साल अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव ने एक बार फिर नया इतिहास बनाया। नौंवे दीपोत्सव पर इस बार दो नए रिकॉर्ड दर्ज किए गए। दीपोत्सव पर अयोध्या के 56 घाटों पर दीपों को सजाया गया। सीएम योगी ने राम मंदिर से जैसे ही दीपोत्सव का आगाज किया, वैसे ही वालंटियर्स ने दीपों को जलाना शुरू किया। करीब 15 मिनट में 26 लाख से ज्यादा दीयों को जलाकर एक नया रिकॉर्ड कायम किया गया। साथ ही सरयू तट पर महाआरती का भी रिकॉर्ड बना। इसके बाद अंधेरा होते ही ड्रोन शो और लेजर शो का आयोजन किया गया, जिसने लोगों का ध्यान खींचा।

हर बार की तरह इस बार भी अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव पर देश-दुनिया की नजरें लगी रहीं। दीपोत्सव का आगाज होते ही 56 घाटों पर 26 लाख 17 हजार 215 दीपक जलाकर अयोध्यावासियों ने एक नया रिकॉर्ड बनाया। फिर सरयू तट पर 2128 वेदाचार्यों महाआरती का रिकॉर्ड दर्ज किया गया। मौके पर ही दोनों का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज करने की घोषणा की गई। इसके बाद सीएम योगी को प्रमाण पत्र सौंपा गया। इससे पहले अयोध्या में ड्रोन शो का अयोजन किया गया। 1100 ड्रोन ने आसमान में एक अद्भुत नजारा दिखाया। साथ ही आकाश में राम की आकृति भी उकेरी। राम की पैड़ी पर आयोजित लेजर और ड्रोन शो ने हर व्यक्ति का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामकथा पार्क के मंच पर श्रीराम का प्रतीकात्मक राजतिलक किया। सीएम योगी ने श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और गुरु वशिष्ठ का भी तिलक कर माल्यार्पण किया और आरती उतारी। इस दौरान पूरा वातावरण जयश्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। इसके बाद सीएम योगी राम मंदिर पहुंचे। प्रथम तल पर स्थापित रामदरबार में शीश झुकाकर सीएम योगी ने आशीर्वाद प्राप्त किया।

भारत एक रहेगा तो श्रेष्ठ रहेगा

योगी बोले- उन्होंने गोलियां चलवाईं, हमने दीप जलाए

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सीएम योगी ने कहा- आज अयोध्या में आपकी आस्था भव्य राम मंदिर के रूप में हैं। ये नए भारत का प्रतीक है। एक भारत और श्रेष्ठ भारत का प्रतीक है। भारत एक रहेगा तो श्रेष्ठ रहेगा। भारत एक रहेगा तो कोई आस्था को अपमानित नहीं कर पाएगा। भारत एक रहेगा तो दीपोत्सव का ये आनंद हर पर्व और त्योहार में इसी उत्साह और उमंग के साथ आयोजित करने का अवसर प्राप्त होता रहेगा।

रामद्रोहियों को दीपोत्सव कैसे अच्छा लग सकता है

CM योगी ने कहा- दीपोत्सव के इस कार्यक्रम को यूपी की पहचान बनाने के लिए प्रदेश के नौजवानों के लिए पहचान का संकट न खड़ा हो और कोई भी उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ न कर सके। इसलिए डबल इंजन की सरकार बनने के बाद से इस तरह के प्रयास प्रारंभ किए हैं। हर दीप हमें एक याद दिलाता है सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं हो सकता है। सत्य की नियति होती है विजयी होने की। विजयी होने के साथ सनातन धर्म 5 सौ वर्षों तक लगातार संघर्ष करता रहा। उसका परिणाम है अयोध्या में भव्य और दिव्य मंदिर का निर्माण।

उन्होंने कहा- जो लोग आपकी आस्था का अपमान करते थे। जिन लोगों ने अयोध्या की गलियों को राम भक्तों और कार सेवकों के शरीर को छलनी करके लहूलुहान किया था। आज उनको अयोध्या के दीपोत्सव का कार्यक्रम भी अच्छा नहीं लग रहा है। राम-द्रोहियों को दीपोत्सव कैसे अच्छा लग सकता है। जो लोग प्रदेश की सत्ता में रहते हुए दीपोत्सव का, रंगोत्सव का या देव दीपावली के कार्यक्रम से कोसों दूरी बनाए रखते थे लेकिन प्रदेश के खजाने को सैफई महोत्सव और कब्रिस्तानों की दीवारों पर खर्च करते थे। आज उनको 26 लाख 17 हजार से अधिक दीप अयोध्या धाम में प्रज्ज्वलित हुए तो उन्हें अच्छे नहीं लग सकते। अयोध्या के ही कुम्हार और प्रजापति जाति से जुड़े लोगों के परिश्रम का प्रतिफल है। विपक्ष नहीं चाहता था कि इन्हें काम मिले और इसीलिए विरोध कर रहे हैं।

सीजफायर के बीच इजरायल ने गाजा पर बोला हमला

तेल-अवीव। इजरायली सेना ने राफा में हवाई हमलों की बात स्वीकार की है। उसने कहा है कि हमास आतंकियों ने सीजफायर तोड़ा और इजरायल की सेना पर गोलीबारी की थी। इसका मुंहतोड़ जवाब देने के लिए यह कार्रवाई की गई है। इजरायली पीएम नेतन्याहू ने इस कार्रवाई का आदेश दिया था। इजरायली सेना की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि आज दिन में आतंकियों ने आईडीएफ पर एंटी टैंक मिसाइलें दागीं। इसके अलावा उनकी तरफ से फायरिंग भी की गई। बयान में कहा गया है कि इजरायली सेना हमास के साथ समझौते की शर्तों के मुताबिक राफा इलाके में आतंकियों के बुनियादी ठिकाने को नष्ट करने गई। बता दें कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजापट्टी में आतंकी ठिकानों पर कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया था। उन्होंने सुरक्षा बलों से कहा था कि आतंकियों के खिलाफ कड़ा ऐक्शन लिया जाए। साथ ही उन्होंने हमास के ऊपर सीजफायर तोड़ने का भी आरोप लगाया। इजरायली सेना द्वारा जारी बयान में आगे कहा गया है कि आईडीएफ ने आतंकियों की गोलीबारी का जवाब हवाई हमलों से दिया।

विश्व प्रसिद्ध लूव्र म्यूजियम में डकैती

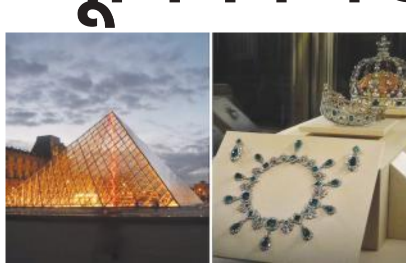

नेपोलियन के संग्रह से 9 बेशकीमती ज्वेलरी उड़ा ले गए चोर, मचा हड़कंप

महानगर नेटवर्क

पेरिस

फ्रांस के फेमस लूव्र म्यूजियम में रविवार सुबह 9 बजे चोरी की घटना हुई। फ्रांस की संस्कृति मंत्री रशीदा दाती ने बताया कि चोर ज्वेलरी लेकर भाग गए। उन्होंने X पर लिखा, 'आज सुबह लूव्र म्यूजियम में खुलते ही चोरी हुई।' रिपोर्ट के मुताबिक, पेशेवर चोर म्यूजियम की दीवार फांदकर अंदर घुसे और डिस्क कटर से खिड़की काटकर महज 7 मिनट में नेपोलियन और महारानी जोसेफिन के 9 बेशकीमती गहने चुरा लिए।

चोरी हुए गहनों में 1855 में बना ऐतिहासिक यूजनी क्राउन भी शामिल है, जो हजारों कीमती रत्नों से जड़ा है। इस ताज के कुछ हिस्से टूटे हुए पाए गए। माना जा रहा है चोरी के दौरान ये टूट गया होगा। म्यूजियम ने चोरी के बाद पूरे दिन के लिए बंद रहने का ऐलान किया। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने इस घटना को बड़ी डकैतियों में से एक करार दिया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'जांच शुरू हो गई है और चोरी हुई वस्तुओं की एक लिस्ट तैयार की जा रही है।'

'चोरों ने मॉडर्न तरीके से चोरी की'

फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि चोरों ने मॉडर्न तरीके से वारदात को अंजाम दिया। चोर एक ट्रक पर लगी सीढ़ी लेकर आए, जिसे उन्होंने सीन नदी की ओर म्यूजियम की दीवार से सटाया। इसके बाद डिस्क कटर से खिड़की काटकर वे अंदर दाखिल हुए। चोरों ने एक मालवाहक लिफ्ट का इस्तेमाल किया, जो सीधे उस गैलरी तक जाती थी, जहां नेपोलियन और जोसेफिन का बेशकीमती संग्रह रखा था।

मुंबई से बिहार जा रही चलती ट्रेन से गिरे तीन युवक, दो की मौत

महानगर संवाददाता

मुंबई

दिवाली और छठ के चलते इन दिनों ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। इसी बीच महाराष्ट्र के नाशिक रोड स्टेशन के पास एक बड़ा हादसा हो गया,जहां एक चलती ट्रेन से तीन युवक गिर गए। इस घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। ये घटना कर्मभूमि एक्सप्रेस में हुआ, जो मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस से बिहार के रक्सौल जा रही थी। बताया जा रहा है कि कर्मभूमि एक्सप्रेस शनिवार को रात के करीब साढ़े 8 बजे नासिक रोड स्टेशन पर बिना रुके आगे बढ़ गई। इसी दौरान जब ट्रेन जेल रोड के हनुमान मंदिर के पास ढिकले नगर इलाके में पहुंची तो पता चला कि तीन युवक ट्रेन से नीचे गिर गए हैं। ओढा के स्टेशन मैनेजर ने नासिक रोड रेल प्रशासन को ये जानकारी दी। घटना स्थल से तीनों युवक मिले जिनमें दो की मौत हो गई और तीसरे घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया गया।

चुनाव आयोग के खिलाफ MVA आंदोलन करेगी

महानगर संवाददाता

मुंबई

राज्य चुनाव आयोग से मतदाता सूची में सुधार की मांग पूरी न होने पर चुनाव आयोग के खिलाफ महाविकास आघाड़ी सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। रविवार को पत्रकारों से बातचीत में यूबीटी के सांसद और प्रवक्ता संजय राउत ने यह जानकारी दी। राउत ने बताया कि चुनाव आयोग के मनमानी कार्यभार के खिलाफ आगामी एक नवंबर (शनिवार) को महाविकास आघाड़ी सड़क पर उतरेगी। सभी विपक्षी दलों की ओर से एक विशाल मोर्चा निकाला जाएगा। महाराष्ट्र के गांव-गांव और जिलों से लाखों की संख्या में लोग शामिल होंगे। राउत ने बताया कि इस आंदोलन का नेतृत्व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के नेता शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे, मनसे प्रमुख राज ठाकरे समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता करेंगे। हम चुनाव आयोग में हुए घोटाले के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं।

मौसम ने ली करवट: कई राज्यों में होगी बारिश!

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्व अरब सागर और केरल-कर्नाटक तटों से दूर लक्षद्वीप क्षेत्र के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटे में एक डिप्रेशन में बदलने की संभावना है। ऐसे में अगले सात दिनों के दौरान केरल, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश, तटीय एवं दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने वाली है।

पूर्व और पूर्वोत्तर व मध्य भारत की बात करें तो 19-23 अक्टूबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, 23 अक्टूबर को मिजोरम में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ भारी बारिश हो सकती है।

पश्चिम भारत की बात करें तो अगले तीन दिनों के दौरान कोंकण, गोवा, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र में बिजली कड़कने के साथ तूफान आने की संभावना है।

भारत ने बनाई संजीवनी

कैंसर और डायबिटीज मरीजों के लिए स्वदेशी एंटीबायोटिक

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। देश ने अपना पहला स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन (Nafithromycin) बनाया है, जो जानलेवा श्वसन संक्रमणों से लड़ने में बहुत असरदार है। यह खास तौर पर कैंसर के मरीजों और अनियंत्रित डायबिटीज वाले लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण है।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि इस एंटीबायोटिक को पूरी तरह से भारत में ही सोचा गया, विकसित किया गया और क्लिनिकल तौर पर परखा गया है। यह भारत को दवा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि 'Nafithromycin' उन श्वसन संक्रमणों से लड़ने में सक्षम है, जिनके खिलाफ मौजूदा एंटीबायोटिक्स अब काम नहीं कर रही हैं। यह उन मरीजों के लिए बहुत मददगार साबित होगा जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है।

ट्रंप के खिलाफ उतरे 70 लाख लोग

अमेरिका में 'नो-किंग' प्रोटेस्ट : 2600 रैलियां निकालीं

महानगर नेटवर्क

वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका में रविवार को राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ सबसे बड़ा प्रदर्शन हुआ। इस प्रदर्शन में देश के अलग-अलग शहरों में 2600 से ज्यादा रैलियां निकाली गईं। इन रैलियों में करीब 70 लाख लोगों ने हिस्सा लिया।

इन प्रदर्शनों को 'नो किंग्स' प्रोटेस्ट नाम दिया गया है। दरअसल प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ट्रम्प के शासन में देश तेजी से तानाशाही की ओर बढ़ रहा है। इससे पहले जून में हुए पहली 'नो किंग्स' प्रदर्शन के दौरान लगभग 2100 जगह रैलियां निकाली गई थीं।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर, बोस्टन, अटलांटा और शिकागो के पार्कों में भारी भीड़ जुटी। वॉशिंगटन, लॉस एंजिल्स और कई रिपब्लिकन शासित राज्यों में भी लोग सड़कों पर उतरे। रिपब्लिकन पार्टी ने इन प्रदर्शनों को हेट अमेरिका रैली (अमेरिका से नफरत करने वाले प्रदर्शन) करार दिया।

ट्रम्प ने 'नो किंग्स' प्रोटेस्ट का जवाब एक AI-जनरेटेड वीडियो से दिया है। उन्होंने अपने ट्रुथ सोशल पर एक 20 सेकेंड का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो क्राउन पहने एक फाइटर जेट पायलट के रूप में नजर आए। उनके जेट पर 'किंग ट्रम्प' लिखा था।

हर आंगन में उजाला, हर नारी में जगाना है विश्वास : अदिती तटकरे

अगले 150 दिनों में पारदर्शिता और गति पर फोकस | हर पुलिस स्टेशन में भरोसा सेल की शुरुआत | लखपति दीदी योजना से महिला बचत समूहों को मजबूती

महिलाओं की सुरक्षा और सहायता तंत्र को सशक्त बनाना है

मनोज दुबे/ जितेंद्र मिश्रा

महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिती तटकरे राज्य में महिलाओं के सशक्तिकरण और बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर तेजी से बदलाव की दिशा में काम कर रही हैं। मुख्यमंत्री के 100 दिनों के कार्यक्रम में उनके विभाग ने अव्वल स्थान हासिल किया और अब वे अगले 150 दिनों की योजनाओं को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी ढांचे में ढालने पर केंद्रित हैं। डिजिटल आंगनवाड़ी से लेकर लखपति दीदी और कुपोषण मुक्त महाराष्ट्र जैसी पहलों के जरिए अदिती तटकरे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और बच्चों के पोषण-सुरक्षा की नई कहानी लिख रही हैं। वे कहती हैं कि हमारा लक्ष्य हर आंगन में उजाला भरना और हर नारी में विश्वास जगाना है। "मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना" का क्रियान्वयन उनके विभाग की तरफ से किया जा रहा है। आगे इसे साक्षरता, स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय समावेशन से जोड़ा जाएगा, ताकि महिलाएं सिर्फ आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि समाज की नेतृत्वकर्ता भी बनें। पेश है, बातचीत के प्रमुख अंश :-

मुख्यमंत्री के 100 दिनों के कार्यक्रम में आपका विभाग अव्वल रहा। आगे 150 दिनों के लिए विभाग की क्या तैयारियां चल रहीं हैं?

यह हमारे लिए गर्व की बात है कि मुख्यमंत्री जी के 100 दिनों के कार्यक्रम में हमारा विभाग सबसे आगे रहा। अब अगले 150 दिनों में हम और तेजी से काम कर रहे हैं। आने वाले 150 दिनों के लिए हमारा प्रमुख लक्ष्य विभाग की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, गति और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है और इसके लिए डिजिटलाइजेशन को केंद्र में रखा गया है। हमारा विभाग अब पूरी तरह से "डिजिटल भारत" दृष्टिकोण के साथ काम कर रहा है। आंगनवाड़ी सेवाओं के डिजिटलीकरण से लेकर पोषण कार्यक्रमों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग तक, हर स्तर पर तकनीक को एकीकृत किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य केवल शासन की प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण करना नहीं, बल्कि डिजिटल माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण का नया मार्ग बनाना है। डिजिटल भारत का अर्थ केवल कागज रहित कार्यालय नहीं, बल्कि हर महिला और हर बच्चे के जीवन में सुविधाजनक सेवाएं, त्वरित निर्णय और सर्वांगीण विकास लाना है और इस दिशा में हमारा विभाग पूरी तरह तत्पर है।

आपने पिछले साल राज्य की महिला नीति घोषित की थी, जिसमें हर पुलिस स्टेशन में भरोसा सेल स्थापित करने की घोषणा की गई थी। यह लक्ष्य कहां तक पहुंचा है?

कई जिलों में भरोसा सेल शुरू हो चुके हैं और लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। अब हम इन्हें और अधिक मजबूत, संवेदनशील और सरल बना रहे हैं, ताकि हर महिला को तुरंत मदद मिल सके।

लखपति दीदी योजना में 1 करोड़ का लक्ष्य पूरा करने के लिए विभाग की तरफ से क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

इस योजना से महिला बचत समूहों को मजबूत बनाना हमारा लक्ष्य है। हम महिलाओं को डिजिटल ट्रेनिंग, आर्थिक सहायता, बाजार से जोड़ने और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर बिक्री की सुविधा दे रहे हैं। इससे महिलाएं आसानी से उद्यम शुरू कर सकेंगी और लक्ष्य पूरा होगा।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए आपकी सबसे बड़ी प्राथमिकता क्या है? खासकर घरेलू हिंसा पीड़ित महिलाओं को मदद कैसे मिलेगी?

हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है कि हर पीड़ित महिला तक तुरंत मदद पहुंचे। इसके लिए हम वन-स्टॉप सेंटर, हेल्पलाइन और भरोसा सेल को और मजबूत कर रहे हैं। साथ ही, कानूनी मदद और परामर्श भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

राज्य के बच्चों में कुपोषण रोकने के लिए आप क्या कदम उठा रही हैं?

हमने 'कुपोषण मुक्त महाराष्ट्र' अभियान शुरू किया है। इसके तहत पौष्टिक आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच, आयरन की कमी दूर करने का अभियान और माताओं को पोषण के बारे में जागरूक करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आंगनवाड़ी सेवाओं की स्थिति सुधारने के लिए आपका प्लान क्या है?

हम डिजिटल आंगनवाड़ी की दिशा में काम कर रहे हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मोबाइल फोन उपलब्ध कराए गए हैं, जिनके माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और उपस्थिति की जानकारी तुरंत अपडेट की जाती है। इससे राज्य भर का डेटा एक क्लिक में उपलब्ध हो जाता है और नीति-निर्माण के निर्णय अधिक सटीक और तेजी से लिए जा सकते हैं। इसी तरह, पोषण आहार की आपूर्ति श्रृंखला को भी अब ई-ट्रैकिंग सिस्टम से जोड़ा गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों में वृद्धि हुई है।

क्या महिला-बाल विकास योजनाएं डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से जुड़ेंगी?

बिलकुल हमारी ज्यादातर योजनाओं को डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से जोड़ा जा रहा है। ऑनलाइन आवेदन, लाभ की ट्रैकिंग और मॉनिटरिंग अब आसानी से हो सकेगी। इससे गति, पारदर्शिता और जवाबदेही तीनों बढ़ेंगी।

मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना के बारे में आप और क्या बताना चाहेंगी?

यह योजना महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक सम्मान दोनों देती है। लाखों बहनें इसका लाभ ले चुकी हैं। आगे इसे वित्तीय साक्षरता, स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय समावेशन से जोड़ा जाएगा, ताकि महिलाएं सिर्फ आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि समाज की नेतृत्वकर्ता भी बनें।

ओबीसी समाज के साथ नहीं होगा अन्याय : फडणवीस

'विपक्ष सिर्फ नकारात्मक राजनीति कर रहा

महानगर संवाददाता
मुंबई

आरक्षण मुद्दे को लेकर मराठा और ओबीसी समाज के नेताओं में शुरू आरोप - प्रत्यारोप पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बयान दिया है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए फडणवीस ने कहा कि महाविकास अघाड़ी सरकार में सिर्फ ओबीसी समाज के लिए घोषणाएं होती थीं, लेकिन हमारी सरकार में काम करती है। एमवीए की सरकार में ओबीसी छात्रों के लिए सिर्फ छात्रावास था, जबकि हमारी सरकार आने के बाद पूरे महाराष्ट्र में 60 ओबीसी छात्रावास शुरू किए। ओबीसी समाज से आने वाले दस लाख परिवार को घर दिए गए। हमने कभी भी जाति की राजनीति नहीं की किसी धर्म और जाति के साथ भेदभाव नहीं किया। छत्रपति शिवाजी महाराज ने कई जातियों को अपने साथ ले गए थे। इसलिए किसी भी समाज के साथ अन्याय नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मराठा समाज को न्याय देते हुए ओबीसी समाज के साथ अन्याय नहीं किया जाएगा। फडणवीस ने कहा कि हमने मराठा समाज को आरक्षण देने के लिए राज्य में हैदराबाद गजेटियर को लागू किया उसका जीआर जारी किया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि एमवीए ने हमेशा जाति और धर्म की राजनीति की है एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ लड़ाने का काम किया है। विपक्ष की राजनीति को देश और प्रदेश की जनता अच्छी तरह समझ गई है इसलिए साल 2014 के बाद जनता ने उन्हें सत्ता से दूर कर दिया है।

बालासाहेब दिल में हैं और आनंद दिघे उनके रक्त में हैं : शिंदे

किसानों और कर्मचारियों के लिए किया ऐलान

ठाणे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को दीपावली के अवसर पर किसानों, महानगरपालिका कर्मचारियों और ठाणे की जनता को शुभकामनाएं दी, उन्होंने कहा कि इस बार की दीपावली हर वर्ग के लिए खुशहाली लाएगी, क्योंकि सरकार ने किसानों और कर्मचारियों के हित में कई कदम उठाए हैं। शिंदे ने आगे कहा कि जनता उन लोगों को सबक सिखाएगी जो शिवसेना के मूल्यों और आनंद दिघे जैसे नेताओं का अपमान करते हैं। शिंदे ने कहा कि किसान मुश्किलों से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि उनकी दीपावली काली न हो, उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार किसानों के साथ खड़ी है और संकट से उबरने में उनकी मदद कर रही है। मैं किसानों को शुभकामनाएं देता हूं, यह दीपावली उनके जीवन में सुख और समृद्धि लाए। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महानगरपालिका कर्मचारियों के लिए इस बार पिछले साल की तुलना में बढ़ा हुआ बोनस देने की घोषणा की, जिससे कर्मचारी खुश हैं। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि पहली बार एसटी (राज्य परिवहन) कर्मचारियों की हड़ताल के बाद उन्हें 107 करोड़ रुपए का बोनस दिया गया, जिससे एक लाख कर्मचारी संतुष्ट हैं।

उद्धव ठाकरे पर साधा निशाना

ठाणे में शिवसेना के गढ़ को मजबूत करते हुए शिंदे ने उद्धव और उनकी पार्टी पर निशाना साधा, उन्होंने कहा कि जो लोग अपने विचारों पर दृढ़ नहीं रहते, ठाणे की जनता उनको सबक सिखाएगी। आनंद दिघे साहेब का अपमान करने वालों को ठाणेकर सबक सिखाएंगे। उन्होंने दावा किया कि बालासाहेब ठाकरे उनके दिल में हैं और आनंद दिघे उनके रक्त में हैं। कुछ लोग केवल चुनाव के समय लोगों के दरवाजे खटखटाते हैं, लेकिन मैं और मेरे शिवसैनिक सालभर जनता के बीच रहते हैं।

मालाबार हिल जलाशय के पुनर्निर्माण को लेकर अनिश्चितता बरकरार

महानगर संवाददाता
मुंबई

दो साल पहले स्थानीय विरोध के चलते मलाबार हिल जलाशय बनाने का निर्णय मनपा ने रोक दिया था, लेकिन आज तक यह तय नहीं हो पाया है कि जलाशय की मरम्मत की जाएगी या फिर नया वैकल्पिक टैंक बनाया जाएगा, जिससे मलाबार जलाशय का मामला अभी भी लटका हुआ है। साल 2023 में 698 करोड़ रुपए की लागत से जलाशय के पुनर्निर्माण की योजना तैयार हुई थी। संरचनात्मक ऑडिट में बड़ी खामियां सामने आने के बाद जलाशय को न तोड़ने का फैसला लिया गया था। दक्षिण मुंबई की ऊंचाई पर स्थित यह जलाशय गुरुत्वाकर्षण के जरिए पानी की आपूर्ति करता है।

अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगड़ ने बताया कि मनपा अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने हाल ही में वैकल्पिक टैंक के लिए संभावित जगहों का निरीक्षण किया। इनमें मालाबार हिल पोस्ट ऑफिस के पास और हैंगिंग गार्डन स्टाफ क्वार्टर्स का इलाका शामिल है। उन्होंने कहा कि इन जगहों का क्षेत्र छोटा है, इसलिए एक या दो टैंक बनाने को लेकर विचार चल रहा है। अगर दो टैंक बनाए गए तो जल वितरण प्रणाली में भी बदलाव करना होगा।

कार्यकर्ता जोरू भाठेना ने कहा कि मनपा को अब तुरंत निर्णय लेना चाहिए। "2023 में मूल योजना रद्द कर दी गई थी और दो साल बाद भी न तो मरम्मत पर और न ही वैकल्पिक टैंक पर कोई ठोस योजना बनी है।" जून 2024 में आईआईटी-रुड़की की टीम ने जलाशय का निरीक्षण कर 52 एमएलडी क्षमता वाला टैंक बनाने की सिफारिश की थी। मनपा ने टीम से यह भी जांच कराई कि क्या बिना अतिरिक्त टैंक बनाए मौजूदा जलाशय की मरम्मत संभव है और पानी की आपूर्ति कैसे जारी रखी जा सकती है।

घरेलू विवाद में बेटी को ही मार डाला, आरोपी गिरफ्तार

पत्नी पर भी जानलेवा हमला

मुंबई। सांताक्रूज़ (पूर्व) के कालिना इलाके से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां शनिवार देर रात घरेलू विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने अपनी 14 वर्षीय बेटी की हत्या कर दी और पत्नी पर जानलेवा हमला किया। घटना शिवनगर चॉल, पुरानी सीएसटी रोड के पास हुई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मोहम्मद सुलेमान कुजरा ने गुस्से में आकर दोनों पर वार किया। जिसमें बेटी की मौके पर मौत हो गई, जबकि पत्नी नसीमा सुलेमान कुजरा अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती हैं। आरोपी वारदात के बाद फरार हो गया था। इस पूरे मामले में मुंबई की वाकोला पुलिस ने केस दर्ज किया और क्राइम ब्रांच की टीम ने भी जांच शुरू की।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

15 अक्टूबर को हुए पारिवारिक विवाद के दौरान 14 वर्षीय बेटी की हत्या और पत्नी पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी मुंबई क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में आ गया है। आरोपी मोहम्मद सुलेमान रज्जाक कुजरा (38) ने वारदात के बाद फरार होकर छिपने की कोशिश की थी। पुलिस ने तकनीकी जांच और मिली गुप्त सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार किया।

प्रदूषण रोकने के लिए मनपा और एमपीसीबी एक साथ करेगी काम

इस साल ठंडी अधिक रहने की संभावना

मुंबई। वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) की समस्या से निपटने के लिए मनपा प्रशासन और राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एमपीसीबी) ने इस बार सर्दियों के लंबे मौसम को ध्यान में रखते हुए तैयारी शुरू कर दी है। दोनों एक साथ मिलकर मुंबई में होने वाले धूल प्रदूषण पर कैसे लगाना लगाया जा सके इस पर काम करने का निर्णय लिया है। मनपा अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष एल-नीनो की स्थिति के कारण मौसम विभाग ने लंबा मानसून रहने का अनुमान जताया है। मनपा और एमपीसीबी का मुख्य उद्देश्य प्रदूषण के मानवजनित कारणों पर नियंत्रण रखना होगा। इसके लिए प्रत्येक वार्ड स्तर पर निगरानी कक्ष बनाए जा रहे हैं और मोबाइल मॉनिटरिंग वैन तैनात की जाएंगी।

हवाई अड्डे से 1.2 किलोग्राम सोना जब्त, दो सफाईकर्मी गिरफ्तार

महानगर संवाददाता
मुंबई

छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सफाई कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है. इन पर विदेशी मूल के सोने की तस्करी का आरोप है. अधिकारियों के अनुसार, जब्त किया गया सोना लगभग 1.2 किलोग्राम है, जिसकी कीमत करीब 1.6 करोड़ रुपये आंकी गई है।

तस्करी में शामिल थे एयरपोर्ट के सफाई कर्मचारी

रिपोर्ट के मुताबिक डीआरआई को पहले से सूचना मिली थी कि कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आए यात्रियों की मदद से तस्कर सोने को विमान के भीतर छिपा देते हैं और बाद में एयरपोर्ट के अंदरूनी स्टाफ उसे निकालकर बाहर पहुंचाते हैं। इस खुफिया इनपुट के आधार पर डीआरआई ने शनिवार को एयरपोर्ट पर गुप्त निगरानी शुरू की।

जांच के दौरान डीआरआई टीम ने देखा कि क्लीनिंग स्टाफ का एक टीम लीडर संदिग्ध तरीके से एयरोब्रिज की सीढ़ियों पर एक पैकेट छिपाने की कोशिश कर रहा है। जब अधिकारियों ने उसे रोका तो उसने पैकेट वहीं छोड़ दिया और भागने की कोशिश की।

पश्चिम रेलवे
कवर शेड का प्रावधान

उप मुख्य अभियंता (निर्माण), पश्चिम रेलवे, सूरत – 395006 द्वारा **निविदा क्र. : डि.सीई (सी) सीसीजी/355 आमंत्रित की जाती है. कार्य का नाम : बांद्रा टर्मिनस – धुलाई सह निरीक्षण पिट लाइन क्र. 1 और 2 के विस्तारित भाग पर लगभग 112 एम कवर शेड का प्रावधान. एनआईटी लागत : ₹ 9,72,980,31.19. ईएमडी : ₹ 6,36,500/-, ई-बोली बंद होने की तिथि : 11.11.2025, 15.00 बजे तक. ई-बोली खुलने की तिथि :** 11.11.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0721

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

ठाणे महानगरपालिका की कमाई पर ब्रेक

650 करोड़ के लक्ष्य में अब तक केवल 200 करोड़ की वसूली

महानगर संवाददाता
ठाणे

ठाणे महानगरपालिका का शहरी विकास विभाग इस साल अपने राजस्व लक्ष्य से काफी पीछे है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए विभाग को 650 करोड़ रुपये की आय का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन 16 अक्टूबर तक सिर्फ 200 करोड़ 22 लाख रुपये की ही वसूली हो पाई है। यानी अभी करीब 450 करोड़ रुपये की राशि अगले साढ़े पाँच महीनों में जुटानी बाकी है। नगरीय विकास विभाग को होने वाली आय मुख्य रूप से विकास शुल्क, अतिरिक्त भू-सूचकांक, जाँच शुल्क और अनुमोदन शुल्क जैसे स्रोतों से होती है। वहीं, नगर निगम के अन्य विभागों से भी बड़ी आमदनी की उम्मीद की जा रही है। जल आपूर्ति विभाग से 250 करोड़ रुपये, अग्निशमन शुल्क से 127 करोड़ 3 लाख रुपये, विज्ञापन शुल्क से 22 करोड़ रुपये और अचल संपत्तियों के किराए से 15 करोड़ 41 लाख रुपये की वसूली की संभावना है। नगर निगम की कुल अनुमानित आय 3,281 करोड़ 93 लाख रुपये तय की गई है। इसमें स्थानीय संस्था कर से 841 करोड़ 58 लाख रुपये, संपत्ति कर से 650 करोड़ 80 लाख रुपये और नगर विकास विभाग से 650 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा राज्य सरकार और अन्य सरकारी विभागों से 612 करोड़ 59 लाख रुपये के अनुदान की भी अपेक्षा की जा रही है।

राजस्व वसूली में कमी को देखते हुए ठाणे महानगरपालिका प्रशासन ने सभी विभागों को आय बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का प्रयास है कि आने वाले महीनों में वसूली की गति तेज कर वित्त वर्ष के अंत तक निर्धारित लक्ष्य हासिल किया जा सके।

कलवा में पुरानी इमारत का स्लैब गिरा

दो घायल, छह कमरे खाली कराए गए

ठाणे। कलवा के विटावा परिसर में शनिवार रात एक बड़ा हादसा हुआ जब धर्मा निवास नामक पुरानी इमारत का स्लैब अचानक गिर गया। इस घटना में दो लोग घायल हो गए, जबकि एहतियात के तौर पर इमारत की छह कमरे खाली करवा दिए गए हैं। घटना रात करीब 9 बजे के आसपास घटी। यह जानकारी ठाणे महापालिका के आपदा प्रबंधन विभाग कक्ष को सहायक आयुक्त ललिता जाधव ने दी। बताया गया कि धर्मा निवास लगभग 25 से 30 साल पुरानी इमारत है। हादसा इमारत के रूम नंबर 04 में हुआ, जिसके मालिक सूर्यकांत वालुंज और किरायेदार जयश्री शिंदे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही सहायक आयुक्त ललिता जाधव, आपदा प्रबंधन अधिकारी तडवी, महापालिका कर्मचारी, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अग्निशमन दल और टोरंट पावर कंपनी की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। इस हादसे में घायल हुए व्यक्तियों की पहचान संजय उत्तेकर (40 वर्ष) और योगिता उत्तेकर, निवासी रूम नंबर D/104, धर्मा निवास, के रूप में हुई।

ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय की अनोखी पहल

'माणुसकी की दिवाली' से जुटाई गई बाढ़ प्रभावितों के लिए सहायता निधि

ठाणे। अतिवृष्टि से मराठवाड़ा समेत महाराष्ट्र के कई हिस्सों में किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। इसी संकट की घड़ी में ठाणे जिल्हाधिकारी कार्यालय ने एक प्रेरणादायी कदम उठाते हुए "माणुसकी की दिवाली" अभियान की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य पूरग्रस्त किसानों की मदद के लिए स्वेच्छा से आर्थिक सहायता जुटाना है। जिल्हाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल के मार्गदर्शन में तथा अपर जिल्हाधिकारी हरिश्चंद्र पाटील, निवासी उपजिल्हाधिकारी डॉ. संदीप माने, जिल्हा नियोजन अधिकारी वैभव कुलकर्णी, उपजिल्हाधिकारी रूपाली भालके, सर्जेराव मस्के-पाटील, शशिकांत गायकवाड, वैशाली माने, जिल्हा अधीक्षक भूमी अभिलेख नितीन पाटील, प्रांताधिकारी उर्मिला पाटील, तहसीलदार रेवण लेंभे, सचिन चौधर, संदीप थोरात, अमोल कदम, प्रदीप कुडाळ, उज्वला भगत, निलेश गौड, मुकेश पाटील और जिल्हा खनिकर्म अधिकारी विवेक घुले के सहयोग से यह अभियान चलाया गया। दिवाली के पहले ही दिन जिल्हाधिकारी कार्यालय सहित सभी प्रांत और तहसील कार्यालयों ने "एक हाथ बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए" पहल के अंतर्गत यह अभियान शुरू किया। अधिकारी और कर्मचारियों ने दिवाली फराळ कार्यक्रम के साथ-साथ क्यूआर कोड के माध्यम से मुख्यमंत्री सहायता निधि खाते में स्वेच्छा से दान राशि जमा की।

पश्चिम रेलवे
विद्युत कार्य

वरि. डीईई/पी/बीसीटी द्वारा **निविदा सूचना क्र. : ईएल-81-908-डब्ल्यूए-10 (आर-3) दिनांक 17.10.2025 आमंत्रित की जाती है. कार्य एवं स्थान : नरदाना यार्ड रिमॉडेलिंग – धुले – नरदाना नई लाइन परियोजना (50.060 किमी.) के संबंध में विद्युत (ऊर्जा) कार्य. कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 83,58,895. ईएमडी : ₹ 1,67,200/-. जमा करने की तिथि एवं समय : 11.11.2025 को 15.00 बजे तक. खुलने की तिथि एवं समय :** 11.11.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0725

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
दीवार का निर्माण

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 द्वारा **निविदा सूचना क्र. : बीसीटी/25-26/248 दिनांक 16.10.2025 आमंत्रित की जाती है. कार्य एवं स्थान : जोरावासन – सूरत अनुभाग (i) एडीईएन सूरत क्षेत्राधिकार अंतर्गत एलएचएस 120, 121, 122 में बॉक्स के भीतर सीपेजेस की मरम्मत और पंप रूम्स, क्रॉस ड्रेन प्रदान करना, सर्विस रोड उपयोगकर्ताओं हेतु असामान्य स्थितियों से बचाव हेतु अप्रोच दीवार को ऊंचा उठाना. (ii) एडीईएन सूरत क्षेत्राधिकार अंतर्गत एलएचएस नं. 134, 136 तथा 138 में बॉक्स के भीतर सीपेजेस की मरम्मत और पंप रूम्स, क्रॉस ड्रेन्स प्रदान करना, सर्विस रोड उपयोगकर्ताओं हेतु असामान्य स्थितियों से बचाव हेतु अप्रोच दीवार को ऊंचा उठाना. कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 4,10,65,807.39. ईएमडी : ₹ 3,55,300/- , जमा करने की तिथि एवं समय : 11.11.2025 को 15.00 बजे तक. खुलने की तिथि एवं समय :** 11.11.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0717

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मनपा आयुक्त भूषण गगराणी ने कर्मचारियों के घर जाकर परिवार के साथ मनाई दिवाली

महानगर संवाददाता
मुंबई

मनपा आयुक्त भूषण गगराणी अपनी पत्नी डॉ. शीतल गगराणी के साथ पानी छोड़ने वाले, चाभी वाले कर्मचारियों और फायर जवानों के बस्तियों में जाकर उनके घर परिवारों के साथ दिवाली का त्यौहार मनाया ।

कुर्ला स्थित पानी विभाग के कर्मचारी की बस्ती में गगराणी दंपत्ति का कर्मचारियों और अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सजे हुए तोरन, रंग-बिरंगी रंगोली और प्रसन्न चेहरों के बीच उन्होंने प्रत्येक परिवार से मुलाकात की। पानी की सप्लाई में रोजाना एक समय पर मुंबई के लोगों को पानी छोड़कर उनकी प्यास बुझने वाले चाभी वाले , पंप चालक और अन्य कर्मचारियों के परिवारों को दिवाली सामग्री को भेंट में दिया और उनसे बातचीत कर उनका उत्साह बढ़ाया।इस अवसर पर मनपा आयुक्त भूषण गगराणी ने कहा कि प्रशासन में नीति संबंधी निर्णय हम लेते हैं लेकिन जनता का सीधा संपर्क कर्मचारियों से होता है। इसलिए उनके परिवारों से मिलकर दिवाली मनाना रिश्तों को और मजबूत बनाने का अवसर है। इस अवसर पर सहायक आयुक्त शंकर भोसले, उप प्रमुख अभियंता सुशील चव्हाण सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इसके बाद गगराणी दंपत्ति दादर स्थित फायर ब्रिगेड के जवानों की बस्ती का भी दौरा किया। यहां भी उन्होंने परिवारों को दिवाली उपहार भेंट दिया और उनसे आत्मीय बातचीत की।

इस मौके पर अग्निशमन दल प्रमुख रविंद्र आंबुलगेकर, उप अग्निशमन अधिकारी अनिल परब, के. आर. राव और विभागीय अग्निशमन अधिकारी मनोज सावंत उपस्थित थे। यह सदिच्छा भेंट कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए दिवाली की खुशी को दोगुना करने वाली और आपसी रिश्तों को और प्रगाढ़ करने वाली सिद्ध हुई।

भिवंडी मनपा की सड़कें जल्द होंगी चकाचक

आयुक्त ने पांचों प्रभागों की खराब सड़कों की मरम्मत हेतु दिया फंड

महानगर संवाददाता
भिवंडी

कई माह से जारी मूसलाधार बारिश के कारण खराब हुई भिवंडी शहर की सड़कें जल्द ही चकाचक हो जाएंगी। मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने खराब सड़कों की मरम्मत के लिए पांचों प्रभागों को 5 करोड़ रुपए दिया है। अब जब बारिश खत्म हो गई है तो सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू हो जाएगा।

भिवंडी मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष करीब 70 मि.ली.ज्यादा बरसात हुई है। जिसके कारण शहर के सभी प्रमुख रास्तों पर हुए गड्ढों के कारण सड़क बदतर हालात में है। खराब रास्तों के कारण शहर वासियों को काफी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। मनपा आयुक्त ने बताया कि अभी भी बरसात खत्म नही हुआ है। इस कारण रास्तों का मरम्मत कार्य नहीं हो पा रहा है। मनपा आयुक्त ने बताया की भिवंडी शहर 26 किलो मीटर में फैला हुआ है। पॉवरलूम उद्योग के कारण शहर में बड़े पैमानों पर भारी वाहनों का आवागमन होता है। शहर में बड़े पैमाने पर ड्रेनेज लाईन का भी काम चालू है। जिसके कारण भी शहर के रास्ते खराब हुए है।उन्होंने बताया कि ईद व गणेशोत्सव के दौरान शहर के रास्तों के गढ़ढे भरे गए थे।लेकिन भारी बरसात के कारण सब पानी में बह गए। बरसात के बाद शहर के सभी प्रमुख रास्तों का काम प्रमुखता से किया जाएगा। इसके लिए शहर के पांचों प्रभाग समितियों को 5 करोड़ रूपये का आवंटन किया गया है।जिसके तहत सभी प्रभाग को अपने अपने क्षेत्र में एक एक करोड़ रुपया खर्च कर गड्ढों को भरने व पेचअप का कार्य किया जाएगा।जिसका ठेका भी पांचों प्रभाग में पांच अलग अलग ठेकेदारों को दिया गया है।

धारावी पुनर्विकास परियोजना

धारावी पुनर्विकास : वादों से वास्तविकता की ओर

नया धारावी : जहां घर और रोजगार एकसाथ मिलेगा!

धारावी का पुनर्विकास आज तक एक सपना ही माना जाता रहा है। लेकिन आज जिस जोश और ऊर्जा के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने इस सपने को गति दी है, उससे यह सपना जल्द ही वास्तविकता में साकार होने जा रहा है। यह भारत की सबसे चर्चित और सबसे बड़ी शहरी पुनर्वास परियोजना है। यह एक ऐसी विशेष और आकर्षक परियोजना है, जिस पर केवल पूरे देश की ही नहीं, बल्कि दुनिया भर की निगाहें टिकी हुई हैं।

लक्ष्य "झुग्गी-झोपड़ी मुक्त मुंबई" का!

धारावी पुनर्विकास परियोजना, झुग्गी-मुक्त मुंबई के सपने को साकार करने का एक ईमानदार और उतना ही महत्वाकांक्षी प्रयास है। महायुति सरकार ने लोगों से एशिया की इस सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती को पूरी तरह से बदलने का वादा किया था। अब सरकार का यह वादा जल्द ही पूरा होने जा रहा है। जाहिर है कि यह परियोजना भारत के शहरीकरण के इतिहास में एक 'मील के पत्थर' के रूप में दर्ज होगी। इस परियोजना के जरिए धारावी के प्रत्येक नागरिक को 24 घंटे पानी, निर्बाध बिजली और सभी बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी। महाराष्ट्र सरकार ने 'सभी के लिए घर' का लक्ष्य रखा है और यह परियोजना उसी के अनुरूप क्रियान्वित की जा रही है। सरकारी नियम - मापदंडों के अनुसार, पात्र धारावीवासियों को धारावी में ही निःशुल्क आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। खास बात यह है कि अपात्र निवासियों को भी नहीं छोड़ा जाएगा। उन्हें रियायती दर पर या 'किराया-खरीद आधार' पर आस-पास आवास उपलब्ध कराने का भी प्रावधान है। इसके अलावा, ये निवासी 12 वर्षों में मामूली किराया देकर अपने हक़ का मकान प्राप्त कर सकते हैं और शेष राशि एकमुश्त देकर स्वामित्व भी प्राप्त कर सकते हैं। इस परियोजना की खासियत यह है कि ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले झुग्गीवासियों को भी पुनर्विकास प्रक्रिया में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले किसी भी पुनर्वास योजना में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था। इसीलिए यह परियोजना व्यापक और निष्पक्ष है।

स्पष्ट योजना, तेज़ रफ्तार क्रियान्वयन!

यह परियोजना पिछले दो दशकों से चर्चा में रही है। इस परियोजना को फडणवीस सरकार ने एक नई दिशा दी है। पहली बार धारावी के लिए एक स्पष्ट और विस्तृत मास्टर प्लान तैयार किया गया है। आज सर्वेक्षण का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है और अनुलग्नक-2 तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। साथ ही, जमीनी स्तर पर काम भी शुरू कर दिया गया है।

इस परियोजना का हिस्सा बनने वाली रेलवे कर्मचारी कॉलोनी और कार्यालयों के निर्माण का काम शुरू हो गया है। धारावी के लिए पहले जितने भी प्रयास किए गए थे, वे मुख्य रूप से डेवलपर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए किए जा रहे थे। लेकिन अब आम धारावीवासियों के हितों को ध्यान में रखते हुए और उनके हितों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरकार ने 'स्पेशल पर्पस व्हीकल' (एसपीवी) नामक एक नए मॉडल के माध्यम से परियोजना की बागडोर अपने हाथ में ले ली है। हालांकि सरकार और निजी भागीदारों के बीच ज़िम्मेदारी का एक निश्चित विभाजन है, लेकिन अच्छी बात यह है कि अंतिम निर्णय लेने की शक्ति राज्य सरकार के पास होगी। इस संरचना ने पारदर्शिता और परियोजना की गति, दोनों को काफ़ी बढ़ावा दिया है।

विपक्ष की आलोचना का जवाब

विपक्ष मांग कर रहा है कि धारावी के सभी निवासियों को धारावी में ही घर दिए जाएं। लेकिन आज धारावी की जनता के हितों की चिंता का दिखावा करनेवाले विपक्ष की जब महाआघाडी सरकार की सत्ता थी, उस समय इसी परियोजना के लिए जो निविदा की शर्तें तैयार की गई थी, उनमें इसका कोई प्रावधान ही नहीं था। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की सरकार में कांग्रेस और अन्य दल शामिल थे। महायुति सरकार के सत्ता में आने के बाद, यह स्पष्ट निर्णय लिया गया कि इस परियोजना से किसी को भी बाहर नहीं रखा जाएगा। पात्रता-अपात्रता से परे जाकर सभी को घर देने की नीति लागू करने का निर्णय लिया गया।

> **"धारावी पुनर्विकास पिछले प्रयास डेव्हलपर केंद्रित थे धारावी निवासींयो का भविष्य विकासक को सौंपा गया था| हालंकी इस बार हमने विकास मॉडल में मूलभूत परिवर्तन किए हैं | राज्य सरकारने स्पेशल पर्पस व्हीकल के माध्यम से पुरी जिम्मेदारी आपने हाथ में ली हैं |** - श्री देवेंद्र फडणवीस **(मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य)**

> "धारावी का पुनर्विकास, झुग्गी-मुक्त मुंबई के हमारे सपने का हिस्सा है। एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती के हर निवासी को 24x7 बिजली और पानी की सुविधायुक्त घर मिलेगा, और सबसे महत्वपूर्ण बात, हर धारावीवासी सम्मानपूर्वक जीवन जी सकेगा! यह हमारा वादा है, यह हमारा वचन है।
> - श्री देवेंद्र फडणवीस
> (मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य)

> **"हमारा लक्ष्य स्पष्ट है कि नए किफायती घरों के साथ-साथ धारावी में उद्योग भी फल-फूलें। इससे धारावी में उद्यमियों को टिके रहने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।"**

> धारावी का पुनर्विकास न केवल हमारा सपना है, बल्कि एक महत्वाकांक्षी सामाजिक कार्यक्रम भी है। इससे न केवल निवासियों को नए घर मिलेंगे, बल्कि एक नई जीवनशैली भी मिलेगी।
> - श्री एकनाथ शिंदे,
> (उपमुख्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य)

> महाराष्ट्र सरकार एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी का सही गति और सही गुणवत्ता के साथ पुनर्विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। 'सभी के लिए घर' के अपने वादे को पूरा करते हुए, धारावी के लघु और मध्यम आकार के उद्योगों को भी इस योजना में उचित स्थान दिया गया है। विश्वास है कि इस परियोजना के माध्यम से धारावी मुंबई के लिए एक भविष्योन्मुखी, आधुनिक और सुनियोजित विकास केंद्र बनेगा।
> - श्री अजित पवार
> (उपमुख्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य)

> **"धारावी के पुनर्विकास को लेकर हमारा नजरिया एकदम साफ और स्पष्ट है। धारावी पुनर्विकास परियोजना केवल एक आवासीय परियोजना नहीं होगी। यह सभी सुविधाओं से युक्त एक आधुनिक कॉलोनी होगी।|"**

> **'धारावी पुनर्विकास परियोजना एकमात्र ऐसी परियोजना है जिसमें ऊपरी मंज़िल पर रहने वाले झुग्गीवासियों को भी पुनर्विकास में शामिल किया जाएगा। वास्तव में, अन्य परियोजनाओं में ऐसे निवासियों को कोई लाभ नहीं दिया जाता है।'**

मुख्यमंत्री फडणवीस ने हाल ही में कहा था, 'कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए धारावीवासियों को गरीबी के चक्र में फंसाए रखना चाहते हैं; लेकिन सरकार धारावीवासियों को आत्मसम्मान और सुरक्षित भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है।' इस बात का प्रमाण फडणवीस सरकार की धारावी पुनर्विकास परियोजना है।

सामाजिक और बुनियादी ढांचागत सेवा-सुविधाओं का समन्वय

धारावी पुनर्विकास परियोजना केवल एक आवासीय परियोजना नहीं है। सरकार ने इसे सामाजिक और भौतिक बुनियादी ढांचे का समन्वय करने वाला एक सर्वसमावेशी मॉडल बताया है। क्योंकि, नए घरों के साथ-साथ इस परियोजना में स्कूल, अस्पताल, खेल के मैदान, बगीचे और पर्याप्त खुली जगहें भी शामिल हैं। इससे धारावी की सूरत और सीरत बदल जाएगी। साथ ही, यह परियोजना केवल धारावी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आसपास के पूरे इलाके का भी कायाकल्प होगा। इसके माध्यम से, महायुति सरकार ने मुंबई को झुग्गी-झोपड़ी मुक्त, आधुनिक और सम्मानजनक रहने की जगह बनाने का संकल्प लिया है, जो मुंबई के भविष्य के लिए नितांत आवश्यक है।

धारावी के आर्थिक चक्र को संरक्षित करने के प्रयास

धारावी सिर्फ़ एक झुग्गी बस्ती नहीं, बल्कि एक फलता-फूलता आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र है। हम जानते हैं कि यहां हज़ारों छोटे उद्योग और हस्तशिल्प इकाइयां संचालित हो रही हैं। सरकार ने इन उद्योगों के संरक्षण के लिए एक स्पष्ट नीति बनाई है। वर्तमान स्थिति यह है कि धारावी के अधिकांश उद्योग पट्टे पर लिए गए परिसरों पर चलते हैं, इसलिए उन्हें विस्तार का अवसर नहीं मिल पाता। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए, पुनर्विकसित भवनों में 10 प्रतिशत व्यावसायिक स्थान धारावी के व्यवसायियों के लिए आरक्षित किए गए हैं। ताकि वे धारावी में ही अपना व्यवसाय जारी रख सकें।

इसके अलावा, धारावी में मौजूदा और नए व्यवसायों को प्रोत्साहित करने के लिए, पहले पांच वर्षों के लिए राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी) में छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। यह नीति उद्योगों को बढ़ावा देने और धारावी के पुनर्विकास में 'धारावी की आत्मा', यानी क्षेत्र की औद्योगिक अर्थव्यवस्था को संरक्षित करने में मदद करेगी।

वचनपूर्ति की ओर बढ़ते कदम!

धारावी पुनर्विकास परियोजना, झुग्गी-मुक्त मुंबई के सपने का एक अभिन्न अंग है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती के हर नागरिक को 24x7 बिजली, पानी और सम्मानपूर्वक जीवन जीनेलायक घर उपलब्ध कराने के महायुति सरकार के वादे को एक बार नहीं, कई बार दोहराया है। मुख्यमंत्री फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार ने इस परियोजना को जो गति दी है, उसे देखते हुए यह निश्चित है कि यह मुंबई के पुनर्निर्माण में एक नए युग की शुरुआत होगी।

धारावी परियोजना के मुद्दे...

- आम जनता को प्राथमिकता के साथ समुदाय-केंद्रित नियोजन दृष्टिकोण।
- मिश्रित उपयोग, सुरक्षित और स्वस्थ परिसर।
- पैदल चलने योग्य और आसानी से सुलभ '15 मिनट का शहर' अवधारणा, जिसमें आवासीय क्षेत्रों, कार्यालय क्षेत्रों, खरीदारी और मनोरंजन केंद्रों, सार्वजनिक सेवाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं के बीच निर्बाध संपर्क शामिल है।
- सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं के निकट और आसान पहुंच वाला रणनीतिक स्थान।
- शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों सहित उत्कृष्ट सामाजिक अवसंरचना।
- क्षेत्रों के बीच एक सतत और निर्बाध पैदल यात्री नेटवर्क से जुड़ाव - जिसमें टहलने और पैदल चलने के लिए पथ, सड़कें और चौराहे शामिल हैं।
- नियोजित और सुव्यवस्थित पार्किंग सुविधाएं जो क्षेत्र से सामंजस्यपूर्ण रूप से जुड़ी हुई हैं।
- वनस्पतियों और जीवों से समृद्ध विशाल खुले हरे-भरे स्थान, जो समुदायों का अभिन्न अंग हैं।
- स्थायी और जलवायु-अनुकूल योजना जो स्वच्छ वायु, बाढ़-मुक्त विकास और संरक्षित स्थान सुनिश्चित करती है।

'सभी के लिए आवास' नीति के अंतर्गत अवधारणा

- यह एक ऐतिहासिक पुनर्विकास है जो अंततः वास्तविकता में परिवर्तित हो रहा है। ठीक उसी तरह जैसे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'सभी के लिए आवास' नीति के अंतर्गत अवधारणा को आगे बढ़ाया गया था।
- राज्य सरकार द्वारा धारावी के पुनर्विकास हेतु मास्टर प्लान को मंज़ूरी मिलने से, 'एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती' होने का कलंक मुंबई के नक्शे से मिट जाएगा।
- धारावी के कायाकल्प की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, घनी आबादी वाली इस झुग्गी बस्ती में नवीन जीवनशैली विकसित कर नवजीवन निर्माण करने के लिए एक सर्वसमावेशी व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया गया है।
- परियोजना से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इसका उद्देश्य केवल नया बुनियादी ढांचा बनाना नहीं है, बल्कि एक अधिक हरित और रहने योग्य बस्ती बनाना है।
- हालांकि धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) मुख्य रूप से आवश्यक बुनियादी ढांचागत सेवा-सुविधाओं में सुधार पर केंद्रित है, फिर भी इसमें जानबूझकर खुली जगहों को शामिल करने का प्रयास किया गया है ताकि निवासियों को वर्षों से झेली जा रही तंग और कठिन परिस्थितियों से राहत मिल सके।

पहचान निर्माण और स्थान जीवंतता

धारावी में अच्छी तरह से विकसित सड़कें होंगी, सार्वजनिक स्थानों तक आसान पहुंच होगी, जिससे यह क्षेत्र सुरक्षित और अधिक एकजुट बनेगा।

क्लस्टर विकास
सामूहिक विकास

प्रत्येक सामूहिक परियोजना में सार्वजनिक स्थान होंगे। बच्चों के लिए सुरक्षित खेल के मैदान और उपकरण उपलब्ध होंगे।

ये सुविधाएं होंगी उपलब्ध

24 x 7 खुदरा सेवाएं
रेस्टोरेंट, कैफ़े और खरीदारी की सुविधाएं
कार्यालय और होटल स्थान
सेंट्रल एवेन्यू से सीधा संपर्क

अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान की जाएंगी

वस्तु संग्रहालय, कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास, मध्यस्थता केंद्र, बहु-धार्मिक परिसर, धार्मिक पूजा परिसर, चिकित्सा विभाग, सरकारी कार्यालय, सामाजिक और सांस्कृतिक केंद्र, स्वास्थ्य सुविधाएँ - स्कूलों के लिए कल्याण क्षेत्र।

> **"धारावी के हर व्यक्ति के लिए खुली जगहें एक सपना हैं। पुनर्विकास धारावी में ऐसी जगहें लाएगा, जिससे हमारे घरों में धूप और ताज़ी हवा आएगी।**
> **- गणेश हरिचन्द्र पचगणे (46), काला किला**

> **"पुनर्विकास धारावी के लोगों का जीवन बदल देगा, क्योंकि यह आवास और व्यवसायों को एकीकृत करेगा, जिससे हमें अधिक रोज़गार के अवसर मिलेंगे।**
> **- आरिफा खान (63), 90 फ़ीट**

> **"नई पीढ़ी के परिवारों को पुनर्विकास से बहुत लाभ होगा, क्योंकि यह अच्छे स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करेगा।**
> **लाल बहादुर जैसवार (49), लक्ष्मी बाग़**

धारावी अधिसूचित क्षेत्र (डीएनए) के लिए नए मास्टर प्लान का उद्देश्य वर्तमान भीड़भाड़ वाली झुग्गी बस्ती के स्थान पर एक जीवंत, सर्वसमावेशी और प्रकृति-समृद्ध शहरी वातावरण बनाना है। योजना से जुड़े एक सूत्र ने बताया।

यह पुनर्विकास योजना महाराष्ट्र नेचर पार्क से प्रेरित है, जो मीठी नदी के पास एक हरा-भरा मानव निर्मित वन क्षेत्र है। परियोजना से परिचित एक सूत्र ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य शहरी ताने-बाने में प्रकृति को शामिल करके एक रहने योग्य, टिकाऊ समुदाय का निर्माण करना है।

आधुनिक स्वास्थ्य सेवा

धारावी और महानगरीय क्षेत्र में अत्याधुनिक अस्पताल, पॉलीक्लिनिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और डायग्नोस्टिक केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिससे मध्य मुंबई में चिकित्सा संबंधी बुनियादी ढांचा और मज़बूत होगा।

बहुउपयोगी कॉलोनियां

चलने-फिरने योग्य, लचीली कॉलोनियां बनाई जाएंगी जिनमें आवासीय, वाणिज्यिक और शैक्षिक उपयोगों का संतुलन बना रहेगा, जिससे आर्थिक सुविधा और सुलभता निर्माण होगी और धारावी निवासियों को बेहतर पुनर्वास मिलेगा।

प्रस्तावित सड़क नेटवर्क

लगभग 21 किलोमीटर नई और चौड़ी सड़कें (9 मीटर से 36 मीटर चौड़ी) बनाई जाएंगी। हर 125 मीटर पर एक संपर्क मार्ग होगा, जो विभिन्न बस्तियों को जोड़ेगा और मुख्य सड़कों पर दबाव कम करेगा।

नदी तट और जलाशय पुनरोद्धार

मीठी नदी के किनारे एक सुंदर 'धारावी प्रोमेनेड' बनाया जाएगा, जो शहर का दूसरा सबसे बड़ा पैदल मार्ग होगा (मरीन ड्राइव के बाद)। यह स्थान सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए एक सामाजिक और मनोरंजक केंद्र बनेगा।

जीवन और आजीविका साथ-साथ

उद्योगों के लिए उपयुक्त, स्वच्छ और संरचनात्मक रूप से सुदृढ़ स्थान उपलब्ध कराए जाएंगे। पात्र उद्योगों और अपात्र इकाइयों को व्यावसायिक स्थान किराए पर लेने का विकल्प दिया जाएगा। इससे धारावी की अनूठी 'लिव-वर्क' की संस्कृति को बनाए रखा जा सकेगा।

हरित क्षेत्र (ग्रीन स्पाईन)

माहिम नेचर पार्क से रेलवे क्षेत्र तक एक हरा-भरा 'हरित क्षेत्र' बनाया जाएगा। इसमें एक केंद्रीय बायोस्वेल भी शामिल होगा, जो बाढ़ प्रबंधन के लिए उपयोगी होगा।

धार्मिक स्थल

सभी धर्मों के अनुयायियों के लिए विश्व स्तरीय धार्मिक परिसर स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक नागरिक को अपने निवास के निकट आस्था और पूजा-अर्चना की सुविधाएं मिलेंगी।

एआई का गढ़ बनेगा भारत

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का गढ़ बनने जा रहा है। यही आकलन करने के बाद गूगल ने आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में एआई का डाटा सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। यह डाटा केंद्र, अमरीका से बाहर, सबसे बड़ा केंद्र होगा। दरअसल सरकार का कहना है कि देश का पहला 'स्वदेशी AI मॉडल' फरवरी 2026 से पहले लॉन्च हो जाएगा। यह मॉडल पूरी तरह से भारतीय डेटा पर आधारित होगा। सरकार का दावा है कि इस AI सिस्टम को फरवरी 2026 में होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट से पहले लॉन्च कर दिया जाएगा। गूगल ने आगामी पांच सालों में 15 अरब डॉलर खर्च करने का ऐलान राजधानी दिल्ली में आयोजित एक मेगा इवेंट में किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आदि इस मेगा आयोजन में उपस्थित रहे। गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कूरियन ने खुलासा किया कि आज 14,000 से अधिक भारतीय गूगल के साथ जुड़े हैं और गूगल की 5 एआई लैब्स पहले से ही भारत में सक्रिय हैं। विशाखापट्टनम का केंद्र गूगल के संपूर्ण एआई सिस्टम का हिस्सा होगा, जो भारत में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सॉल्यूशंस और एआई मॉडल्स को तेजी से स्केल करेगा। गूगल के थॉमस ने यह स्पष्ट घोषणा की कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि एआई नवाचार का जेनरेटर बन रहा है।' भारत में अदाणी समूह के साथ मिल कर यह एआई केंद्र बनाया जाएगा। गूगल का इतना बड़ा निर्णय भारतीय बाजार और भारत में एआई को ग्रहण करने की संभावनाओं की ताकत को सत्यापित करता है। भारत सरकार ने एआई मिशन के लिए 5 साल के दौरान 10,300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की है। उसके तहत 38,000 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) लगाई गई हैं। प्रौद्योगिकी और एआई पारिस्थितिकी तंत्र में करीब 60 लाख लोग कार्यरत हैं। इस साल प्रौद्योगिकी क्षेत्र का राजस्व 280 अरब डॉलर को पार कर सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था में 2035 तक एआई 1.7 ट्रिलियन डॉलर जोड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय डाटा कॉरपोरेशन के मुताबिक, भारत का एआई बाजार 2025 में करीब 8 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। दरअसल भारत विश्व में सबसे बड़ा ऐसा देश और समाज है, जो अभी से एआई के साथ परिवर्तन लाने को उत्साहित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईटी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने जानकारी दी है कि भारत AI के क्षेत्र में भले थोड़ा पीछे हो लेकिन अब देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे पहले जहां सरकार 10,000 GPU का लक्ष्य लेकर चल रही थी वहीं अब तक 38,000 GPU का इस्तेमाल शुरू हो चुका है। गौरतलब है कि ये GPU एआई मॉडल की ट्रेनिंग और रिसर्च के लिए पावर देते हैं। सरकार भारतीय कंपनियों को ज्यादा से ज्यादा संसाधन देने के लिए लगातार GPU जोड़ रही है। यह अलग बात है कि AI के आने के बाद कई बड़ी कंपनियों में काम कर रहे लोगों को नौकरी जा चुकी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसानों के बड़े-बड़े कामों को मिनटों में करने लगा है। जिससे कंपनियां इंसानों की संख्या कम करके AI को अपना रही है। इसी क्रम में कुछ दिनों पहले Salesforce ने 4,000 कर्माचरियों को नौकरी से निकाला। अब इसी कंपनी के CEO मार्क बेनियोफ ने AI को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया है। दरअसल, कुछ ही दिनों बाद मार्क बेनियोफ ने कहा कि सेल्स के काम में इंसानी जुड़ाव बहुत जरूरी है। क्योंकि AI में आत्मा नहीं होती और यह इंसानी बातचीत की जगह नहीं ले सकता। कंपनी अब नए सेल्सपर्सन भी भर्ती कर रही है जिससे कस्टमर्स सर्विस को बेहतर बनाए रखे। विशाखापट्टनम को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंध्रप्रदेश की राजधानी रहते हुए हैदराबाद को 'साइबर सिटी' का विशेषण मिला था। तेलंगाना के गठन के बाद समीकरण बदले। अब हैदराबाद उसकी राजधानी है, लिहाजा आंध्र के विशाखापट्टनम को गूगल की विराट परियोजना के लिए चुना गया। यहां गूगल के विकास और बढ़ोतरी की अपार क्षमताएं हैं, क्योंकि रणनीतिक तौर पर यह क्षेत्र एआई की रीढ़ है। सवाल है कि क्या भारत का विकास और उसकी बढ़ोतरी भी गूगल के अनुपात में ही होगी? इस मौके पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 'एक्स' पर यह लिखा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की थी और विशाखापट्टनम में पहले गूगल एआई हब स्थापित करने की योजना बताई थी। पिचाई के मुताबिक, इस एआई केंद्र में गीगावॉट स्केल कंप्यूट क्षमता, अंतरराष्ट्रीय सबसी गेटवे और बड़े ऊर्जा आधारभूत ढांचे का गेटवे शामिल होंगे। इससे भारत में उपयोगकर्ता और उद्यमियों को उद्योग संबंधी प्रौद्योगिकी मिल सकेगी, जिससे देश में एआई नवाचार बढ़ेगा। बेशक ऐसे बुनियादी ढांचे के साथ भारत अपनी डाटा संप्रभुता में सुधार कर सकता है, एआई का सशक्त गढ़ बन सकता है, लेकिन यह सवाल मौजू है कि एआई कैसे तैनात की जाएगी? एआई कंपनियां भविष्य में 'द्वारपाल' की शक्तियों के साथ मानविकी पर भारी पड़ेंगी। क्या भारत में ऐसा होना चाहिए कि मानविकी बिल्कुल पिछड़ जाए, जिसमें कला-साहित्य, भाषा, अर्थशास्त्र आदि क्षेत्र शामिल हैं। गूगल ने सत्यापित किया है कि कैसे प्रौद्योगिकी के नवाचार आधुनिक संपन्नता के इंजन साबित हो सकते हैं, लेकिन यह भी बताया कि कैसे ऐसी आर्थिक बढ़ोतरी न तो प्राकृतिक है और न ही गारंटीशुदा है। अंततः एआई ही भविष्य को तय करेगी। वह भविष्य कैसा होगा, यह इस सत्य पर आश्रित होगा कि एआई के ढांचे को वास्तविक और शारीरिक तथा डिजिटली तौर पर नियंत्रित कौन करेगा? कौन एआई की कीमत, मूल्य, पहुंच और नियम आदि तय करेगा? एआई के फायदे और जोखिम कैसे बांटे जाएंगे? बड़ी और दिग्गज कंपनियों के एकाधिकार कौन तोड़ेगा?

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

दीप जले कुछ घरों में, दिल जलते कुछ धाम
अपने टोंटी चोर को, कभी न भाते राम
कभी न भाते राम, विघ्न संतोषी भइया
पब्लिक दे आराम, डुबाए इनकी नइया
कह सुरेश दीपोत्सव भी असुरों को खले
मगर अयोध्या धाम चतुर्दिक दीप-दीप जले

नक्सलवाद के खिलाफ जीत की ओर अग्रसर भारत

> मोदी सरकार का यह दावा है कि वर्तमान में देश में सिर्फ 11 जिलों में नक्सलियों का प्रभाव बचा हुआ है और आने वाले मार्च 2026 तक यह भी पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। भारत तेजी से उस लक्ष्य को हासिल करने की तरफ बढ़ रहा है। 11 वर्ष पहले तक देश के 125 से ज्यादा जिले, माओवादी आतंक से प्रभावित थे। गृह मंत्री अमित शाह ने एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस समस्या को समाप्त करने के अथक प्रयासों के कारण नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत की जनता से यह वादा किया है कि देश 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह से नक्सलियों से मुक्त हो जाएगा। इस दिशा में हमारे सुरक्षा बलों के अथक प्रयासों के बाद भारत तेजी से उस लक्ष्य को हासिल करने की तरफ बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह दावा किया कि सिर्फ 75 घंटे के दौरान 303 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। सरेंडर करने वाले इन नक्सलियों में किसी पर 1 करोड़ का इनाम था, किसी पर 15 लाख का इनाम था तो किसी पर 5 लाख का इनाम था। इन नक्सलियों से बहुत बड़ी मात्रा में हथियार भी पकड़े गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी कार्यक्रम में बोलते हुए आगे यह भी दावा किया कि 11 वर्ष पहले तक देश के 125 से ज्यादा जिले, माओवादी आतंक से प्रभावित थे लेकिन आज देश में ऐसे जिलों की संख्या घटकर सिर्फ 11 रह गई है। यानी मोदी सरकार का यह दावा है कि वर्तमान में देश में सिर्फ 11 जिलों में नक्सलियों का प्रभाव बचा हुआ है और आने वाले कुछ महीनों में (मार्च 2026) तक यह भी पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सरकार को लगातार मिल रही कामयाबी का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह दावा किया कि, छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर, जो कभी आतंकवादियों के गढ़ थे, आज नक्सली आतंक से मुक्त घोषित किए गए हैं। अब दक्षिणी बस्तर में नक्सलवाद का नामोनिशान बचा है, जिसे हमारे सुरक्षा बल जल्द ही मिटा देंगे। शाह ने नक्सलवाद के खिलाफ जारी लड़ाई में मिल रही कामयाबी का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि, जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से अब तक 2100 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, 1785 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 477 नक्सली मारे गए हैं और ये आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी आंकड़ों की माने तो, वर्ष 2025 में अभी तक सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 312 नक्सली मारे जा चुके हैं जबकि 836 नक्सलियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सिर्फ 75 घंटे के दौरान 303 नक्सलियों ने डर कर आत्मसमर्पण कर दिया। इसमें से 258 आत्मसमर्पण तो सिर्फ दो दिनों के दौरान ही हो गया। दरअसल, सुरक्षाबलों द्वारा माओवादी नेता नरसिम्हा उर्फ नम्बाला केशव राव सहित उनके पोलित ब्यूरो में शामिल कई बड़े नेताओं को मौत के घाट उतारने के बाद से ही नक्सल आंदोलन की पूरी कमर ही टूट गई है। एक तरफ जहां नक्सली संगठन नेतृत्वविहीन होते चले गए हैं वहीं दूसरी तरफ सुरक्षाबलों ने लगातार अभियान चला कर उन्हें पूरी तरह से घेर दिया था। सरकार की सख्त नीतियों के कारण भी नक्सलियों पर चौतरफा दबाव बढ़ता ही जा रहा था और यही वजह है कि जान बचाने के लिए नक्सली लगातार हथियार डाल कर सरेंडर कर रहे हैं। यह बात सही है कि नक्सली आंदोलन के कारण देश के 100 से ज्यादा जिलों में विकास के कार्य प्रभावित हुए हैं। नक्सलियों के कारण इस देश की बड़ी आबादी खासकर आदिवासियों को पिछले कई दशकों से भयावह पीड़ा का सामना करना पड़ा है। शनिवार को छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 210 नक्सलियों के सामूहिक आत्मसमर्पण को ऐतिहासिक सफलता बताते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह बस्तर को लाल आतंक से मुक्त करने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति की सराहना की, जो पवई हमले के बाद तैयार की गई थी। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी ने नक्सलवाद पर खुलकर बात की। पवई हमले से वे बहुत बेचैन थे। उनके निमंत्रण पर अमित शाह ने रणनीतियां तय कीं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में पूरी टीम ने काम किया।" उन्होंने बताया कि 210 नक्सलियों ने हथियार डाले, जिनमें 153 हथियार शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर सुरक्षा बलों से छीने गए थे। अब केवल 47 नक्सली बचे हैं। यह समूचे समाज की जीत है, खासकर सशस्त्र बलों के जवानों की। इससे एक दिन पहले शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने अपने संकल्प को दोहराया कि सरकार का लक्ष्य 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करना है। गृह मंत्री ने आत्मसमर्पण करने वालों के निर्णय की सराहना करते हुए कहा, "मैं भारत के संविधान में विश्वास रखते हुए हिंसा का त्याग करने के उनके निर्णय की सराहना करता हूं। यह इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस समस्या को समाप्त करने के अथक प्रयासों के कारण नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है।" वहीं बुधवार 16 अक्टूबर को सीपीआई (माओवादी) समूहों की हिंसा से प्रभावित रहे गढचिरौली में छह करोड़ रुपयों के इनामी माओवादी मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने अपने 60 साथियों के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने हथियार सौंपकर आत्मसमर्पण किया। स्वयं भूपति ने भी मुख्यमंत्री फडणवीस के हाथों में एक स्वचालित राइफल सौंपकर आत्मसमर्पण किया। भूपति की पत्नी और भाभी कुछ माह पहले ही मुख्यमंत्री के सामने आत्मसमर्पण कर चुकी थीं। इस अवसर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि उन्हें गर्व है कि महाराष्ट्र का गढ़चिरौली प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रहा है। फडणवीस ने कहा कि छह करोड़ रुपयों के इनामी और गढ़चिरौली के अहेरी और सिरोंचा में नक्सली आंदोलन को बढ़ाने वाले भूपति और 60 अन्य नक्सलियों का आत्मसमर्पण एक बड़ी घटना है। ऐसे में नक्सलवाद का खात्मा निश्चित तौर पर उनके लिए राहत भरी खबर है। लेकिन सही मायनों में कहा जाए तो नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही इस देश में लोकतंत्र की एक बड़ी लड़ाई की शुरुआत भी हो जाती है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में से कई निश्चित तौर पर आगे जाकर चुनावी राजनीति का हिस्सा बनेंगे। यह महाराष्ट्र में नक्सली आंदोलन के अंत की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि जो मुट्ठी भर नक्सली बचे हैं, उन्हें भी आत्मसमर्पण कर देना चाहिए या पुलिस कार्रवाई का सामना करना चाहिए। नक्सलियों को यह जान लेना चाहिए कि वे वैचारिक युद्ध हार चुके हैं और समानता तथा न्याय केवल मुख्यधारा में शामिल होकर तथा भारतीय संविधान का पालन करके ही प्राप्त किया जा सकता है।

-संतोष कुमार पाठक

दीपोत्सव केवल दीपों का त्योहार नहीं, बल्कि पुरुषार्थ का पर्व

हम सबों के जीवन में त्योहार एक खुशी का प्रतीक है, आनंद है व परिवार समाज देश में बंधुत्व स्थापित करने की एक कड़ी है। भले ही आज की नई पीढ़ी इसे लोक परम्परा, रीति रिवाज का आडंबर मानते हैं परंतु यह त्योहार हमारे परिवेश को एक सकारात्मक ऊर्जा देते हैं जिस ऊर्जा को पाकर हमारी निराशा,हमारी व्यस्तता की थकान एक पल में ही खत्म हो जाती है। हमारे आस पास के लोग बनावटीपन के जाल में उलझ गए हैं। ये त्योहारों की खुशी उस नकारात्मकता को तोड़कर जीवन में प्रेम आस्था खुशी का प्रकाश बिखेर देती है। ऐसे ही यह हमारा दीपावली का त्योहार है जो काली घनी अमावस की रात को भी पूर्णिमा में बदल देता है। है तो अमावस का घना अंधेरा पर जब दियों की रोशनी जगमगाने लगती है तो लगता है धरती और आकाश का आज मिलन हो गया है। धरती पर रोशनी की लड़ियां झिलमिला रही हों ऐसे जैसे धरती के आंचल में तारों की बारात निकली हो और चांद धरती के आंचल में बैठकर प्रकाशित दीपो का आनंद ले रहा हो। दिये जलकर रोशनी ही नहीं देते बल्कि ह्रदय में प्रेम,मन में खुशी और जीवन में उत्साह का रंग भर देते हैं। इस दीपोत्सव में उल्लास का जो दृश्य लोगो में झलकता है, वह मन की नकारात्मकता ही नहीं खत्म करता बल्कि दूषित मन पवित्र करके जीवन को सकारात्मक बनाता है। भारतीय सभ्यता एवम संस्कृति का महत्व तब और अधिक बढ़ जाता है जब आधुनिक युग में उसी सभ्यता को अपना कर लोग उसमें नवीनता का संचार कर जीवन को आनंदमयी बनाते हैं। अपने देश भारत में मनाए जाने वाले त्योहार के पीछे जो उद्देश्य होता है वह लोगों के विचार शैली को बदलता है और भारतीयों को एकता के सूत्र में बांधता है। असल की जिंदगी में इतनी उलझन,इतनी भागदौड़,इतनी व्यस्तता है कि लोग अपने आप को भी समय नही दे पाते पर ये त्योहार, खुशी मनाने के ऐसे बहाने होते हैं जो भागदौड़ भरे जीवन को नव ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये छोटी छोटी खुशियां ही जीवन को जीवन देती हैं। आज अधिकांशतः लोग सामूहिक नहीं, व्यक्तिगत हो गए हैं अपनी निजी जिंदगी को किसी की सलाह मार्गदर्शन के अनुसार नही जी रहे हैं, अपने अनुसार जी रहे हैं और ना ही किसी से अधिक मतलब रख रहे हैं पर जब कोई उत्सव आता है तो लोग एक दूसरे को बधाइयां देते, गले मिलते थकते नही हैं और लोगो का यही प्रेम भाव हमारी परंपरा को जीवंत करता है, हमारी सभ्यता को आगे बढ़ाता है। यह दिवाली का पर्व मात्र दीपों का त्योहार नहीं है बल्कि यह पर्व पुरुषार्थ का पर्व है, आत्म साक्षात्कार का पर्व है। सुषुप्त चेतना को जगाने का अनुपम पर्व है। विशुद्ध पर्यावरण को बनाए रखने के लिए नव संदेश देने का पर्व है। यह प्रकाश पर्व समाज के हर एक वर्ग में एक दूसरे के प्रति सम्मान सहयोग की भावना को जागृत करने का पर्व है। दीपावली का मुख्य बिंदु प्रकाश फैलाकर अंधेरे को दूर करना, सुख समृद्धि, सम्पन्नता, खुशहाली, वैभव आदि प्रदान करना है। हम भारत में रहते हैं जो विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों, परम्पराओं और विभिन्न प्रकार के त्योहारों के लिए प्रसिद्ध है। हिंदू धर्म में दीपावली का धार्मिक महत्व यह है कि आज के दिन अयोध्या के राजा राम अपने 14 वर्ष वनवास के बाद रावण पर विजय प्राप्त करके अयोध्या लौटे थे। अयोध्यावासियों ने दीपक जलाकर उनका स्वागत किया था। अयोध्यावासियों की यह खुशी आज भी देखने को मिल रही है। आज भी लोग उसी उत्साह से राजा राम के आगमन की खुशी दीप जलाकर मनाते हैं। कार्तिक महीने में अमावस्या के दिन मनाया जाने वाला यह त्योहार विजय पर्व,प्रकाशपर्व के नाम से जाना जाता है। जैन धर्म प्रवर्तक भगवान महावीर को इसी दिन मोक्ष प्राप्त हुआ था। 500 वर्ष ईशा पूर्व मोहनजोदड़ो की सभ्यता के प्राप्त अवशेषों में मिट्टी की मूर्तिया और उस पर दीप के जलते हुए चित्र दिखाई दिए उसके अनुसार उस समय भी दीपावली मनाई जाती थी। हमारे वैदिक ग्रंथ में कार्तिक अमावस्या का विशेष महत्व है. इस दिन श्री लक्ष्मी गणेश पृथ्वी पर विचरण करते हैं और जन जीवन को कर्मानुसार सुख सम्पन्नता का आशीर्वाद भी देते हैं। आध्यात्मिक जीवन में दीपावली त्योहार का बहुत अधिक महत्व है। अमावस्या की रात्रि मंत्र सिद्ध करने का नकारात्मक ऊर्जा से उत्पन्न भय बाधा को दूर करने महत्वपूर्ण दिवस है। दीपावली पंच दिवसीय त्योहार के रूप में मनाया जाता है। दीपावली के दो दिन पहले आने वाला धनतेरस का त्योहार दीपावली के त्योहार को दुगनी खुशी देता है। गणेश लक्ष्मी के पूजन का सामान खरीदने के लिए बाजारों की चमक देखते ही बनती है। सांझ पहर से ही लोग भक्ति आस्था में डूबकर गणेश लक्ष्मी के आगमन में आरती कुबेर का वंदन करते हैं जो सुख समृद्धि के देवता हैं। इस पर्व का आरंभ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी से शुरू होकर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि तक रहता है। नरकासुर के वध का भी बहुत अधिक महत्व है। इस दिन को नर्क चतुर्दशी या काली चौदस के नाम से मनाते हैं। धनतेरस, नरकचतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज ये सभी त्योहार बहुत ही धूम धाम से मनाते हैं। दीपावली का ये त्योहार सभी के जीवन को खुशी व उत्साह प्रदान करता है। यह हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि कोई हमारी वजह से त्योहार के दिन कोई दुखी न रहे। यदि हम किसी के लिए कुछ करने के योग्य हैं तो वह कार्य हमें करने में हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए।

-डा.नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

पटाखे भारत की परम्परा नहीं, मुगलों की देन है

भारतीय संस्कृति उत्सव प्रधान है और उत्सव की प्राचीन परंपरा उल्लास और उच्चता से जुड़ी हुई है, जब जीवन में उल्लास हो और तन और मन की उच्चता हो वह समय उत्सव है। दीपोत्सव की परंपरा अनादि काल से भारतीय संस्कृति की अक्षुण्ण पहचान है, वैदिक काल हो या उत्तर वैदिक काल हो, दीपावली के साथ कोई न कोई प्रसंग और सामाजिक या धार्मिक परम्परा जुड़ी हुई है। काल प्रवाह में इस परंपरा में कई नई व्यवस्थाएं और परंपराएं सम्मिलित हुई है। वैदिक वांग्मय में दीपोत्सव मनाने के लिए केवल घी के दीये जलाए जाने का उल्लेख है। और विशेष प्रायोजन से खाद्य तेल के दीए जलाने का उल्लेख मिलता है। वर्तमान आधुनिक युग में कृत्रिम विद्युत और मोमबत्ती तक यह परंपरा आ चुकी है। यहॉ तक तो ठीक है लेकिन प्राचीन परम्परागत संस्कृति में पटाखों का प्रवेश एक विकृति है। दीपावली पर पटाखों के उपयोग के प्रमाण मुगलकाल से मिलते है। मुगलकाल से पहले भारत में पटाखों का उपयोग नहीं होता था। केवल बारुद का उपयोग वन्य पशुओं को भगाने के लिए किया जाता था लेकिन जब मुगल साम्राज्य भारत में स्थापित हुआ तो मिट्टी के पात्र और कागज में लपेट कर पटाखों की शुरुआत भारत में हुई। मुगल अपने यहॉ विवाह आदि अवसरों पर धमाकों के लिए बारुद का उपयोग करते थे और उत्सव मनाते थे। चूंकि उस काल में मुगल ही भारत के शासक थे तो यथा राजा तथा प्रजा के अनुसार भारत के मुगल आश्रित सेवकों ने उनका अनुसरण करना प्रारंभ किया। चूंकि दीपावली भारत का सबसे प्रमुख त्योहार माना जाता है तो इस त्योहार पर उल्लास प्रकट करने के लिए मुगल काल में पटाखों से धमाके करने की परम्परा शुरू हुई जिसका शनै-शनै भारत की जनता ने भी अनुसरण किया और यह एक परंपरा सी बन गई। प्राचीन काल में जनसंख्या का घनत्व कम था और पर्यावरण प्रदूषण बिलकुल भी नहीं था जिसके कारण बारुद से हुआ वायु और ध्वनि प्रदूषण कुछ समय में समाप्त हो जाता था लेकिन वर्तमान समय में प्रदूषण चरम पर है और आज तो कोरोना के भयावह प्रभाव से सारा विश्व परेशान है। आज जब सांस संबंधी रोगों से बचाव के लिए सरकार बार-बार जनता से अनुरोध कर रही है और हम खुद भी पिछले 8-10 महीनों से यह महसूस कर रहे है कि कोरोना का सबसे ज्यादा प्रभाव श्वसन तंत्र पर हो रहा है, ऐसे में केमिकल से बने पटाखों से निकलने वाला धुंआ और कोरोना के लिए आग में घी डालने जैसा है। प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये के पटाखे जलाए जाते है जो व्यवहारिक रूप से धन में आग लगाने जैसा है। कुछ लोगों का तर्क है कि पटाखे खुशी प्रकट करने का माध्यम है तो वे यह जान लें कि पटाखों की पहली फेक्ट्री शिवकाशी में सन 1940 में लगी थी। इससे पहले भारत में पटाखे नहीं बनते थे। तो क्या इससे पहले लोग खुशी व्यक्त नहीं करते थे? इसके पहले उत्सव नहीं मनाए जाते थे? पटाखों के कारण समाज या देश को कोई बड़ा लाभ होता है, ऐसा भी नहीं है। आज के समय में जब जीवन और स्वास्थ्य से संघर्ष कर व्यक्ति धन कमा रहा है। उस धन को आग लगाना किसी मूर्खता से कम नहीं है। हमें चाहिए कि जनहित और स्वहित दोनों को दृष्टिगत रखते हुए पटाखों का उपयोग स्वेच्छा से हम नहीं करे। दीपावली दीप जलाकर मनाएँ स्वयं सुरक्षित रखें।

-संदीप सृजन

आज का कार्टून

साभार

'ड्रग्स की दलदल में सुशिक्षित केरल

केरल का नाम आते ही जेहन में सबसे पहले शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र आते हैं क्योंकि वामपंथी मीडिया ने इन दोनों को हमेशा आदर्श की तरह पेश किया है। लेकिन क्या अब केरल वाकई एक आदर्श राज्य है? असल में सिर्फ पर्दे के पीछे ही नहीं खुले तौर पर भी केरल ड्रग्स के संकट से जूझ रहा है। शहरों से लेकर गाँवों तक केरल का कोई कोना इस समस्या से अछूता नहीं है। ड्रग्स के कारण सैकड़ों जिंदगियाँ तबाह हो चुकी हैं और अनगिनत परिवार टूट गए हैं। अब तक पंजाब को भारत का 'ड्रग्स का गढ़' माना जाता था लेकिन ताजा रिपोर्ट्स केरल की एक भयावह तस्वीर पेश करती हैं। सिर्फ साल 2024 में ही राज्य में 27,700 मादक पदार्थों से जुड़े मामले दर्ज किए गए, जो पंजाब से तीन गुना ज्यादा हैं। पंजाब में इसी अवधि में सिर्फ 9,000 के करीब केस दर्ज हुए। आबादी के लिहाज से देखें तो केरल में हर एक लाख लोगों पर मादक पदार्थों से जुड़े 78 केस सामने आए हैं और यह दर पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य के सभी 14 जिले इस संकट से प्रभावित हैं। 2025 के शुरुआती दो महीनों में ही केरल में 30 हत्याएँ हुईं, जिनमें से आधी ड्रग्स से जुड़ी थीं। राज्यसभा में 12 मार्च 2025 को पेश किए गए आँकड़ों के अनुसार पिछले तीन सालों से एनडीपीएस एक्ट के तहत सबसे अधिक मामले केरल में ही दर्ज हो रहे हैं। साल 2022 में 26,918 केस, 2023 में 30,715 केस और 2024 में 27,701 केस दर्ज हुए। इसकी तुलना में पंजाब में यही आँकड़े 12,423, 11,564 और 9,025 रहे। महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में भी मामले इतने नहीं हैं। यह साफ इशारा करता है कि नशे से जुड़े अपराधों के मामले में केरल अब 'हॉटस्पॉट' पंजाब से कहीं आगे निकल चुका है। जानकारी के अनुसार सन 1971 में अमेरिका के हाई स्कूल में पढ़ने वाले 5 दोस्तों ने 4 बजकर 20 मिनट का समय अपने 'गांजा सेशन' के कोड के तौर पर तय किया था। आधी सदी से भी ज्यादा वक्त गुजरने के बाद यही '420 कल्चर' अब दुनिया भर के युवाओं में फैल चुका है और केरल की नई पीढ़ी भी इससे अछूती नहीं रही। यहाँ के युवाओं के बीच यह '420 कल्चर' अब एक तरह के 'बगावत के प्रतीक' के रूप में देखा जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, केरल के युवाओं के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर '420' शब्द वाले हैशटैग और स्लैंग खुलेआम देखे जा सकते हैं। इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और फेसबुक पर '420' से जुड़ी मीम्स और वीडियो यह दर्शाते हैं कि किस तरह नशे की संस्कृति को अब कूल बना दिया गया है और यह युवाओं के बीच लोकप्रिय होता जा रहा है। गांजा को अक्सर एक 'हल्का नशा' मान लिया जाता है। लेकिन जमीनी हकीकत देखने पर समझ आता है कि यह नशे की लत को बढ़ाता ही जाता है। कई किशोर नशेड़ियों ने अधिकारियों को दिए बयानों में बताया कि उनका नशे की लत का सफर स्कूल के दिनों में दोस्तों के साथ गांजा पीने से शुरू हुआ और फिर धीरे-धीरे यह एमडीएमए, कोकीन और मेथ जैसे खतरनाक ड्रग्स तक पहुँच गया। एक सरकारी अध्ययन में पाया गया कि केरल के 10वीं कक्षा के 37 प्रतिशत और 8वीं कक्षा के करीब 23 प्रतिशत छात्रों ने कभी न कभी कोई अवैध नशा या इनहेलेंट आजमाया है। इनमें सबसे अधिक प्रचलित गांजा ही है। स्थानीय मीडिया ने इस संकट को 'उड़ता केरल' नाम दिया है, ठीक उसी तरह जैसे 'उड़ता पंजाब' फिल्म ने पंजाब के नशे की हकीकत उजागर की थी। अधिकतर मामलों में केरल के युवाओं की नशे की शुरुआत गांजा से होती है लेकिन अब यह आसानी से उपलब्ध भी है। राज्य की पुलिस और एक्साइज विभाग के मुताबिक, आज केरल के बाजार में 'हाइड्रोपोनिक गांजा' नाम की एक बेहद शक्तिशाली किस्म फैली हुई है जिसमें टीएचसी का स्तर 40 प्रतिशत से भी अधिक होता है। यह गांजा खेतों में नहीं बल्कि लैब में तैयार किया जाता है और अधिकतर दक्षिण-पश्चिम एशिया से तस्करी करके लाया जाता है। 2022 में ऐसे गांजे की तस्करी लगभग ना के बराबर थी, लेकिन 2024-25 में ही अधिकारियों ने 89 किलो से अधिक गांजा एयरपोर्ट्स पर पकड़ा। 2025 के शुरुआती 7 महीनों में यह जब्ती 129.7 किलो तक पहुँच गई है। जानकारों की माने तो केरल में नशे की समस्या कोई रातों-रात नहीं आई।

-रामस्वरूप रावतसरे

टिकट की चाह में लालू आवास के बाहर कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

तेजस्वी के आश्वासन के बाद भी नहीं बनी बात

महानगर नेटवर्क
पटना

बिहार विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच पहले चरण के नामांकन पत्र की स्क्रूटनी पूरी प्रक्रिया पूरी हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग के वेबसाइट पर अपलोड की गई सूची के अनुसार पहले चरण में कुल 467 नामांकन करने वाले प्रत्याशियों का नामांकन पत्र रद कर दिया गया है। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में पार्टी ने पांच नेताओं को टिकट दिया है,जिसके साथ ही अब तक कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवारों की कुल संख्या 53 हो गई है। राजद कार्यकर्ता उषा देवी ने विधानसभा टिकट न मिलने पर लालू यादव के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, "... मैं 17 साल की उम्र से पार्टी की सदस्य हूं... चुनाव प्रचार के लिए बोधगया जाने से पहले मैंने अपने माता-पिता से आशीर्वाद लेने के लिए अपने गांव का दौरा किया था... खेसारी लाल और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं के समर्पण और आश्वासन के बावजूद, मुझे बोधगया निर्वाचन क्षेत्र से विधायक का चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं मिला... मैं निराश हूं लेकिन फिर भी तेजस्वी यादव और लालू यादव का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

'टिकट के बदले 2.7 करोड़ मांगे'

बिहार में हो रहे विधानसभा चुनाव के बीच सियासी सरगर्मी चरम पर है। एक तरफ एनडीए में शामिल सभी दलों के बीच सीट शेयरिंग हो गई है वहीं दूसरी तरफ महागठबंधन के प्रमुख घटक दल आरजेडी और कांग्रेस में टिकट बंटवारे को लेकर अभी भी खींचतान जारी है। इस बीच राजधानी पटना से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है जिसे देखकर हर कोई हैरान है। दरअसल मधुबन से टिकट नहीं मिलने पर राष्ट्रीय जनता दल का एक नेता राबड़ी आवास के बाहर कुर्ता फाड़कर फूट-फूटकर रोने लगे। मदन शाह ने इस दौरान उन्होंने संजय यादव पर आरोप लगाते हुए कहा कि राजद नेता संजय यादव ने 2.7 करोड़ मांगे थे, और जब मैंने देने से इनकार कर दिया, तो पार्टी का टिकट किसी और को दे दिया गया।

दो हजार वोटों से हार का सामना

साथ ही उन्होंने कहा कि राजद प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने मुझे 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के लिए टिकट देने का वादा किया था। बता दें कि 2020 में भी मदन शाह ने पार्टी के सिंबल पर चुनाव लड़ा था लेकिन उस चुनाव में उन्हें दो हजार वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भी पार्टी की ओर से सिंबल मिलने की उम्मीद में वो लगातार पटना में डेरा जमाए हुए थे लेकिन पार्टी ने इस बार किसी और को सिंबल दे दिया और इससे नाराज होकर वो कुर्ता फाड़कर रोने लगे।

महागठबंधन में नहीं सुलझी सीटों की गुत्थी

8 सीटों पर आपस में भिड़ेंगे राहुल-तेजस्वी और वाम

महानगर नेटवर्क
पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर जिस तरह से माहौल रहा वैसा पहले कभी नहीं दिखा. बिहार में पहले चरण की 121 विधानसभा सीटों पर होने वाले वोटिंग के लिए नॉमिनेशन की आखिरी तारीख खत्म हो गई। इसके बावजदू महागठबंधन में शामिल विपक्षी पार्टियों में अब तक सीटों को लेकर अंतिम फैसला नहीं हो सका है। ऐसी स्थिति में कुछ सीटों में दोस्ताना संघर्ष की उम्मीद बढ़ गई है। वहीं, दूसरे चरण के चुनाव के लिए नॉमिनेशन भरने की प्रक्रिया तेज हो गई है। अब नॉमिनेशन ने के कुछ दिन और हैं,लेकिन महागठबंधन में शामिल सबसे प्रमुख दल राजद ने अब तक उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की है. दीगर बात है कि महागठबंधन में शामिल पार्टियां चुप चाप टिकट बांटे रही हैं। उम्मीदवार नॉमिनेशन भी भर रहे हैं।

कुटुंबा में राजद vs कांग्रेस

लालगंज से राजद और कांग्रेस के उम्मीदवार मैदान में नजर आ रहे हैं तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के विरुद्ध भी कुटुंबा से राजद ने सुरेश पासवान को अपना प्रत्याशी बनाकर भेज दिया है। सिकंदरा में भी राजद और कांग्रेस के उम्मीदवारों को लेकर पेंच फंस गया है,जबकि वारसलीगंज में राजद ने अनिता देवी को और कांग्रेस ने सतीश कुमार सिंह को सिंबल दे दिया है। बताया जा रहा है कि करीब 8 ऐसी सीटें हैं,जहां अब तक महागठबंधन के दलों के बीच गांठ अब तक नहीं खुली है। महागठबंधन में राजद,कांग्रेस, विकासशील इंसान पार्टी और वामपंथी दल शामिल हैं। वहीं,महागठबंधन में शामिल न करने से नाराज झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बिहार में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा की और 6 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिया।

डॉ . अतुल कुमार ने बीजेपी से दिया इस्तीफा : जनसुराज में हुए शामिल

मोतिहारी। मोतिहारी में बीजेपी के चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने जनसुराज में शामिल होकर मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा की है। यह जानकारी उन्होंने टिकट मिलने के बाद पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। डॉ. कुमार ने बीजेपी पर उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे पिछले 15 वर्षों से पार्टी के लिए निस्वार्थ भाव से काम कर रहे थे, लेकिन उनकी बातों को कभी सुना नहीं गया। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में केवल एक ही बात चलती है और उसे चुपचाप मानना

पड़ता है, जिससे कार्यकर्ताओं की भावनाओं का दमन होता है।

जन सुराज ने विश्वास कर दिया टिकट

उन्होंने बताया कि इन्हीं बातों से आहत होकर उन्होंने बीजेपी छोड़ी और जन सुराज का दामन थामा। जन सुराज ने उन पर विश्वास जताते हुए मोतिहारी से टिकट दिया है।

बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पर टिकट के लिए डील करने का आरोप

विधायक ने वायरल किया ऑडियो

महानगर नेटवर्क
पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस गहरे संकट में घिरती जा रही है। टिकट बंटवारे को लेकर मचे बवाल के बीच अब पार्टी के भीतर से बगावत का नया अध्याय खुल गया है। पूर्णिया जिले की कस्बा विधानसभा सीट से निवर्तमान विधायक अफाक आलम का टिकट काटे जाने के बाद बगावती तेवर दिखाए हैं।

रविवार को पूर्णिया में प्रेस कांफ्रेंस कर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के साथ पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, सीएलपी लीडर के साथ ही प्रभारी पर पैसों के लेनदेन के आरोप भी लगाए।

पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप

अफाक आलम ने टिकट बंटवारे को लेकर पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि टिकट अब योग्यता या जनाधार पर नहीं, बल्कि पैसों और सिफारिश पर दिए जा रहे हैं। कांग्रेस में समर्पित कार्यकर्ताओं की कोई कीमत नहीं रह गई है। जो पार्टी के लिए लड़ता है, उसे किनारे कर दिया जाता है।

पप्पू यादव बीच में हैं

कांग्रेस के इन दो नेताओं का ऑडियो अब तो इंटरनेट मीडिया पर भी तेजी से प्रचारित हो रहा है। ऑडियो में दोनों के बीच टिकट को लेकर हुई कथित डील की चर्चा सुनी जा सकती है। अफाक आलम टिकट मांग रहे हैं परंतु राजेश राम कह रहे हैं मेरी तरफ से ओके है। लेकिन, पप्पू यादव बीच में हैं। जिस पर अफाक सवाल उठाते हैं पप्पू यादव कौन हैं?

उन्होंने मीडिया को एक ऑडियो जारी किया है जिसमें उनकी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम की टिकट को लेकर बातचीत है। (ऑडियो की जागरण पुष्टि नहीं करता) जिसमें वे राजेश राम से टिकट की पैरवी कर रहे हैं परंतु राजेश राम इशारों में कुछ समझाने की कोशिश कर रहे हैं।

बिहार चुनाव में वंशवाद का बोलबाला

उम्मीदवारों की लिस्ट में नेताओं के रिश्तेदारों की भरमार

पटना। इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में वंशवाद का बोलबाला है। इस चुनाव में भी बड़ी संख्या में उम्मीदवार या तो किसी स्थापित नेता के बेटे, बेटी व पत्नी हैं या निकट संबंधी हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ अरुण कुमार पांडे का कहना है कि वंशवाद के मामले में बिहार में कोई भी राजनीतिक दल खुद को नैतिक रूप से श्रेष्ठ नहीं कह सकता। विभिन्न राजनीतिक दलों से कई चर्चित नेता अपने परिवार के सदस्यों को चुनावी मैदान में उतार

रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव (लालू प्रसाद के छोटे बेटे एवं उत्तराधिकारी) राघोपुर से, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सम्राट चौधरी (पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी के बेटे) तारापुर से, राजद के ओसामा शहाब(मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे) रघुनाथपुर से मैदान में हैं।

रोहतास में नदी में 2 बच्चों की डूबने से मौत

दोस्तों के साथ नदी में नहाने गए थे

महानगर नेटवर्क
रोहतास

रोहतास के अवसानी नदी में नहाने के दौरान 2 बच्चों की डूबने से मौत हो गई। यह घटना रोहतास प्रखंड में हुई। मृतकों की पहचान बकनौरा गांव निवासी भरत सिंह के बेटे पीयूष कुमार और झारखंड के पतनिया गांव निवासी सुजीत सिंह के बेटे आयुष कुमार के रूप में हुई है। आयुष, बकनौरा निवासी पृथ्वी सिंह का नाती था। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों बच्चे अपने दोस्तों के साथ नदी में

नहाने गए थे। इसी दौरान वे नदी के गहरे पानी में चले गए और डूब गए। मौके पर मौजूद अन्य बच्चों ने ग्रामीणों को घटना की सूचना दी, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। ग्रामीणों ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों बच्चों के शवों को शनिवार रात 8 बजे बाहर निकाला। शवों को निकालने में गोताखोरों को लगभग 3 से 4 घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन को सूचना दी थी, लेकिन पुलिस को घटनास्थल पर पहुंचने में कई घंटे लग गए। शवों की तलाश के दौरान स्थानीय लोग SDRF टीम को बुलाने की मांग कर रहे थे। प्रशासन के इस उदासीन रवैए को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर रविवार सुबह 8 बजे पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है।

पिकअप-बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत

सीवान। सीवान में रविवार सुबह पिकअप की टक्कर से बाइक सवार 2 युवक की मौत हो गई। घटना मैरवा थाना क्षेत्र के नवतन मोड़ के पास की है। मृतकों की पहचान गोपालचक गांव निवासी सत्येंद्र शाह के बेटे सनी शाह और सभापति यादव के बेटे चांद यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक अपने घर से मैरवा बाजार सरसों का तेल निकलवाने के लिए निकले थे, तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रही पिकअप ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरते ही मौके पर ही दम तोड़ दिए।

वहीं, हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार बताया जा रहा है।

पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। बताया जा रहा है कि पिकअप सड़क निर्माण कंपनी की थी और उस पर सड़क व्हाइटनिंग व निर्माण सामग्री लदी हुई थी।

घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर दोनों शव रखकर जाम लगा दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। लोगों की मांग थी कि मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए और हादसे के जिम्मेदार पिकअप चालक को तत्काल गिरफ्तार किया जाए।

घर में अकेली महिला की गला दबाकर हत्या

■ होंठ-गले, छाती पर चोट के निशान ■ ग्रामीण बोले-रेप के बाद हुआ मर्डर

महानगर नेटवर्क
नालंदा

नालंदा में महिला की गला दबाकर हत्या कर दी गई है। महिला के होंठ, गले, छाती और शरीर के अन्य हिस्सों पर जख्म के निशान हैं। ग्रामीणों ने लूटपाट और रेप के बाद हत्या की आशंका जताई है। हालांकि,पुलिस का कहना है कि रेप के अभी सबूत नहीं मिले हैं। जांच चल रही है।

मृतका के भतीजे ने बताया, 'घर के पास रात 9:00 बजे तक आसपास के लोग जुआ खेल रहे थे। अचानक से जुआ बंद हो गया। आशंका है कि इन्हीं जुआरियों ने घर में घुसकर लूटपाट के बाद हत्या की है।' घटना वेना थाना क्षेत्र की है।

भतीजे के मुताबिक, घटना के समय घर में महिला अकेले थी। उनका पूरा परिवार पटना जिले के फतुहा में रहता है। महिला

दीपावली और छठ पूजा को लेकर घर की साफ-सफाई को लेकर आई थी। मृतका के बेटे ने बताया, 'लूटपाट के बाद मां की हत्या कर दी गई। छठ पूजा को लेकर घर में तैयारी चल रही थी। कर्णवाली, पायल और मंगलसूत्र लूट लिया गया है। ग्रामीण ऋषि देव कुमार ने बताया, 'महिला के होंठ, छाती और शरीर के अन्य हिस्सों पर जख्म के निशान हैं। उसके साथ मारपीट की गई है। गले पर भी काला निशान है। शरीर पर चोट और खरोंच के निशान है। सुबह देर तक घर का दरवाजा बंद था। इसके बाद पड़ोस के लोगों ने दीवार पर चढ़ कर झांका तो अंदर महिला की लाश पड़ी थी।'

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से होगा खुलासा

सदर डीएसपी-2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि 'पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम को मौके पर बुलाया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही मौत का खुलासा हो सकेगा। प्रथम दृष्ट्या शव देखने से प्रतीत हो रहा है कि पॉइजन की वजह से मौत हुई है। शरीर पर कोई निशान नहीं है। लूटपाट या रेप का सबूत नहीं मिला है।'

व्यापार

धनतेरस पर 1 लाख करोड़ की खरीदारी 60 हजार करोड़ का सोना-चांदी बिका

पिछले साल से 25% ज्यादा

मारुति ने सबसे ज्यादा कारें बेचीं

नई दिल्ली। इस साल धनतेरस पर खरीदारी ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। ऑल इंडिया ट्रेडर्स कॉन्फेडरेशन (CAIT) के मुताबिक धनतेरस पर भारतीयों ने करीब 1 लाख करोड़ रुपए खर्च किए।

इसमें सोने-चांदी की खरीदारी ने बड़ा रोल निभाया। CAIT ने शनिवार (18 अक्टूबर) को बताया कि सिर्फ सोने-चांदी की बिक्री 60,000 करोड़

रुपए की रही, जो पिछले साल से 25% ज्यादा है।

धनतेरस हिंदू कैलेंडर के कार्तिक महीने की तेरहवीं तारीख को मनाया जाता है। इसे सोना, चांदी, बर्तन वगैरह खरीदने का शुभ मुहूर्त माना जाता है। ये चीजें समृद्धि का प्रतीक होती हैं। रुपए का सोना-चांदी खरीदा

भारतीयों ने धनतेरस पर 60,000 करोड़ रुपए का सोना-चांदी खरीदा जो पिछले साल से 25% ज्यादा है। CAIT की ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के नेशनल प्रेसिडेंट पंकज अरोड़ा ने कहा- पिछले दो दिनों में ज्वेलरी बाजारों में ऐसी भारी भीड़ लगी जैसी कभी नहीं देखी। अकेले दिल्ली में 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की बिक्री हुई है।

हालांकि, इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के नेशनल सेक्रेटरी सुरेंद्र मेहता ने कहा कि रिकॉर्ड हाई दामों की वजह से सोने की बिक्री वॉल्यूम में 10% की गिरावट आई है, लेकिन कुल मूल्य में तेज उछाल आया है। उन्होंने कहा, पिछले साल धनतेरस पर करीब 39 टन सोना बिका था, लेकिन इस बार इसके 36 टन के आसपास रहने की उम्मीद है। जेम एंड ज्वैलरी काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने भी कहा- इस साल धनतेरस पर पिछले साल के मुकाबले मात्रा में 10-15% की कमी आई है, लेकिन कुल मूल्य में तेज उछाल आया है। ऊंची कीमतों के बावजूद, स्मार्ट खरीदारी और जल्दी शादी की खरीद की वजह से ग्राहकों का जोश बरकरार है। सोने के सिक्कों की मांग सबसे ज्यादा रही। बर्तन और किचन अप्लायंसः 15,000 करोड़ का सामान बिका पारंपरिक रूप से, धनतेरस पर तांबा, चांदी या स्टील के सामान खरीदना शुभ माना जाता है, जो शुद्धता और समृद्धि का प्रतीक होता है।

इंडिगो ने 30 नए A350-900 विमानों का ऑर्डर दिया

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने एयरबस को 30 और A350-900 विमानों का ऑर्डर दिया है। नए ऑर्डर के साथ ही कंपनी की कुल वाइड-बॉडी विमानों की ऑर्डर संख्या बढ़कर 60 हो गई है। इंडिगो का एयरबस को यह ऑर्डर नया नहीं है।

कंपनी ने 70 एयरबस A350-900 एयरक्राफ्ट्स के लिए परचेज राइट्स किए थे, उसी में से 30 को ऑर्डर्स में बदला गया है। इंडिगो ने पहली बार 30 एयरबस A3500900 जहाजों के लिए अप्रैल 2024 में ऑर्डर प्लेस किया था, यह कंपनी की वाइड-बॉडी सेगमेंट में पहली एंट्री थी। उसी समय कंपनी ने आने वाले समय में लंबी दूरी की उड़ानों को ध्यान में रखते हुए A350

फैमिली के 70 और विमानों के लिए परचेज राइट्स कर लिए थे।

क्या खास है A350-900 एयरक्राफ्ट में?

A350-900 एयरक्राफ्ट रोल्स-रॉयस की ट्रेंट XWB इंजन से लैस होंगे। ये इंजन अपनी एनक्रेडिबल फ्यूल एफिशिएंसी और विश्वसनीयता के लिए जाने जाते हैं। इन जहाजों के इंडिगो के बेड़े में शामिल होने पर इंडिगो की कैपेसिटी और बढ़ जाएगी। यह अमेरिका के साथ-साथ अन्य जगहों की लंबी दूरी के उड़ानों के लिए नया रास्ता खोल सकेगी।

दिवाली से पहले 7 कंपनियां हुईं मालामाल

एक हफ्ते में कमाए 2 लाख करोड़ से ज्यादा

नई दिल्ली। पूरे देश में दिवाली का माहौल है. जिसकी तैयारियां हफ्ता 10 दिन पहले से ही शुरू हो जाती है. कुछ ऐसा ही शेयर बाजार में भी देखने को मिला. दिवाली से पहले हफ्ते में शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है. जिसकी वजह से देश की टॉप कंपनियों के शेयरों में भी जबरदस्त इजाफा देखने को मिला है. आंकड़ों को देखें तो देश की टॉप 10 में से 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 2,16,544.29 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है. वहीं तीन कंपनियों के मार्केट कैप में 61,798.23 करोड़ रुपए कमी देखने को मिली है. खास बात तो ये है कि देश की टॉप आईटी कंपनियों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है. जबकि देश की सरकारी इंश्योरेंस कंपनी को भी नुकसान उठाना पड़ा. वहीं देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में सबसे ज्यादा इजाफा हुआ है. वैसे बीते हफ्ते में शेयर बाजार के प्राइमरी मार्केट में दो सबसे बड़े आईपीओ भी आए थे. जिन्हें निवेशकों को काफी प्यार मिला है।

FPI3 महीने की बिकवाली के बाद अब खरीदार बने

अक्टूबर में FPI ने 6,480 करोड़ के शेयर्स खरीदे

महानगर नेटवर्क
मुंबई

भारतीय शेयर बाजार से तीन महीने तक लगातार पैसा निकालने के बाद फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स यानी FPI अब खरीदार बन गए हैं। अक्टूबर में अभी तक FPI ने 6,480 करोड़ रुपए का निवेश किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत की मजबूत इकोनॉमी और ग्लोबल मार्केट में पॉजिटिव बदलाव की वजह से FPI ने खरीदारी शुरू की है। पिछले तीन महीनों में FPI ने भारतीय बाजार से जमकर पैसा निकाला था। FPI ने सितंबर में 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990

करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे थे। यानी बीते तीन महीने में FPI ने टोटल 76,575 करोड़ रुपए निकाले थे। लेकिन अब सेंटीमेंट पलट गया है। डिपॉजिटरी के डेटा से ये साफ है कि ग्लोबल निवेशक फिर भारत पर भरोसा करने लगे हैं।

FPI ने 1,526 करोड़ के शेयर्स खरीदे

वहीं बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स और डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स यानी DII नेट बायर्स बने रहे। NSE के डेटा के अनुसार, 17 अक्टूबर को FPI ने 1,526.61 करोड़ रुपए और DII ने 308.98 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे हैं।

भारी-भरकम टैरिफ का असर

अमेरिका को भारत के निर्यात में 11.9% की बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। अक्टूबर में भारत के अमेरिका को निर्यात में गिरावट देखी जा रही है। हालांकि, अन्य देशों को भारत का निर्यात मजबूत बना हुआ है और पिछले वृद्धि के आंकड़ों को पार कर गया है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अक्टूबर की अपनी रिपोर्ट में ये जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त में 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज करने के बाद सितंबर में अमेरिका को व्यापारिक निर्यात 11.9 प्रतिशत घटकर 5.5 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। एजेंसी ने कहा कि अगर अमेरिका द्वारा बढ़ाए गए टैरिफ से पहले खेप की लोडिंग नहीं होती तो ये गिरावट और भी बड़ी हो सकती थी। इसके उलट गैर-अमेरिकी बाजारों में भारत का निर्यात सितंबर में 10.9 प्रतिशत बढ़ा, जो अगस्त, 2025 में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि से काफी बेहतर है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा 27 अगस्त से प्रभावी भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के बाद अमेरिका को होने वाले निर्यात में गिरावट आई है।

मीशो को IPO के लिए SEBI से अप्रूवल मिला

■ कंपनी ने अपडेटेड ड्राफ्ट पेपर्स भी फाइल किए

■ इश्यू से 7,036 करोड़ जुटाने का प्लान

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो को अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी IPO के लिए SEBI से अप्रूवल मिल गया है। मीशो ने सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी SEBI के पास IPO के लिए अपना अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (UDRHP) जमा कर दिया है। मीशो फ्रेश इश्यू यानी नए शेयर जारी कर करीब 480 मिलियन डॉलर (4,221 करोड़ रुपए) जुटाएगी। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल (OFS) में 300 मिलियन डॉलर (2,638 करोड़ रुपए) के शेयर बेचे

जाएंगे। वहीं कुल मिलाकर IPO का साइज 800 मिलियन डॉलर (7,036 करोड़ रुपए) का होगा। इस फंड का इस्तेमाल कंपनी टेक अपग्रेड, ब्रांड बिल्डिंग और जनरल कॉर्पोरेट खर्चों पर करेगी। बुक बिल्डिंग प्रोसेस अभी 30-45 दिन चलेगा, उसके बाद IPO लॉन्च होगा और वैल्यूएशन फाइनल होगी। लेकिन आमतौर पर कंपनियां IPO में 10% शेयर बेचती हैं, तो मीशो की वैल्यूएशन 8 बिलियन डॉलर (70,360 करोड़ रुपए) के आसपास सेट होने की उम्मीद है। OFS में मीशो के पुराने इनवेस्टर्स जैसे पीक XV पार्टनर्स, एलिवेशन कैपिटल, वेंचर हाईवे (अब जनरल कैटेलिस्ट का हिस्सा), वाई कॉम्बिनेटर और बाकी लोग अपने शेयर बेचेंगे।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबरः 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

दलितों के साथ अन्याय रोकने के लिए सत्ता हासिल करना जरूरी : मायावती

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

राजधानी लखनऊ में बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को राज्यवार पार्टी की समीक्षा की। इसके बाद कार्यकर्ताओं के लिए निर्देश जारी किए।

उन्होंने कहा कि गांव-गांव के लाखों-लाख लोगों ने उत्तर प्रदेश के सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करने के लिए तन, मन, धन, जोश, उमंग और ललक दिखाई थी। इसका अनुसरण दूसरे राज्यों को भी करने की जरूरत है। ताकि, बसपा अपना मिशन पूरा करके गरीबों, शोषित-पीड़ितों की मंशानुरूप राज्य की स्थापना कर सके।

मायावती ने कहा कि देश में बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, मंहगाई, महिला असुरक्षा तथा व्यापक जातिवादी व साम्प्रदायिक द्वेष, हिंसा अभिशाप है। हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण लोगों का जीना मुश्किल है। आज सरकारें संविधान के जनहित व जनकल्याणकारी उद्देश्यों को त्याग कर राजनीतिक स्वार्थ में लिप्त हैं। इससे जनता व देश का हित प्रभावित हो रहा है।

बसपा धन्नासेठों के इशारे पर चलने वाली पार्टी नहीं

उन्होंने आगे कहा कि जब सत्ता की चाबी अपने हाथ में होगी, तभी दलित और बहुजन समाज सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक शोषण, अन्याय-अत्याचार, निरादर, अपमान से बच पाएगा। बसपा अन्य पार्टियों की तरह पूंजीपतियों व धन्नासेठों के सहारे और इशारे पर चलने वाली स्वार्थी पार्टी नहीं है। बल्कि, संविधान के मानवतावादी व जनकल्याणकारी सोच की अम्बेडकरवादी पार्टी है। वहीं बीते बृहस्पतिवार को मायावती ने राजधानी लखनऊ में प्रदेश के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद बयान जारी कर कहा था कि सपा की सरकार ने बीएसी की सरकार में बने स्मारकों व पार्कों की उपेक्षा की थी जबकि योगी सरकार ने उनके अनुरोध को मानते हुए टिकटों से आए धन से इनका रखरखाव किया था जिसे लेकर रैली में उन्होंने योगी सरकार का आभार प्रकट किया और अब राजनीतिक विद्वेष के कारण ये लोग बसपा पर मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। इन दलों में स्वस्थ राजनीतिक ईमानदारी और साहस नहीं है।

दीपोत्सव पर बार-बार पैसा खर्च वाले बयान पर अखिलेश की सफाई

'पीडीए सरकार खरीदेगी करोड़ों के दीये'

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

अयोध्या में भव्य दीपोत्सव समारोह से पहले उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा दीपावली पर दीये और मोमबत्तियां जलाने को लेकर दिए गए बयान पर विवाद छिड़ गया। भाजपा और हिन्दूवादी संगठनों ने इस पर कड़ी प्रतिक्रियाएं दीं है और सपा पर हिंदू विरोधी बातें फैलाने का आरोप लगाया है। अखिलेश के इस बयान को कुम्हारों के खिलाफ बताते हुए हिंदूवादी संगठनों के नेताओं ने कहा है कि सपा को दो दीयों की खरीद से अपना दिवाला निकलता दिख रहा है। वे अखिलेश यादव की पीडीए सियासत को ढकोसला बता रहे हैं। इस विवाद के बीच अखिलेश यादव का एक और बयान सामने आया है जिसमें वह उत्तर प्रदेश में अपनी सरकार बनने पर प्रजापति समाज से हर दिवाली करोड़ों रुपए के दीये खरीदने का दावा करते नजर

आ रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर अखिलेश यादव ने लिखा- 'उप्र के प्रजापति समाज के लिए हम ये संकल्प उठाते हैं कि 2027 की दिवाली पर पीडीए सरकार उनके करोड़ों रूपये के दीये ख़रीदेगी, जिनसे उनकी इतनी आमदनी हो सके कि उनके घरों में कई महीनों तक दिवाली का प्रकाश बना रहे।' भाजपा पर निशाना साधते हुए सपा मुखिया ने आगे लिखा, 'आज की भाजपा सरकार दूर के तटीय राज्य के लोगों को ये काम देकर उप्र के प्रजापति समाज का हक़ मार रही है। हम चाहते हैं दीया भी उप्र का हो, बाती भी, तेल भी और रोशनी भी। भाजपा दीपोत्सव के ठेकों में उप्र के लोगों की उपेक्षा करके 'दीया तले अंधेरा' करने का पाप न करे।' इसके साथ ही उन्होंने लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और कहा कि हमारी कामना है कि सच्ची दिवाली का उजाला हर घर तक पहुंचे।

क्लोन हमसफर एक्सप्रेस पर पथराव से हड़कंप

कानपुर। कानपुर में अहमदाबाद से दरभंगा जा रही क्लोन हमसफर एक्सप्रेस 09465 ट्रेन में भीमसेन के पास अज्ञात लोगों द्वारा पथराव किए जाने से हड़कंप मच गया। पथराव के कारण ट्रेन के ड्राइवर के पास वाली खिड़की का शीशा टूट गया। अज्ञात शरारती तत्वों ने भीमसेन होडिंग लाइन पर ट्रेन में पथराव किया। पथराव की घटना के तुरंत बाद ड्राइवर ने कंट्रोल रूम को सूचित किया। पथराव की सूचना मिलते ही कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ जवानों ने तुरंत ट्रेन को अटेंड किया। हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन को कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर- पांच पर लाया गया, जहां सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि पथराव की यह घटना झांसी मंडल के अंतर्गत हुई है, लेकिन ट्रेन को सुरक्षा कारणों से कानपुर सेंट्रल पर अटेंड किया गया है। पथराव करने वाले अज्ञात लोगों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। आरपीएफ और रेलवे पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

कांग्रेस नेता पूनम पंडित और सपा नेता दीपक गिरी की सगाई विवादों में

महानगर नेटवर्क

मेरठ

जिले में समाजवादी पार्टी युवक सभा के जिलाध्यक्ष दीपक गिरी और किसान आंदोलन से चर्चाओं में आईं कांग्रेस नेता पूनम पंडित की सगाई विवादों में घिर गई है। दोनों नेताओं की सगाई के बाद ऐसा विवाद उठा कि दीपक गिरी को अपने पार्टी पद से ही हटा दिया गया। फिलहाल, दीपक गिरी और उन पर आरोप लगाने वाली महिला के बीच सोशल मीडिया पर आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है।

सपा नेता दीपक गिरी ने 15 अक्टूबर को कांग्रेस नेता पूनम पंडित से सगाई की थी। सगाई समारोह की तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर शेयर की थीं। अगले दिन यानी 16 अक्टूबर को मवाना में उनके घर पर एक महिला दुर्गेश नंदिनी पहुंची और जोरदार हंगामा किया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद दुर्गेश ने 26 मिनट का वीडियो अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसमें उसने दीपक गिरी पर चार साल तक शारीरिक और मानसिक शोषण करने का गंभीर आरोप लगाया। साथ ही एक समझौता करने का एक कथित एफिडेविड भी सोशल मीडिया पर वायरल किया, जिसमें दीपक गिरी और महिला ने अपने संबंधों का जिक्र करते हुए आपस में शादी की बात कही है। मामला बढ़ने पर पार्टी ने तत्काल संज्ञान लिया और दीपक गिरी को सपा युवजन सभा जिलाध्यक्ष के पद से हटा दिया। वहीं दीपक ने कहा ये उनके विरोधियों द्वारा की गई एक साजिश है।

एटीएस व ईवीएम गोदाम की जमीन कब्जाने के चलते सात पर मुकदमा

महानगर नेटवर्क

प्रयागराज

पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र स्थित आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) व ईवीएम गोदाम की जमीन पर कब्जा करने के आरोप पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद जैद खालिद समेत सात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि कब्जा कर जमीन को रिश्तेदार समेत अन्य को बेच दिया गया। लेखपाल सुधीर कुमार की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की है। एफआईआर के मुताबिक, लेखपाल सुधीर ने बताया कि रसूलपुर-काशीपुर, उपरहार गांव में सार्वजनिक रास्ते और नाले की जमीन पर मोहम्मद जैद खालिद समेत अन्य ने कब्जा कर लिया। आरोप है कि एटीएस की जमीन पर रास्ता बनाकर प्लॉटिंग साइट से जोड़ दिया। इसके अलावा ईवीएम की जमीन को भी जैद ने अपने भाई जसीम अहमद, राहिल सिद्दीकी, महमूद अख्तर, अबू जैद, दिलशाद और धीरेंद्र प्रताप सिंह अन्य सहयोगियों की मदद से उस पर प्लॉटिंग करना शुरू कर दिया। जांच रिपोर्ट में बताया गया कि जैद ने रसूलपुर-काशीपुर गांव में करीब 0.38 हेक्टेयर जमीन खरीदी थी, लेकिन उसने 0.48 हेक्टेयर जमीन बेच दी है। लगभग 0.10 हेक्टेयर अतिरिक्त जमीन बेचकर लोगों से पैसा कमाया है। पता चला कि उक्त लोगों ने अन्य के साथ संग मिलकर जमीन खरीदी और उसको छोटे-छोटे टुकड़ों में प्लॉटिंग कर बेच दिया। आरोप है कि जैद ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) से भी कोई आदेश नहीं लिया।

साढ़े तीन करोड़ का प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद, तीन गिरफ्तार

महानगर नेटवर्क

सोनभद्र

बिहार चुनाव में खपाने के लिए सोनभद्र के रास्ते झारखंड होते हुए बिहार जा रही प्रतिबंधित कफ सिरप की बड़ी खेप बरामद हुई है। मुख्यालय पर चेकिंग के दौरान पकड़े गए दो कंटेनरों में नमकीन और चिप्स के कॉर्टन के बीच छिपाकर रखी गईं 1.19 लाख शीशियां बरामद हुईं। इसकी कुल कीमत लगभग साढ़े तीन करोड़ बताई जा रही है। यह खेप गाजियाबाद से सोनभद्र होते हुए झारखंड और वहां से बिहार ले जाई जानी थी।

एएसपी मुख्यालय अनिल कुमार ने रविवार की दोपहर बाद कामयाबी का खुलासा किया। बताया कि

शनिवार की देर शाम मिली सूचना के आधार पर रॉबर्ट्सगंज पुलिस, एसओजी और आबकारी विभाग की सयुक्त टीम ने पुलिस लाइन तिराहे के पास दो कंटेनर वाहनों को रोककर तलाशी ली। उसमें नमकीन और चिप्स के पैकेट के बीच कोडीन मिले प्रतिबधित सिरप की बड़ी खेप रखी हुई थी। तलाशी में एक लाख 19 हजार 675 शीशियां बरामद की गईं। तत्काल औषधि निरीक्षक राजेश मौर्य को बुलाया गया। पकड़े गए सिरप के प्रतिबंधित होने और उसमें कोडीन मिले होने की पुष्टि के बाद कंटेनर सहित सिरप को कब्जे में ले लिया गया।

अयोध्या दीपोत्सव से दोनों डिप्टी सीएम ने किया किनारा

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

राम की नगरी अयोध्या दीपोत्सव के अवसर पर 29 लाख दीयों की रोशनी से दमक उठी। इस दौरान पूरी दुनिया ने अयोध्या का एक ऐसा मोहक रूप देखा जो कि उनके मानस पटल पर सदैव के लिए अंकित हो गया। वहीं प्रदेश सरकार के दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक इस आयोजन से दूर रहे। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में दीपोत्सव-2025 को ऐतिहासिक स्वरूप दिया गया। इस आयोजन में 33 हजार वालंटियर्स की मदद ली

गई, जो 26 लाख 11 हजार एक सौ एक दीयों को प्रज्ज्वलित कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना। सरयू तट के 56 घाटों पर विश्वविद्यालय की 2,000 से अधिक सदस्यों की टीम तैनात है। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि 28 लाख से अधिक दीए बिछाए गए। ड्रोन से दीपों की गणना के बाद गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से स्वप्निल दंगारीकर व कंसल्टेंट निश्चल बरोट ने नए कीर्तिमान की घोषणा की।

दीपावली से पहले पटाखा बाजार में तबाही

महानगर नेटवर्क

फतेहपुर

शहर के महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रांगण में लगी पटाखा बाजार में रविवार दोपहर 12 बजकर 25 मिनट पर अचानक एक दुकान से उठी चिंगारी में आग लग गई। जोर के धमाका के साथ आग एक से दूसरे दुकान में बढ़ती गई और देखते ही देखते मैदान में आसमान में भीषण धुआं उठने के साथ सभी 70 आतिशबाजी की दुकानें जलकर राख हो कई। धमाका व धुंआ से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन पांच करोड़ से अधिक की आतिशबाजी जल गई। आग से दुकानों के पास खड़ी करीब 15 से अधिक बाइक व स्कूटी जलकर राख हो गई। खबर पाकर एडीएम अविनाश त्रिपाठी व एसपी अनूप कुमार सिंह मौके पर पहुंचे।

दोपहर को जैसे ही दुकान नंबर तीन व चार से अचानक उठी चिंगारी से हुए विस्फोट में अरे बचाओ, अरे बचाओं की आवाज लगाते हुए लोग नाले से कूदकर भागे और इस भगदड़ में कई लोग चोटहिल हो गये। मौके पर खड़ी फायर बिग्रेड की गाड़ी के दगा दे जाने से आग पर नियंत्रण करने में देर हो गई और तकरीबन पांच करोड़ की आतिशबाजी जलकर राख हो गई। पांच सौ मीटर की दूरी पर फायरब्रिग्रेड का आफिस है लेकिन दमकल पहुंचने में आधा घंटे का समय लग गया।

पटाखा गोदाम में धमाका, चार दुकानें धराशायी

वहीं एटा जिले के बागवाला चौराहे के पास पटाखा गोदाम में रविवार को तेज धमाका हो गया। इससे चार दुकानें धराशायी हो गईं। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। चार लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई गई है। मौके पर राहत बचाव कार्य जारी है। दमकल की टीमें लपटों पर काबू पाने में जुटी हैं। बागवाला चौराहे से आसपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर पटाखा गोदाम बना हुआ था। इसमें रविवार को तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। धमाके से गोदाम की चार दुकानें धराशायी हो गईं। सूचना पर पुलिस पहुंची, दमकल की दो गाड़ियां मौके पर लपटों पर काबू पाने में जुटी हैं।

साड़ी के शोरूम में भीषण आग से अफरातफरी, पुलिस ने रोका यातायात

महानगर नेटवर्क

वाराणसी

भेलूपुर थाना के शिवाला-अस्सी मार्ग पर स्थित कपड़े के शोरूम में रविवार की सुबह शॉर्ट सर्किट के बाद अचानक आग लग गई। आग लगने की जानकारी शोरूम से धुआं निकलने के बाद हुई। अगल-बगल के घरों में हड़कंप मच गया। दूसरी तरफ, राहगीरों ने इसकी सूचना फायर सर्विस के साथ-साथ स्थानीय पुलिस को दी। अचानक आग लगने के कारण मौके पर अफरातफरी का माहौल हो गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने रास्ते पर यातायात रोक दिया। वीडियो और फोटो खींच रहे लोगों की भीड़ को भी हटाया गया। दमकल की गाड़ियों के मदद से आग पर काबू पाया गया।

इस बाबत थाना प्रभारी भेलूपुर सुधीर कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कपड़े का शोरूम राकेश गोयल का है। शोरूम के एक साइड में शॉर्ट सर्किट के बाद आग लग गई थी। आग बुझा ली गई है अब स्थिति सामान्य है। देख कर लगता है कि लगभग चार से पांच लाख का सामान जला होगा।

शोरूम का दरवाजा तोड़कर दमकल टीम और पुलिस अंदर घुसी थी। पाइप से पानी डालकर करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी की पुलिस से मुठभेड़, घायल

संतकबीर नगर। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के तितौवा क्षेत्र में कोचिंग गयी एक दलित छात्रा को नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने रविवार की रात में मुठभेड़ के दौरान गोली मार दी। गोली उसके पैर में लगी है। उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने बताया कि कोचिंग गयी दलित छात्रा के साथ दुष्कर्म की घटना की जानकारी के बाद पुलिस आरोपी कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के मड़या निवासी बदरे आलम उर्फ बादल की तलाश में जुटी थी। कोतवाली खलीलाबाद के प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार पाण्डेय द्वारा कार्यवाही करते हुए 19 अक्टूबर को बदरे आलम को आयुष्मान आरोग्य केंद्र, रौरापार से रात्रि 3 बजे गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त को कोतवाली खलीलाबाद लाते समय उस्का खुर्द नहर की पुलिया के पास पहुंचने पर उसने पेशाब करने की इच्छा जाहिर की। पेशाब करने के दौरान ही अभियुक्त जेल से भागने की कोशिश करते हुए भागने लगा। टीम के द्वारा उसको घेरकर सरेंडर करने को कहा गया लेकिन वह भागता ही रहा। जिसके उपरांत गिरफ्तारी टीम द्वारा फायर किया गया जिससे अभियुक्त के दाहिने पैर मे गोली लगी। उसे तुरन्त ही जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां पर उसका इलाज चल रहा है।

घर वाले समझ रहे थे ट्यूमर, किशोरी ने दिया बेटी को जन्म

कौशांबी। सरायअकिल कोतवाली क्षेत्र में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है। क्षेत्र के एक गांव की किशोरी ने मंगलवार को एक बच्चे को जन्म दिया है। परिजन किशोरी के पेट में ट्यूमर होने का अंदेशा जता रहे थे पर बच्चे के जन्म देने पर उनके होश उड़ गए। परिजनों ने सख्ती से पूछताछ की तो किशोरी ने बताया कि चचेरे भाई ने उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद किशोरी के परिजन पुलिस चौकी पहुंचे तो उन पर समझौते का दबाव बनाया जाने लगा। इसके बाद वह सरायअकिल कोतवाली पहुंचे और आरोपी पर कार्रवाई की मांग की है। हालांकि अभी तक पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया है।

दहेज के लिए विवाहिता की पिटाई, हालत गंभीर

महानगर नेटवर्क

जौनपुर

कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में दहेज के लिए विवाहिता की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। पीड़िता को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोतवाली प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि सिंधौरा थाना क्षेत्र के बरईपुर निवासी अवनीश कुमार ने तहरीर दिया है। उसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। वहीं, शिकायतकर्ता के मुताबिक उसकी बहन रोली की शादी 2 जून 2021 को केराकत थाना क्षेत्र के सुरतपुर झमका गांव निवासी गुलाब वर्मा के बेटे सुभाष वर्मा से हुई थी।

विवाह में दान-दहेज के रूप में एक लाख रुपये समेत जेवरात, बर्तन, कपड़ा आदि दिया गए। आरोप है कि शादी के बाद से ही बहन की सास कंचन वर्मा, जेठानी बबीता वर्मा, जेठ सुरेश वर्मा व उनके पुत्र किशन वर्मा दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर रोली को लगातार प्रताड़ित करते रहे। जब वह विरोध करती तो उसका खाना-पानी बंद कर दिए और आए दिन मारपीट की जाती। उन्होंने बताया कि 16 अक्तूबर की दोपहर लगभग 12 बजे दहेज को लेकर फिर विवाद हुआ, जिसके बाद सास, जेठनी, जेठ और किशन ने मिलकर रोली की जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान पीड़िता के सिर और नाक की हड्डी टूट गई तथा शरीर पर गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलने पर मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और घायल रोली को आनन-फानन में जिला अस्पताल ले गए, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। मामले की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। पीड़िता के भाई ने ससुराल पक्ष के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न और हत्या के प्रयास का आरोप का प्रार्थना पत्र दिया है।

व्यापारियों से 7 करोड़ की ठगी करने वाला गिरफ्तार

वाराणसी। व्यापारियों को झांसा देकर 7 करोड़ से अधिक की ठगी करने वाले शरद भार्गव को लंका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को हरियाणा के सोनीपत से पकड़ा है। काशी के अलग-अलग थानों में आरोपी शरद भार्गव के खिलाफ पांच केस दर्ज है। आरोपी की पत्नी भी उसके धोखाधड़ी में साथ देती थी। फिलहाल शरद भार्गव की पत्नी रिचा भार्गव फरार है। पुलिस ने पति-पत्नी के साथ अन्य लोगों की भी जांच कर रही है। आरोपी पर गैंगस्टर की कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी काशी गौरव बंशवाल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी लंका थाना क्षेत्र के विनायका रेजीडेंसी का निवासी है। संगठित गिरोह के जरिए व्यापारियों को व्यापार का झांसा दे रकम ऐंठता था। चौक, चेतगंज, लंका और कोतवाली में भार्गव और इसके संगठित गिरोह के खिलाफ केस दर्ज है।

इंडिया स्किल्स कंप्टीशन में यूपी से सर्वाधिक 1.09 लाख आवेदन

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

इंडियन स्किल्स कंप्टीशन में यूपी पंजीकरण के मामले में देश में पहले स्थान पर है। यहां सबसे ज्यादा 1.09 लाख विद्यार्थियों ने प्रतिभाग करने के लिए आवेदन किया है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार पंजीकरण में 14 गुना की बढ़ोत्तरी हुई है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की ओर से अभियान चलाकर विद्यार्थियों को आवेदन करने के लिए प्रेरित किया गया। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल ने बताया कि देश भर में 63 कौशल श्रेणियों में आयोजित पंजीकरण प्रक्रिया बीते 15 अक्तूबर तक चली। पिछले वर्ष सिर्फ आठ हजार युवाओं ने ही पंजीकरण कराया था।

यूपी के बाद देश में दूसरे नंबर पर आंध्र प्रदेश में 58009, तीसरे नंबर पर तमिलनाडु में 54409 और कर्नाटक में 31113 युवाओं ने पंजीकरण कराया है।

बांकेबिहारी मंदिर : खजाने से अब तक निकले सोने-चांदी के सिक्के और छड़ियां

महानगर नेटवर्क

मथुरा

मथुरा के वृंदावन में श्री बांकेबिहारी मंदिर का खजाना (तोषखाना) 54 वर्ष के बाद शनिवार को धनतेरस के अवसर पर खोला गया था। दूसरे दिन भी रविवार को टीमों ने खजाने की तलाश की। इस दौरान खजाने से सोने-चांदी की छड़ियां मिलीं हैं। सेवायत दिनेश गोस्वामी ने बताया कि लगातार दूसरे दिन बांकेबिहारी मंदिर का तोषखाना खोला गया। इस दौरान टीम को सोने-चांदी की छड़ियां मिलीं हैं। इनमें तीन चांदी और एक सोने की छड़ी है। टीमें अब भी तोषखाना में कार्य कर रहीं हैं। टीम को खजाने से कुछ रत्न भी मिले हैं। इसके साथ ही तीन तांबे के सिक्के मिले हैं, जिन पर वर्ष 1942 अंकित हैं। टीम को कुछ सोने के सिक्के

और कुछ नग भी खजाने से मिले हैं। सभी सामान की लिस्ट तैयार हो रही है।

इस दौरान वर्धन गोस्वामी ने कहा कि खुशी इस बात की है कि दो से चार छड़ियां मिली हैं। जिनमें एक सोने की और दो चांदी की छड़ियां हैं। इन छड़ियों के बारे में बचपन में सुना था। उन्होंने बताया कि चार से पांच रत्न मिले हैं। लाल और रंग हरे रंग के ये रत्न हैं। बड़ी मात्रा में बर्तन मिले हैं। इनमें से कुछ चांदी और कांसे के बर्तन हो सकते हैं। अब ये कार्रवाई पूरी होने की ओर है। वहीं, टीम को खजाने की तिजोरी में रखे बक्से में सोने-चांदी के सिक्के और रत्न मिले हैं। खजाने में बड़े पैमाने पर हीरे, जवाहरात होने की बात कही जा रही थी मगर शनिवार को ऐसा कुछ नहीं निकला था। इस दौरान सेवायतों ने हंगामा और नारेबाजी भी की। इसके बाद खजाने को फिर से सील कर दिया गया था। श्री बांकेबिहारी मंदिर की हाईपावर्ड कमेटी ने अपनी पहली बैठक में मंदिर के खजाने (तोषखाना) को खोलने के आदेश दिए थे। चूंकि तोषखाना में कोर्ट की सील लगी हुई थी तो प्रशासन ने सिविल जज जूनियर डिवीजन को कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया। कोर्ट ने 18 अक्तूबर को खजाना खोलने की तिथि नियत की थी।

जगुआर कार ने कईयों को रौंदा एक की मौत, कई गंभीर

प्रयागराज। शहर के धूमनगंज थाना क्षेत्र के राजरूपपुर में नशे में धुत एक कार चालक ने तेज रफ्तार कार से आधा दर्जन लोगों को रौंद दिया। इसमें कई लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। कार चालक ने आधा किलोमीटर तक तांडव मचाया। इससे बाजार में हड़कंप मच गया। लोगों ने गाड़ी को घेरकर रोक लिया। चालक की पिटाई कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह भीड़ के चंगुल से चालक को छुड़ाकर हिरासत में लिया। हादसे में राजरूपपुर निवासी प्रदीप पटेल की मौत हो गई। अन्य घायलों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दीवाली से पहले अवैध पटाखों का जखीरा बरामद

महानगर नेटवर्क

प्रतापगढ़

दिवाली के पहले अवैध पटाखों का निर्माण कर सुरक्षित स्थानों पर डंप कर मोटी कमाई करने वाले हवाईदारों पर जेठवारा व उदयपुर पुलिस ने शिकंजा कसा। पुलिस ने छापा मारकर अवैध पटाखा फैक्ट्री का भांडाफोड़ करते हुए करीब सवा पांच लाख के पटाखे बरामद किए। बाद में उसे फायरब्रिगेड की मदद से नष्ट कराया गया। कार्रवाई से खलबली मची हुई है। इसके पहले पट्टी के बहुता में तीन साल से बंद डिग्री कॉलेज में पटाखा फैक्ट्री से 47 लाख के अवैध पटाखे बरामद हुए थे। अवैध पटाखों के चलते जनपद में तीन साल के भीतर 20 से अधिक लोगों को जान तक गंवानी पड़ चुकी है। इसके बाद

भी लोग दिवाली पर अधिक मुनाफा कमाने के लिए नियम कानून को ताक पर रख देते हैं। नगर पंचायत डेरवा सबलगढ़ व हवाईदार मोहल्ले में थानाध्यक्ष सुभाष कुमार यादव ने शनिवार की रात अपनी टीम के साथ छापा मारा। पुलिस के अनुसार सबलगढ़ डेरवा के रहने वाले हवाईदार मो. गुलफाम व शमीमुद्दीन उर्फ मुन्ना और शमशाद उर्फ गुड्डू के ठिकानों से बनाए गए अवैध पटाखे, विस्फोटक सामग्री के साथ निर्माण सामग्री बरामद हुई।

बंद पड़े अनाथालय में चल रही अवैध फैक्ट्री

वहीं सुल्तानपुर जिले के दौलतपुर कजियानी बाग में खाली पड़े अनाथालय में शनिवार को एक अवैध पटाखा फैक्टरी पर पुलिस ने छापा मारा। पुलिस को मौके से एक कमरे में 10 बोरे निर्मित व अर्द्ध निर्मित पटाखे के साथ ही बड़ी मात्रा में बारूद भी मिला है। पुलिस ने मौके से कादीपुर कस्बे के जवाहर नगर निवासी नईम को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को समर्थन देना तुर्की और अजरबैजान को पड़ा महंगा

भारतीयों ने सिखाया सबक

महानगर नेटवर्क
अजरबैजान

मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते तुर्की और अजरबैजान में भारतीय पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। दोनों देशों द्वारा इस संघर्ष में पाकिस्तान का समर्थन किए जाने के कारण भारत में इनके खिलाफ नाराजगी और बहिष्कार की भावना तेजी से बढ़ी, जिसका असर सीधा पर्यटन पर पड़ा। अजरबैजान में मई से अगस्त 2025 के बीच भारतीय पर्यटकों की संख्या में 56% की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि तुर्की में यही गिरावट 33.3% रही। इससे पहले, दोनों देशों में भारतीय यात्रियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही थी। 2024 में अजरबैजान में 2.44 लाख भारतीय पर्यटक पहुंचे थे, जबकि तुर्की में 3.31 लाख, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर

के बाद माहौल बदल गया। ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद भारतीय ट्रैवल कंपनियों और पोर्टलों जैसे MakeMyTrip और EaseMyTrip ने तुर्की और अजरबैजान की यात्रा से बचने की सलाह दी। MakeMyTrip ने 14 मई को जारी एक बयान में कहा कि भारतीय यात्रियों में इस मुद्दे को लेकर गहरी भावनाएं देखी गई हैं। पिछले एक सप्ताह में अजरबैजान और तुर्की के लिए बुकिंग में 60% की गिरावट आई है। कैंसिल करने वालों की संख्या में 250% बढ़ोतरी देखी गई। हम अपनी सेना के साथ एकजुटता में इन दोनों गंतव्यों के प्रचार और ऑफर को रोक चुके हैं। अजरबैजान में मई-अगस्त 2024 में लगभग 1 लाख भारतीय पर्यटक पहुंचे थे। मई-अगस्त 2025 में यह संख्या घटकर 44,000 हो गई। अगस्त 2024 में 21,137 और अगस्त 2025 में घटकर सिर्फ 6,032 हो गई। 2025 के पहले आठ महीनों में अजरबैजान आने वाले भारतीयों की संख्या 22% कम होकर 1.25 लाख रह गई। तुर्की की बात करें तो मई-अगस्त 2024 में लगभग 1.36 लाख भारतीय पर्यटक पहुंचे थे। मई-अगस्त 2025 में इसकी संख्या घटकर 90,400 रह गई। जनवरी-अगस्त 2025 में कुल 1.74 लाख भारतीय पर्यटक पहुंचे।

सरकारी कर्मचारियों की हुई मौज

आंध्र प्रदेश में DA समेत दिवाली बोनस देगी सरकार

महानगर नेटवर्क
अमरावती

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दिवाली के मौके पर सरकारी कर्मचारियों के लिए 1 नवंबर से महंगाई भत्ते समेत कई लाभों की घोषणा की है। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार महंगाई भत्ते (DA) पर प्रति माह 160 करोड़ रुपये खर्च करेगी। नायडू ने शनिवार देर रात आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, 'दिवाली उत्सव पैकेज के तहत हम एक नवंबर से कर्मचारियों को महंगाई भत्ते की एक किस्त जारी कर रहे हैं।'मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सरकार पुलिस विभाग के अर्जित अवकाश भुगतान के एक हिस्से का भुगतान करेगी। इस राशि को 105 करोड़ रुपये की दो बराबर किस्तों में विभाजित करेगी। नायडू ने बताया कि कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना को 60 दिन के भीतर सुव्यवस्थित किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि

सेवानिवृत्ति से पहले 180 दिन का बाल देखभाल अवकाश लिया जा सकेगा। सीएम नायडू के अनुसार सरकारी कर्मचारी संघों के कार्यालयों की इमारतों का संपत्ति कर माफ कर दिया गया है। सड़क परिवहन निगम (RTC) के कर्मचारियों को दिवाली उपहार के रूप में पदोन्नति दी गई है। तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख ने कहा कि कुछ पदों का नाम बदला जाएगा। उन्होंने कर्मचारी संघों से वेतन संशोधन आयोग (PRC) का मुद्दा उन पर छोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस संबंध में घोषणा बस कुछ ही दिन में की जाएगी।

'परमीशन चाहिए तो फिर से दायर करो नई याचिका'

हाईकोर्ट ने RSS को दिया आदेश

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रतिनिधियों से कहा कि वे दो नवंबर को कलबुर्गी जिले के चित्तपुर में अपना पथ संचलन आयोजित करने की अनुमति मांगने के लिए एक नया आवेदन दायर करें। न्यायमूर्ति एमजीएस कमल ने यह बात तब कही, जब याचिकाकर्ता ने अदालत में कहा कि वह दो नवंबर को पथ संचलन करने का इरादा रखता है, क्योंकि अधिकारियों ने रविवार के लिए अनुमति देने से इंकार कर दिया था। आरएसएस की ओर से अशोक पाटिल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय की एक विशेष पीठ गठित की गई थी। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या किसी

वैकल्पिक तिथि या समय पर मार्च आयोजित करना संभव होगा, जिस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि दो नवंबर उपयुक्त होगा। हाईकोर्ट ने कहा है कि प्रस्तुतियों के मद्देनजर याचिकाकर्ता को मार्ग, स्थान और समय के विवरण के साथ एक नया आवेदन प्रस्तुत करना होगा, साथ ही पहले उठाए गए प्रश्नों के उत्तर भी देने होंगे, आवेदन कलबुर्गी जिले के उपायुक्त को प्रस्तुत किया जाएगा, जिसकी एक प्रति तालुका कार्यकारी मजिस्ट्रेट और पुलिस को दी जाएगी। अधिकारियों से आवेदन पर विचार करने और 24 अक्टूबर को अदालत में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। इस याचिका में गुण-दोष के आधार पर कोई आदेश पारित नहीं किया गया है और रिपोर्ट प्राप्त होने पर उस पर विचार किया जाएगा। इस याचिका में शुरू में अधिकारियों को रविवार को पथ संचलन आयोजित करने की अनुमति मांगने वाले आवेदन पर विचार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। सुनवाई के दौरान एक अंतरिम आवेदन (आईए) दायर किया गया, जिसमें याचिका में संशोधन की मांग की गई तथा अदालत को सूचित किया गया कि प्राधिकारियों ने अनुमति देने से इंकार कर दिया है।

कश्मीरी पंडितों को राजनीतिक फायदे के लिए किया इस्तेमाल

BJP नेता ने अपनी ही पार्टी पर उठाए सवाल

महानगर नेटवर्क
जम्मू

अपनी ही पार्टी पर विस्थापित कश्मीरी पंडितों का पॉलिटिकल फायदे के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए नाराज बीजेपी नेता जहांजैब सिरवाल ने रविवार को पार्टी लीडरशिप से समुदाय के साथ लंबे समय से हो रहे अन्याय को दूर करने के लिए सही कदम उठाने की अपील की। पिछले साल अप्रैल में कांग्रेस छोड़ने के बाद बीजेपी में शामिल हुए सिरवाल ने कहा कि यह समुदाय BJP के लिए सबसे मजबूत, फिर भी बिना पैसे वाले, बिना पहचाने और बिना पहचाने कैंपेन करने वालों में से रहा है। बीजेपी लीडरशिप ने पॉलिटिकल फायदे के लिए पार्लियामेंट में उनकी तकलीफ का 500 से ज्यादा बार जिक्र किया है और हर पॉलिटिकल दुश्मन के खिलाफ एक टूल के तौर पर इस्तेमाल किया है।"

उन्होंने कहा, "मैं पार्टी लीडरशिप से (कश्मीरी पंडित समुदाय के साथ) लंबे समय से हो रहे अन्याय को दूर करने के लिए पक्के और सही कदम उठाने की अपील करता हूं। वे सिर्फ दिखावे या पार्लियामेंट्री बहसों में बार-बार जिक्र से ज्यादा के हकदार

हैं।" इससे पहले, 3 अक्टूबर को, सिरवाल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुसलमानों के खिलाफ पुलिस के बदले वाले रवैये का हवाला देते हुए पार्टी से इस्तीफा देने की धमकी दी थी। बीजेपी नेता ने कहा कि लीडरशिप को ऐसी पॉलिसी को प्राथमिकता देनी चाहिए जो कश्मीरी पंडितों की उनके वतन सुरक्षित वापसी पक्की करें, उनके अधिकार वापस दिलाएं और उन्हें वह सुरक्षा और मौके दें जिनसे उन्हें बहुत लंबे समय से वंचित रखा गया है। सिरवाल ने यहां एक बयान में कहा, "वे ठोस कार्रवाई के हकदार हैं, जिसकी शुरुआत सीनियर नेताओं द्वारा उनके कैंपों का दौरा करके उनके संघर्षों को खुद देखने से हो, उसके बाद समुदाय के प्रतिनिधियों, जिनमें पार्टी के कुछ सदस्य भी शामिल हैं, के साथ मिलकर बातचीत हो, ताकि उनके सम्मानजनक पुनर्वास के लिए एक पूरा रोडमैप बनाया जा सके।"

फिर संघर्ष का अखाड़ा बना JNU

लेफ्ट छात्रों ने तोड़े पुलिस बैरिकेड, 28 डिटेन

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में पुलिस और जेएनयूएसयू के छात्रों के बीच हिंसक झड़प हुई। इस घटना में कई छात्र घायल हुए हैं और पुलिस ने कुछ छात्रों को हिरासत में भी लिया है। घटना की शुरुआत गुरुवार को हुई, जब जेएनयू की स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ की बैठक के दौरान लेफ्ट संगठनों से जुड़े छात्रों ने एक सर्कुलर जारी किया। इस सर्कुलर में सामाजिक न्याय के मुद्दे पर

वसंत कुंज पुलिस स्टेशन तक मार्च निकालने की बात कही गई थी। छात्रों का आरोप था कि लेफ्ट से जुड़े छात्रों पर कथित हमले के बावजूद पुलिस ने एबीवीपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ FIR दर्ज नहीं की, इसलिए वे प्रदर्शन करने जा रहे थे। शनिवार को निकाले गए मार्च के दौरान स्थिति बिगड़ गई। पुलिस ने अपने बयान में कहा कि वे लगातार छात्र नेताओं के संपर्क में थे और कानूनी कार्रवाई का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद छात्र यूनियन ने मार्च जारी रखा। पुलिस के अनुसार शाम करीब 6 बजे 70–80 छात्र, जिनमें बड़ी संख्या में छात्राएं भी शामिल थीं, जेएनयू के पश्चिमी गेट पर इकट्ठा हुए। वहां पहले से ही पुलिस बैरिकेड लगे थे। आरोप है कि छात्रों ने अपील ठुकराते हुए जबरन बैरिकेड तोड़े, अधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की की और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इस वजह से इलाके में कुछ समय के लिए ट्रैफिक भी बाधित हुआ। पुलिस ने बताया कि किसी भी बड़ी अप्रिय घटना से बचने के लिए 28 छात्रों को हिरासत में लिया गया है। इनमें 19 पुरुष और 9 महिलाएं शामिल हैं।

गरीब विचाराधीन कैदियों की जमानत राशि अब भरेगी सरकार

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अनूठी SOP तैयार की है, जिसमें निर्देश दिया गया कि अगर कोई गरीब व्यक्ति जमानत के लिए आर्थिक गारंटी देने में असमर्थ है, तो सरकार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) के जरिए इसे मुहैया करेगी। इस तरह उसकी रिहाई सुनिश्चित की जाएगी। अदालत ने यह एसओपी सीनियर वकील सिद्धार्थ लूथरा और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के सुझावों के बाद तैयार की। यह मामला एससी ने स्वतः संज्ञान में लिया, जब उसे पता चला कि हजारों विचाराधीन कैदी जमानत मिलने के बावजूद केवल इसलिए जेल में बंद हैं क्योंकि वे जमानत बांड या गारंटर प्रदान नहीं कर पा रहे हैं। जज एमएम सुंदरेश और एससी शर्मा की पीठ ने कहा कि DLSA एक लाख रुपये तक की जमानत राशि भर सकता है।

कर्नाटक में तीन बसों के बीच भीषण टक्कर, एक की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक में तीन बसों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, इस हादसे में कई अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में 10 लोगों की हालत गंभीर है। यह हादसा उस वक्त हुआ जब मांड्या जिले के बचनहल्ली में केएसआरटीसी की तीन बसें टकरा गईं। सभी घायलों को मलावल्ली के सरकारी अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। वहीं, गंभीर रूप से घायल यात्रियों को मैसूर के इमजरजेंसी केयर ले जाया गया है। मलावल्ली पुलिस थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। वहीं, घटना से जुड़े अन्य विवरण की प्रतीक्षा है। बस हादसों का यह कोई पहला मामला नहीं है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही राजस्थान में एक भीषण हादसा हुआ था। राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक निजी बस में 14 अक्टूबर को दोपहर अचानक आग लग गई। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हो गई थी। बस जैसलमेर से जोधपुर जा रही थी तभी अपराह्न करीब तीन बजे थईयात गांव के पास उसके पिछले हिस्से से अचानक धुआं निकलने लगा और चालक ने बस को सड़क किनारे रोका।

ध्वस्त किया जाएगा अहमदाबाद की 400 साल पुरानी मस्जिद का हिस्सा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को गुजरात हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए अहमदाबाद में 400 साल से ज्यादा पुराने मंच मस्जिद परिसर को आंशिक रूप से ध्वस्त करने की अनुमति दी गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह कदम जनहित में उठाया गया और इससे धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन नहीं होता। जस्टिस

सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि खाली पड़ी ज़मीन का केवल एक हिस्सा और उससे सटे एक चबूतरे को ही हटाया जाना है, जबकि मस्जिद का मुख्य ढांचा वैसा ही रहेगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि इसी नागरिक परियोजना के तहत एक मंदिर, एक व्यावसायिक इकाई और एक आवासीय संपत्ति को भी ध्वस्त करने के लिए चिह्नित किया गया। पीठ ने अपने आदेश में कहा, "राज्य प्राधिकारियों द्वारा अपनाए गए स्पष्ट रुख और हाईकोर्ट के इस निर्णय को देखते हुए कि खाली भूमि का केवल एक हिस्सा और एक मंच ही ध्वस्त किया जाना है, हमें निर्णय में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता, विशेषकर तब जब एक मंदिर, एक वाणिज्यिक और एक आवासीय संपत्ति को भी सड़क चौड़ीकरण के लिए ध्वस्त करने के लिए चिह्नित किया गया है।" हालांकि, कोर्ट ने इस प्रश्न को खुला छोड़ दिया कि क्या यह स्थल वक्फ संपत्ति के रूप में योग्य है, तथा स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर मुआवजा निर्धारित करने के उद्देश्य से उचित कार्यवाही में निर्णय लिया जा सकता है।

रेलवे स्टेशनों पर बिहार-यूपी जाने वालों की भारी भीड़

- सूरत में 15 हजार से ज्यादा यात्रियों ने सड़क पर बिताई रात
- दिल्ली में खचाखच भरे प्लेटफॉर्म

महानगर नेटवर्क
सूरत

दिवाली, छठ पूजा और बिहार विधानसभा चुनाव के चलते उत्तर भारत जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ रविवार को दिल्ली, मुंबई, सूरत समेत अन्य रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंड पर देखी गई।

सूरत में हजारों लोग टिकट होने के बावजूद ट्रेन में सवार नहीं हो पाए। स्टेशन से लेकर रिहायशी इलाकों तक यात्रियों की लाइनें लग गईं। 12 से 18 घंटे से भूखे-प्यासे लोगों की बस एक ही कोशिश थी कि घर जाना है, लेकिन ट्रेनों में जगह

नहीं मिली। सूरत के उधना रेलवे स्टेशन के बाहर शनिवार शाम से ही भीड़ लगनी शुरू हो गई थी। ट्रेनों में जगह न मिलने से कुछ लोगों को दो-तीन बार टिकट भी कैंसिल करवानी पड़ी। इसके चलते स्टेशन के बाहर 2 किमी से ज्यादा लंबी लाइन लग गई थी। स्टेशन पर अभी भी 6 से 7 हजार से ज्यादा यात्रियों की भीड़ है। पश्चिम रेलवे की ओर से जानकारी दी गई है कि आज और ट्रेनें चलेंगी। कई ट्रेनों में बोगियां भी बढ़ाई जा रही हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी पिछले दो-तीन दिनों से जबर्दस्त भीड़ है। शनिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने भीड़ नियंत्रण की तैयारियों का जायजा लिया।

सार्वजनिक सूचना

सभी को सार्वजनिक सूचना दी जाती है मेरे क्लायेंट विरेंद्र शरद लंके यह श्रीमती बुलबुल भट्टाचार्जी का फ्लॅट क्र. ई-५, ई विंग, आशीर्वाद मजास मधु को-ऑपरेटिव्ह हाऊसिंग सोसायटी लि.,सरदार वल्लभाई पटेल रोड, पूनम नगर, अंधेरी पूर्व, मुंबई ४०००९३ यह फ्लॅट खरीदने के लिये इच्छुक है | परंतु इस फ्लॅट के मुल मालिक मर्शिया विजय कीर के नाम से ६.०१.१९८९ मे जारी किया गया अलोटमेंट लेटर खो गया है| इस घटना कि सूचना १८.१०.२०२५ को सहार पुलिस स्टेशन मी दी गयी है | यदि किसी भी व्यक्ती को यह खोया हुंवा दस्तावेज मिलता है या किसीको इस फ्लॅट के संदर्भ मे कोई भी आपत्ती हो या यदि उक्त फ्लैट पर किसी बैंक, वित्तीय संस्था या किसी अन्य व्यक्ति का कोई कानूनी भार है, तो ऐसे व्यक्ति या संस्थाएं इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से चौदा (१४) दिनों के भीतर दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें उनके कार्यालयीन समय शाम ६ से ९ तक संपर्क करे यदि निर्धारित अवधी मे कोई आक्षेप नाही आता है तो मेरे क्लायेंट उक्त फ्लॅट का खरेदी व्यवहार पूर्ण करेंगे इस बात को ध्यान मी रखे |

सही /-
स्नेहल वि. पाटील
वकील हाय कोर्ट
१४ए /१, मजासवाडी अमेय को. हौ. सो ली.,
न्यू म्हाडा कॉलनी, महाकाली केव्स रोड,
अंधेरी पूर्व, मुंबई ४०००९३
तारीख : २०/१०/२०२५ स्थान : अंधेरी पूर्व

तमिलनाडु के नीलगिरि रेल रूट पर लैंडस्लाइड, कई ट्रेनें रद्द

- अगले 7 दिनों तक दक्षिण भारत में तेज बारिश की चेतावनी
- उत्तर पूर्वी मानसून हुआ एक्टिव

चेन्नई। तमिलनाडु में नीलगिरि माउंटेन रेलवे (NMR) रूट पर भूस्खलन होने के बाद कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं।

दक्षिणी रेलवे के मुताबिक रूट पर कई स्थानों पर पहाड़ का मलबा पटरी पर आ गया। कल्लार और कुन्नूर के बीच चट्टानें, कीचड़ और गिरे हुए पेड़ों के चलते ट्रैक बाधित हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 20 से 22 अक्टूबर तक तमिलनाडु के पूरे तटीय क्षेत्र में बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है। लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में भी 21 अक्टूबर को कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना जताई है। इससे अगले 7 दिनों में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, केरल, लक्षद्वीप के तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने कहा कि नीलगिरी, कोयंबटूर, तिरुप्पुर, इरोड, डिंडीगुल, थेनी, मदुरै, विरुधुनगर, रामनाथपुरम, शिवगंगा, पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, तिरुवरुर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, कुड्डालोर, विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों और पुडुचेरी तथा कराईकल क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

The Brihanmumbai Electric Supply & Transport Undertaking
(OF THE BRIHANMUMBAI MAHANAGARPALIKA)
BEST Bhavan, BEST Marg, Post Box No. 192, Mumbai – 400 001.

TENDER NOTICE

On behalf of The General Manager, BEST Undertaking, online tenders for Civil works are invited in two bid system (i.e. Technical Bid and Financial Bid) from the qualified Contractors having requisite experience / having registration in respective class & category with other Govt. and Semi – Govt. organisations.
Tender publishing date : **20.10.2025**
For further details please visit our web site
https://www.bestundertaking.com or https:// mahatenders.gov.in

PRO/CEC/69/2025 **GENERAL MANAGER**

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

जल अभियंता का विभाग
क्र. ई.ई. (एम)/4721/एमडब्ल्यू, दिनांक 17.10.2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त द्वारा पात्र बोलीकर्ताओं से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं. बोली आरंभिक तिथि एवं समय तथा बोली समाप्ति तिथि एवं समय महाटेंडर्स पोर्टल पर तथा बीएमसी वेबसाइट पर निविदा अनुभाग अंतर्गत विस्तृत निविदा सूचना में निर्दिष्ट है.

अ.क्र.	बोली क्र.	कार्य का नाम
1	**2025_एमसीजीएम_1230781** जारी करने की तिथि 20.10.2025	पी और आर वाड्र्स के जलापूर्ति नेटवर्क हेतु 450एमएम x 10 बार और 600 एमएम x 10 बार रेटेड बटरफ्लाई वॉल्व्स की आपूर्ति.

हस्ता./-
ई.ई. (मेंट.) एम. डब्ल्यू.

पीआरओ/1967/विज्ञा./2025-26

बुखार ? तत्काल कदम उठाईये, सही और सम्पूर्ण उपचार के लिये अपने डॉक्टर से संपर्क करिये

महाराष्ट्र शासन
उपविभागिय कृषि अधिकारी, कार्यालय तालुका कळवण जि. नाशिक
दुरध्वनी क्रमांक: 02592-250055 ईमेल - sdaokwn@gmail.com

निवीदा सुचना क्रं.-10 सन-205-26

खालील कामांच्या सिलबंद निवीदा उपविभागीय कृषि अधिकारी, कळवण जि. नाशिक हे महाराष्ट्र शासनाच्या योग्य त्या वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटव्दार कडून मागवित आहेत. को-या निवीदेचा नमुना उपविभागीय कृषि अधिकारी, कळवण यांचे कार्यालयात दिंनाक-20/10/2025 **ते 31/10/2025** पर्यंत कार्यालयीन वेळेत उपलब्ध ह होतील. उपविभागीय कृषि अधिकारी, कळवण हे भरुन पाठविलेल्या निवीदा दिनांक 31/10/2025 पुर्वी व त्या दिवशी दुपारी 3.00 वाजे पर्यंत स्विकारतील. शक्यतो त्याच दिवशी किंवा कार्यालयीन प्रमुखांच्या नियोजनानुसार उघडतील.

अ. क्र.	तालुका	गांव	कामाचा प्रकार	गट क्र.	कामाची संख्या	अंदाज पत्रकिय रक्कम (Schedule-B)	निविदा किंमत रुपये (GST सह)	बयाणा किंमत रुपये (1%)	कंत्राटदाराचा वर्ग	काम पुर्ण करण्याचा कालावधी (दिवस)
1	सुरगाणा	माळेगाव	मजगी	11	2	283196	590	8370	1 ते 9	30
		खिर्डी	मजगी	5		553740				
2		**एकुण**				**836936**		**8370**		

टिप-

1. कोरे निवीदा फॉर्म मागणी अर्जासोबत नोंदणी प्रमाणपत्राची मुळ प्रत दाखविल्याशिवाय कोरे निवीदा फॉर्म मिळणार नाहीत.
2. कोरे निवीदा फॉर्म प्रत्येक कामासाठी वेगवेगळे भरावेत तसेच प्रत्येक निवीदा फॉर्मसाठी रु.590/-चा उपविभागीय कृषि अधिकारी कळवण यांचे नावे भारतीय स्टेट बँक कळवण शाखेत देय होणारा धनादेश आवश्यक आहे.
3. प्रत्येक कामासाठी 1% बयाणा रकमेचा उपविभागीय कृषि अधिकारी कळवण यांचे नावे भारतीय स्टेट बँक कळवण शाखेत देय होणारा धनादेश काढण्यात यावा.
4. प्रत्येक कामाच्या तांत्रिक व आर्थिक लिफाफा वेगवेगळा असावा. तसेच लिफाफयावर गावाचे नाव, कामाचा प्रकार, गट क्रंमाक यांचा उल्लेख केलेला असावा.
5. सार्वजनिक बांधकाम विभाग यांचे कडील. शासन निर्णय क्रमांकः निविदा 0417/(प्र. क्र. 247/17) / मोप्र-1 मंत्रालय मुबई 400032. दि.30 नोहेंबर 2018 अन्वये निवेदेचा न्युनमत देकार अंदाजपत्रकीय किमतीपेक्षा 10 टक्याहुन अधिक कमी दराचा असल्यास विहित कालावधित काम पुर्ण होण्याची शाश्वती निश्चित होण्याच्या दृष्टीने खालील प्रमाणे अतिरीक्त कामगिरी सुरक्षा ठेव रकमेचा धनाकर्ष (DD) / बँक प्रतीभूती हमी (FDR/B.G.) लिफाफा क्र 1 व लिफाफा क्र 2 उघडल्यानंतर प्रथम न्युनतम देकार सादर करणा या L1 निविदाकाराने आठ दिवसाच्या आत या कार्यालयास जमा करावा. ही आठ दिवसाची मुदत कोणत्याही कारणासाठी शिथिलक्ष्म असणार नाही. यासाठीचा धनाकर्ष (DD) / बँक प्रतीभूती हमी (FDR/B.G.) उपविभागीय कृषि अधिकारी कळवण यांचे नावे असावा.
6. प्राप्त निम्नतम निविदेचा देकार निविदाधीन कामाच्या किमतीपेक्षा 10% पर्यंत कमी दराचा असेल तर निविदाधीन कामाच्या 1% परंतु कमीत कमी 1000/- (उदा. 1 ते 10% कमी दर -1%).
परंतु कमीत कमी रुपये 1000/- [उदा. 19% कमी दराने असल्यास (6%+(19%-15%) x2%) = 14%
9. नोंदणीकृत मजुर सहकारी संस्था, सुशिक्षित बेरोजगार व कंत्राटदार यांना G.S.T. बंधनकारक असुन या बाबतीत कृषि विभाग व महाराष्ट्र शासन यांचे कडुन प्राप्त होणा या मार्गदर्शक सुचनेप्रमाणे योग्य ती कार्यवाही करण्यात येईल याची नोंद घ्यावी.
10. सहाय्यक मुख्य अभियंता, लघुसिंचन (जलसंधारण) पुणे यांचे परिपत्रक जाक्र./प्रशा 3/20 दि.01.01.2018 अन्वये, Schedule-B मध्ये स्वामित्व धन, GST, शासकिय विमा निधी इ. स्वतंत्ररित्या दर्शविण्यात आली आहे. कंत्राटदाराने B-1 निविदेमध्ये नमुद केलेले जादा किंवा कमी निविदा दर, Royalty, GSTव शासकिय विमा निधी या किमतीवर लागु राहणार नाहीत.
11. कृषि आयुक्तालय महाराष्ट्र राज्य पुणे मृद व जलसंधारण यांचे ई-निविदा परीपत्रक एकत्रित सविस्तर मार्गदर्शक जाक्र/म.दस/म.दसा/ई-निविदा/मा.सु./12601/2024 दि 06 एप्रिल 2023 मधील अटी व शर्ती लागु सुचना राहतील. व मार्गदर्शक सुचनेतील मुद्दा क्रमांक 3 नुसार ठेकेदारांची नोंदणी आवश्यक राहील.
12. कोणतीही निवीदा किंवा सर्व निवीदा कोणतेही कारण न देता नाकारण्याचा अधिकार उपविभागीय कृषि अधिकारी कळवण यांनी स्वतः कडे राखून ठेवलेला आहे.

जा. क्र. जिमाका-नाशिक 273/2025-26
जिल्हा माहिती कार्यालय, वकीलवाडी, नाशिक.
दिनांक :- 17/10/2025

सही/-
(श्री. अशोक श्रीधर डमाळे)
उपविभागिय कृषि अधिकारी
कळवण जि. नाशिक

नरक चतुर्दशी की पूजा विधि, मुहूर्त क्या रहेगा

नरक चतुर्दशी - 20 अक्टूबर 2025, सोमवार को है। इस दिन अभ्यंग स्नान का सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। अभ्यंग स्नान मुहूर्त - 05:13 AM से 06:25 AM है। मान्यताओं के अनुसार इस दिन अभ्यंग स्नान करने वाले लोग नरक जाने से बच जाते हैं। स्नान के समय उबटन के लिये तिल के तेल का उपयोग किया जाता है। नरक चतुर्दशी की शाम में दीये जलाए जाते हैं और यमराज से अकाल मृत्यु की मुक्ति की प्रार्थना की जाती है। जानिए पूजा विधि क्या है।

नरक चतुर्दशी पूजा विधि :
नरक चतुर्दशी के दिन सुबह सूर्य उदय से पहले उठकर स्नान करने का विशेष महत्व मान जाता है। कहते हैं इस दौरान तिल के तेल से शरीर की मालिश करनी चाहिए और उसके बाद चिरचिरा (औधषीय पौधा) को सिर के ऊपर से चारों ओर 3 बार घुमाना चाहिए। इस दिन अहोई अष्टमी के दिन लोटे में रखे गए पानी को अपने नहाने के पानी में मिलाकर स्नान करने की विशेष परंपरा निभाई जाती है। कहते हैं ऐसा करने से नरक में जाने के भय से मुक्ति मिल जाती है। इस दिन स्नान के बाद दक्षिण दिशा की ओर हाथ जोड़कर यमराज से प्रार्थना करें।
फिर शाम में यमराज के निमित्त तेल का दीया घर के मुख्य द्वार से बाहर की ओर जलाएं। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा भी करनी चाहिए। कहते हैं ऐसा करने से सौंदर्य की प्राप्ति होती है।

नरक चतुर्दशी पर किसकी पूजा करनी चाहिए:
नरक चतुर्दशी के दिन यमराज और भगवान कृष्ण की पूजा की जाती है। कहते हैं इससे व्यक्ति के जीवन से अकाल मृत्यु का भय दूर हो जाता है। साथ ही इस दिन यमराज के समक्ष दीपदान भी करना चाहिए।

नरक चतुर्दशी कैसे मनाएं?
नरक चतुर्दशी के दिन शाम में देवी-देवताओं की पूजा करने के बाद घर के मुख्य द्वार के दोनों तरफ तेल का दिया जलाना चाहिए। साथ ही इस दिन रूप और सौन्दर्य के लिए भगवान कृष्ण की पूजा करनी चाहिए। वहीं सुबह अभ्यंग स्नान करना चाहिए।

नरक चतुर्दशी कथा:
नरकासुर नामक एक राक्षस ने अपनी शक्तियों से सभी को परेशान कर दिया था। उसका अत्याचार इतना बढ़ने लगा कि उसने देवता और संतों की 16 हजार स्त्रियों को बंधक बना लिया। जिससे परेशान होकर देवता और साधु-संत भगवान श्री कृष्ण की शरण में गए। तब भगवान श्री कृष्ण ने नरकासुर के आतंक से मुक्ति दिलाने का सभी देवी-देवताओं को आश्वासन दिया। नरकासुर को एक स्त्री के हाथों से ही मरने का श्राप था इसलिए भगवान श्री कृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा की मदद से कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरकासुर का वध किया और उसकी कैद से सभी स्त्रियों को आजाद कराया। नरकासुर के वध के बाद लोगों ने कार्तिक मास की अमावस्या को अपने घरों में दीये जलाएं। कहते हैं तभी से इस दिन नरक चतुर्दशी और दिवाली का पर्व मनाया जाने लगा।

मेंटल और फिजिकल हेल्थ को बेहतर बनाने के उपाय

आज की भागदौड़ के लाइफस्टाइल में हर कोई अपने काम को लेकर बिजी है। परिवार की जिम्मेदारी, काम का दाब और कई बातें आजकल लोग अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन किसी बात को लेकर ज्यादा स्ट्रेस लेना, गलत खान-पान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए अपनी सेहत का ख्याल रखना बहुत जरूरी है।इसके लिए आपको सिर्फ अपने लाइफस्टाइल में कुछ छोटे-छोटे बदलाव करने होंगे।

नियमित व्यायाम करें
फिजिकली एक्टिव रहना आपके शरीर और मेंटल हेल्थ दोनों के लिए ही फायदेमंद होता है। वॉकिंग, योग, दौड़ना या खेल कूद किसी भी प्रकार के शारीरिक व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, खासकर जो लोग अपना ज्यादातर समय एक जगह पर बैठे काम करते हुए बिताते हैं,क्योंकि हेल्दी रहने के लिए फिजिकली एक्टिव रहना बहुत जरूरी है।

डाइट पर ध्यान दें
बच्चों से लेकर बड़े सभी को चटपटा और बाहर खाना काफी पसंद होता है। ज्यादातर बच्चे जंक या पैकेट वाली चीजें बहुत खाते हैं। लेकिन उनकी इस आदत को बचपन से भी सुधारने की कोशिश करनी चाहिए और बाहर का खाना घर में लाने से परहेज करना चाहिए। बल्कि अपनी डाइट में आप हेल्दी फूड्स शामिल करें। एक बैलेंस डाइट लें। जितना हो सके, जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड खाने से परहेज करें।

सही नींद लें
फिजिकली और मेंटली हेल्दी रहने के लिए सही नींद लेना बहुत जरूरी है। इसलिए रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद जरूर लें। इससे स्ट्रेस को कम करने और दिनभर एनर्जी बनाए रखने में मदद मिलती है। ऐसे में सोने से कुछ समय पहले अपने फोने साइड रख दें और कमरे की लाइट कम कर दें। जल्दी सोने की कोशिश करें।

पॉजिटिव सोच अपनाएं
पॉजिटिव सोच आपकी मेंटल हेल्थ को सही रखने के लिए बहुत जरूरी है। इससे हमें जीवन की परेशानियों का सामना धैर्य और साहस के साथ करने में मदद मिलती है। जो भी स्थिति हो, उसे पॉजिटिव तरह से देखने और उसका समाधान करने की कोशिश करें। आप नेगेटिव थिंकिंग कम करने के लिए मेडिटेशन जैसे कई तरीके अपना सकते हैं।

टाइम को मैनेज करें
यदि आपके पास ज्यादा काम हो और समय कम, तो यह तनाव का कारण बन सकता है। ऐसे में टाइम को सही तरह से मैनेज करना बहुत जरूरी है। एक शेड्यूल बनाएं। रात में जल्दी सोएं और सुबह जल्दी उठना। इससे आपको एक्सरसाइज करने के लिए भी समय मिल

अपनाएं ये आदत
मानसिक तनाव से बचने के लिए समय-समय पर विश्राम और खुद के लिए समय निकालें। आपको अपनी इच्छाओं और प्राथमिकताओं को सही तरीके से मैनेज करना चाहिए। अगर तनाव महसूस हो रहा हो,तो गहरी सांसें लें, ध्यान करें या थोड़ी देर के लिए ताजे हवा में चलें। इसके अलावा मेडिटेशन,डायरी लिखना, किताब पड़ना, म्यूजिक सुनना या फिर अपनी पसंद का काम जैसे कि गार्डनिंग, डांसिंग और पेंटिंग जैसी हैबिट्स को भी फॉलो कर सकते हैं। अपनों के साथ समय बिताएं, इससे आपको अच्छा महसूस होगा।

घर में ब्रह्म स्थान कहां होता है और इसका क्या महत्व है ?

वास्तु शास्त्र में ब्रह्म स्थान यानी घर का मध्य भागी या आंगन सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। यह स्थान घर की ऊर्जा का केंद्र होता है, जो पंच तत्वों-आकाश, पृथ्वी, वायु, अग्नि, और जल का संतुलन बनाए रखता है। आइए, इस फोटो गैलरी के माध्यम से ब्रहम स्थान के महत्व और वास्तु टिप्स को समझें।

ब्रह्म स्थान
प्राचीनकाल में ब्रह्म स्थान को खुला और निर्माण-मुक्त रखा जाता था, ताकि सूर्य की किरणें और हवा का प्रवाह बना रहे। आज के आधुनिक दौर में, विशेष रूप से शहरों में, यह संभव नहीं हो पाता, लेकिन वास्तु के कुछ आसान उपायों से ब्रह्म स्थान की शक्ति को जागृत किया जा सकता है।

घर का ऊर्जा केंद्र
ब्रह्म स्थान घर का मध्य भाग होता है, जिसे वास्तु में सूर्य स्थान भी कहते हैं। यह आकाश तत्व का प्रतीक है और पूरे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। प्राचीन घरों में इसे खुला आंगन के रूप में रखा जाता था। वास्तु के अनुसार, ब्रह्म स्थान में कोई पिलर या भारी निर्माण नहीं होना चाहिए। ऐसा होने पर सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह रुकता है, जिससे स्वास्थ्य और समृद्धि पर असर पड़ता है।

ब्रह्म स्थान आकाश तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। यह पंच तत्वों के संतुलन का केंद्र है, जो घर में सुख-शांति और समृद्धि लाता है। इसे सूर्य की ऊर्जा से जोड़ा जाता है।

ब्रह्म स्थान की गणना
घर के नक्शे को 9 आयताकार भागों में बांटें। बीच का आयत ही ब्रह्म स्थान है। यह 81 वास्तु पदों में मध्य के 9 स्थानों को दर्शाता है। आधुनिक फ्लैटों में ब्रह्म स्थान को खुला रखना मुश्किल है। ऐसे में पिरामिड वास्तु का उपयोग करें, जो पंच तत्वों को संतुलित करता है।

खुला आंगन और सूर्य प्रकाश
ब्रह्म स्थान पर खुला जाल या आंगन होना चाहिए, ताकि सूर्य प्रकाश और हवा का प्रवाह बना रहे। यह स्वास्थ्य और सकारात्मकता बढ़ाता है। ब्रह्म स्थान को हमेशा साफ और अव्यवस्थित रखें। अगर आंगन संभव ना हो, तो ईशान, पूर्व या उत्तर दिशा को खुला रखें।

पालक का जूस ही नहीं, पानी भी है बेहद लाभकारी

पोषक तत्वों से भरपूर हरी सब्जियां सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती हैं। हरी पत्तेदार पालक की सब्जी आपके शरीर को विटामिन, मिनिरल और एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करती हैं, इसलिए आपको इसे अपने आहार में शामिल करने के साथ ही इसको जूस के रूप में जरूर लेना चाहिए। पोषक तत्वों से भरपूर पालक की बाजारों में सबसे अधिक मांग होती है। आप ताजा पालक को मिक्सर में डाल कर पानी के साथ पीस कर खा सकते हैं। हालांकि ज्यादातर लोग इसको पकाकर खाने की सलाह देते हैं, लेकिन यदि आप इसका जूस निकाल कर पीएंगे तो सेहत के लिए अच्छा होगा।

स्वास्थ्य के साथ निखारता है रूप

पेट के लिए फायदेमंद है
पालक का पानी पेट के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। पालक के पोषक तत्वों में आहार फाइबर भी शामिल है। ये आपका मेटाबोलिज्म बढ़ाता है और पेट के काम काज को तेज करता है। इससे कब्ज की समस्या नहीं होती है।

आंखों की रोशनी बढ़ाता है पालक का पानी
पालक के पानी में ल्यूटिन और जेक्साथिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं। साथ ही इसमें इसमें विटामिन ए पाया जाता है जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करता है। यदि विटामिन ए की कमी हो जाए तो यह सूखी आंखें और रतौंधी का कारण बन सकता है।

बालों के लिए फायदेमंद पालक का पानी
पालक के पानी का सेवन सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद है। इसमें कई प्रकार के न्यूट्रीएंट्स जैसे आयरन और प्रोटीन होता है जो कि बालों को अंदर से मजबूत और खूबसूरत बनाने में मदद करता है।

स्किन हेल्दी रखता है पालक का पानी
पालक का पानी पीना आंखों और बालों के साथ ही स्किन को भी हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है। पालक का पानी शरीर को डिटॉक्सीफाई करता है। इससे चलते शरीर का ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है और स्किन अंदर से ग्लो करती है।

इम्यूनिटी बढ़ाता है पालक का पानी
पालक में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। इसलिए पालक का पानी इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है। इसमें प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट्स और कई माइक्रोन्यूट्रिएंट्स होने से शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और पुरानी बीमारियों खत्म होती हैं।

कैंसर को रोकता है पालक का पानी
पालक जहां दिल से संबंधित बीमारियों को रोकने में मदद कर सकता है, वहीं यह कैंसर को भी नष्ट करने में मदद कर सकता है। शोध2 बताते हैं कि हरी पत्तेदार सब्जियां खाने से वजन कम हो सकता है। साथ ही फेफड़े, प्रोस्टेट और कोलोरेक्टल कैंसर की संभावना भी खत्म हो सकती है।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है
पालक के पानी में स्वाभाविक रूप से नाइट्रेट्स की मात्रा अधिक होती है। इसलिए यह रक्तचाप को कम करने में मदद करता है और रक्तचाप को बढ़ाता है।

साड़ी पहनते हुए ज्यादातर महिलाएं करती हैं ये गलतियां

साड़ी अधिकतर इंडियन लेडीज का फेवरेट आउटफिट है। डेली वियर हो या कोई खास ऑकेजन, हर मौके के लिए इनके वॉर्डरोब में अलग साड़ी मिल ही जाएगी। साड़ी के साथ सिर्फ एक समस्या है और वो है इसे सही से ड्रेप करना। साड़ी बाकी आउटफिट्स की तरह नहीं है कि यूं ही वियर कर लिया। इसे बांधना एक आर्ट है और प्रैक्टिस करते रहने पर ही आप परफेक्ट साड़ी बांध सकती हैं। आज हम साड़ी बांधते हुए की जानें वाली कुछ ऐसी ही कॉमन गलतियों की बात कर रहे हैं, जो अमूमन लेडीज दोहराती हैं। इससे उनका साड़ी लुक भी खराब होता है और परफेक्ट शेप भी नहीं आ पाती। तो अगली बार जब साड़ी बांधे तो ये गलतियां करने से जरूर बचें।

साड़ी को बहुत ऊपर या नीचे बांधना
साड़ी की परफेक्ट प्लेसमेंट होना बहुत जरूरी है। कई लेडीज ये गलती करती हैं कि साड़ी को या तो बहुत ऊपर बांध लेती हैं, या फिर जरूरत से ज्यादा नीचे। इससे ना सिर्फ साड़ी का लुक खराब हो जाता है बल्कि वो काफी अनकंफर्टेबल भी हो जाती है। इसलिए साड़ी को हमेशा नाभि के ठीक नीचे बांधे। यहां से आपको परफेक्ट साड़ी लुक मिलेगा।

सही पेटीकोट चुनना है बेहद जरूरी
ज्यादातर महिलाएं साड़ी पेटीकोट पर कभी ध्यान देती ही नहीं हैं। जबकि साड़ी की सही शेप और फिटिंग के लिए, सबसे जरूरी पेटीकोट ही होता है। पेटीकोट का सही रंग होना और सही साइज होना बेहद जरूरी है। अगर आपका पेटीकोट छोटा है, तो पैर बाहर आ जाएंगे जो देखने में अच्छा नहीं लगेगा। वहीं ज्यादा लंबा पेटीकोट साड़ी से बाहर निकलने लगेगा। इसके अलावा ध्यान रखें कि आप कॉटन का पेटीकोट हर साड़ी के साथ नहीं पहन सकती हैं। खासतौर से ट्रांसपेरेंट और हल्के फैब्रिक वाली साड़ियों के साथ, कोशिश करें कि एक अच्छा शेपवियर पहनें। इससे लुक काफी सुंदर आएगा।

साड़ी की प्लीट्स होती हैं सबसे जरूरी
साड़ी का ओवरऑल लुक उसकी प्लीट्स पर ही डिपेंड करता है। इसलिए हमेशा सलीके से साड़ी की प्लीट्स बनाएं। कई महिलाएं या तो साड़ी की प्लीट्स बहुत कम बनाती हैं या फिर कई बार बहुत ज्यादा बना देती हैं। दोनों ही केस में साड़ी का लुक खराब हो सकता है। आमतौर पर 6 से 7 प्लीट्स परफेक्ट मानी जाती हैं। प्लीट्स को बराबर और करीने से गूंथे वरना ये आपके पेट को मोटा भी दिखा सकती हैं।

फुटवियर पहनने के बाद ही पहनें साड़ी
साड़ी के साथ अगर हील्स वियर करने वाली हैं, तो हमेशा उन्हें पहनने के बाद ही साड़ी वियर करें। ऐसा इसलिए क्योंकि जब आप साड़ी पहनने के बाद अपनी हील्स पहनती हैं, तो इससे साड़ी ऊंची लगने लगती है और उसका सही शेप नहीं आता। ऐसे में अगर आप पहले ही हील्स वियर कर लेंगी और उसके बाद साड़ी बांधेंगी, तो साड़ी जगह से बंधेगी और लुक एकदम परफेक्ट आएगा।

बच्चों की तरक्की के लिए पेरेंटिंग बेहद जरूरी

आज के समय में पेरेंटिंग पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा काम बन चुका है। बदलते जमाने में तकनीक की तेज रफ्तार और बच्चों के मनोविज्ञान में हो रहे बदलावों के बीच माता-पिता के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे अपने बच्चों को ना सिर्फ पढ़ाई में अव्वल बनाएं, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से भी मजबूत बनाएं। आज की दुनिया में वही बच्चे सफल हो सकते हैं, जिनमें भरपूर आत्मविश्वास हो, निर्णय लेने की क्षमता हो, साथ ही भावनात्मक समझ और तकनीकी कौशल भी हो। आपका बच्चा दुनिया की ताल में ताल मिलाकर चल सके इसके लिए पेरेंटिंग का सही तरीका अपनाना बेहद जरूरी है।

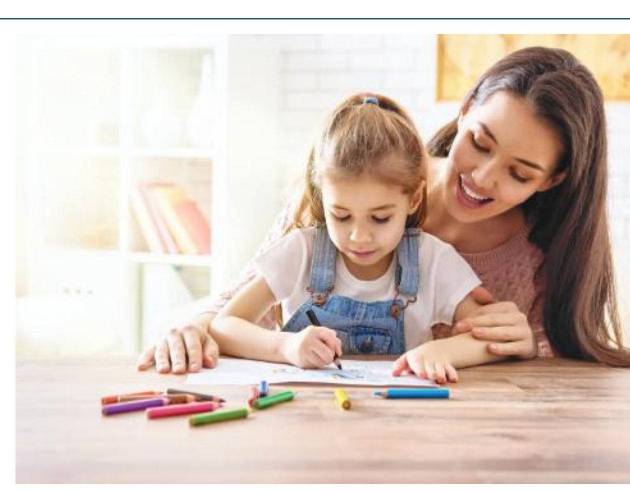

बच्चे से कम्युनिकेशन बनाए रखें
मॉडर्न पेरेंटिंग की सबसे पहली शर्त ही यही है कि पेरेंट्स अपने बच्चे से अपने कम्युनिकेशन को स्ट्रांग बनाएं। अपने और बच्चों के बीच ऐसा बॉन्ड क्रिएट करें कि बच्चा आपसे खुलकर अपनी हर बात कह सके। इसके अलावा अपने डेली रूटीन में थोड़ा समय बच्चों से बातचीत करने के लिए जरूर निकालें। इस दौरान उनके मन की सुनें, उनके स्कूल और दोस्तों से जुड़ी बातें करें। अगर बच्चे को कोई समस्या हो तो उसे समझ कर सुलझाने का प्रयास करें। जब आप बिना टोके बच्चे की बात सुनते हैं, उनकी उलझन को शांति से बैठकर सुलझाते हैं तो इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है। उनके निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

डिजिटल दुनिया को समझदारी से अपनाएं
आज के बच्चे मोबाइल, लैपटॉप और इंटरनेट की दुनिया में जन्म ले रहे हैं। ऐसे में उन्हें इन सब चीजों से पूरी तरह दूर रखना तो पॉसिबल नहीं है लेकिन बच्चे को स्मार्टली इन चीजों का इस्तेमाल करना जरूर सिखाया जा सकता है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को स्क्रीन टाइम का संतुलित उपयोग सिखाएं। साथ ही ऑनलाइन सुरक्षा, सही कंटेंट और डिजिटल एथिक्स के बारे में भी खुलकर बात करें। आप खुद भी मोबाइल, टीवी और लैपटॉप का यूज लिमिट में करें क्योंकि ध्यान रहे बच्चा आपको देखकर ही चीजें सीखता है।

बारिश के बाद ऑस्ट्रेलिया से हारी टीम इंडिया

शुभमन गिल नहीं कर सके विजयी आगाज

नई दिल्ली। देश में दिवाली की तैयारियां चल रही हैं। फैंस को उम्मीद थी कि टीम इंडिया पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया को हराकर देशवासियों को जीत का तोहफा देगी, लेकिन अफसोस ऐसा नहीं हो सका। पर्थ में खेले गए पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7 विकेट से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान मिचेल मार्श ने नाबाद 46 रनों की मैच विनिंग पारी खेली। नियमित अंतराल पर बारिश होने की वजह से यह मैच 26-26 ओवर का खेला गया था। इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया की यह पहली जीत है।

बारिश से बाधित पहले वनडे में टीम इंडिया ने 26 ओवर में 9 विकेट पर 136 रन बनाए थे, लेकिन DLS टारगेट ऑस्ट्रेलिया को 131 रनों का मिला था, जिसे कंगारुओं ने 3 विकेट खोकर 21.1 ओवर में हासिल कर लिया। 223 दिनों के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली टीम इंडिया के लिए खेलने उतरे, लेकिन इन दिग्गजों के कमबैक मैच में टीम इंडिया जीत नहीं दर्ज कर सकी। दोनों का बल्ला भी खामोश रहा।

बता दें कि इस साल वनडे क्रिकेट में भारत की यह पहली हार है। इसके साथ ही भारत की जीत का सिलसिला भी टूट गया। लगातार 8 जीत के बाद टीम इंडिया कोई वनडे मैच हारी है। बल्लेबाजों के फ्लॉप होने के बाद भारतीय गेंदबाज भी इस मैच में कमाल नहीं कर सके। जैसी गेंदबाजी कंगारुओं ने की, वैसी बॉलिंग भारतीय गेंदबाज नहीं कर सके।

131 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। ट्रेविस हेड पांच गेंद में दो चौके जड़ने के बाद अर्शदीप सिंह की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद मैथ्यू शॉर्ट भी सस्ते में पवेलियन लौटे। शॉर्ट ने सिर्फ आठ रन बनाए। हालांकि, दूसरे छोर पर कप्तान मिचेल मार्श तेजी से रन बनाते रहे।

मिचेल मार्श ने 52 गेंद में नाबाद 46 रनों की मैच विनिंग पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 2 चौके और 3 छक्के निकले। जोश फिलिप ने भी 29 गेंद में 37 रनों की पारी खेली। उन्होंने 3 चौके और 2 छक्के लगाए। अंत में डेब्यूटेंट मैट रेनशॉ 124 गेंद में एक छक्के और एक चौके की मदद से 21 रनों पर नाबाद रहे।

भारत के सभी स्टार रहे फ्लॉप, फीका रहा विराट-रोहित का कमबैक

तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। नई गेंद से कंगारुओं ने कहर बरपाया। रोहित शर्मा 14 गेंद में एक चौके के साथ 08 रन बनाकर आउट हुए। नए वनडे कप्तान अपने पहले मैच में 18 गेंद में 10 रन ही बना सके। वहीं विराट कोहली खाता भी नहीं खोल पाए। उपकप्तान श्रेयस अय्यर का बल्ला भी नहीं चला। अय्यर 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जोश हेजलवुड ने रोहित और अय्यर को आउट किया। वहीं मिचेल स्टार्क ने कोहली को पवेलियन भेजा। भारत ने 13.2 ओवर में सिर्फ 45 रनों पर 4 बड़े विकेट गंवा दिए थे। फिर केएल राहुल और अक्षर पटेल ने टीम इंडिया की लाज बचाई। अक्षर ने 38 गेंद में तीन चौकों की मदद से 31 रन बनाए। वहीं केएल राहुल ने सिर्फ 31 गेंद में 38 रनों की विस्फोटक पारी खेली। राहुल के बल्ले से दो चौके और दो छक्के निकले। वाशिंगटन सुंदर ने सात नंबर पर खेलते हुए 10 गेंद में एक चौके की मदद से 10 रन बनाए। अंत में नितीश रेड्डी ने 11 गेंद में दो छक्कों की मदद से नाबाद 19 रनों की पारी खेली और टीम का स्कोर 130 के पार पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया के लिए मैथ्यू कून्हेमन, मिचेल ओवेन और जोश हेजलवुड ने 2-2 विकेट झटके। वहीं मिचेल स्टार्क और नाथन एलिस ने एक-एक विकेट चटकाया। ऑस्ट्रेलिया के लिए कुल छह खिलाड़ियों ने गेंदबाजी की।

भारतीय रोइंग टीम ने एशियाई रोइंग चैंपियनशिप में जीते 10 पदक

हाई फोंग। भारतीय रोइंग टीम ने एशियाई रोइंग चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला और पुरुष वर्ग में तीन स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य सहित कुल 10 पदक जीते। भारतीय रोइंग दल ने 16 से 19 अक्टूबर तक वियतनाम के हाई फोंग में आयोजित एशियाई रोइंग चैंपियनशिप में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। 15 स्पर्धाओं में तिरंगे का प्रतिनिधित्व करने वाले 37 एथलीटों (25 पुरुष और 12 महिलाएं) के साथ, भारत ने 10 स्पर्धाओं में पदक जीते। पुरुषों की क्वाड्रपल स्कल (एम 4एक्स) में कुलविंदर सिंह, नवदीप सिंह, सतनाम सिंह, जाकर खान की टीम ने स्वर्ण पदक जीता। हीट्स 16 और 17 अक्टूबर को हुए, उसके बाद 18 और 19 अक्टूबर को फाइनल हुए, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय टीम का अभियान बेहद सफल रहा। लाइटवेट पुरुष डबल स्कल (एलएम 2 एक्स) में लक्ष्य, अजय त्यागी की टीम स्वर्ण पदक जीता।

वहीं बलराज पंवार ने पुरुषों की एकल स्कल (एम 1 एक्स) स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता है। यह उपलब्धि हाल के इतिहास में एशियाई रोइंग चैंपियनशिप में भारत के सबसे मजबूत प्रदर्शनों में से एक है, जिसने भारत एशियाई रोइंग में एक उभरती हुई ताकत के रूप में उभरा है। पुरुषों की आठ (एम8 प्लस) स्पर्धा में नितिन देओल, परविंदर सिंह, लखवीर सिंह, रवि, गुरप्रताप सिंह, भीम सिंह, जसविंदर सिंह, कुलबीर, किरण सिंह मैयोम ने रजत पदक जीता। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण आकर्षण लाइटवेट महिला जोड़ी (एलडब्ल्यू2) स्पर्धा रही। जहां गुरबानी कौर और दिलजोत कौर ने रजत पदक जीतकर एशियाई चैंपियनशिप में भारतीय महिलाओं के 15 साल के सूखे को समाप्त किया। भारतीय नौकायन महासंघ की ओर से जारी बयान में अध्यक्ष बालाजी मरदापा ने दल के प्रति हार्दिक गर्व और प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा, 'यह उपलब्धि केवल पदकों का संग्रह नहीं है। यह हमारे एथलीटों के वर्षों के धैर्य, त्याग और अटूट भावना का प्रतिबिंब है। पानी पर हर स्ट्रोक अरबों दिलों की आशा से प्रेरित था।

बंगलादेश ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए नासुम को टीम में किया शामिल

बांग्लादेश टीम :

मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तनजीद हसन तमीम, सौम्य सरकार, मोहम्मद सैफ हसन, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद हृदोय, महिदुल इस्लाम अंकोन, जेकर अली अनिक, शमीम हुसैन, काजी नुरुल हसन सोहन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तनजीम हसन साकिब, हसन महमूद, नसुम अहमद।

ढाका। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही एकदिवसीय सीरीज के लिए बांए हाथ के स्पिनर नासुम अहमद को टीम में शामिल किया गया है। 30 वर्षीय नासुम ने 18 एकदिवसीय मैचों में 4.48 की इकॉनमी से 16 विकेट लिए हैं। उन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2024 में एकदिवसीय मैच में खेला था।

सीरीज के पहले मैच में शनिवार को मीरपुर में शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में धीमी पिच पर दोनों टीमों के स्पिनरों ने प्रभावी भूमिका निभाई और इसी को देखते हुए नासुम को टीम में शामिल किया गया। वेस्टइंडीज के बाए हाथ के स्पिनर खैरी पियरे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवरों में 19 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि ऑफ स्पिनर रोस्टन चेज ने मेहमान टीम के लिए दो विकेट लिए। बंगलादेश ने रिशाद हुसैन और तनवीर इस्लाम की शानदार गेंदबाजी के दम पर यह मैच जीत लिया था। इन दोनों गेंदबाजों ने मैच में आठ विकेट लिये थे। दूसरा और तीसरा वनडे मैच 21 और 23 अक्टूबर को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

विवाह के बंधन में बंधेगी स्मृति मंधाना

म्यूजिक डायरेक्टर पलाश मुच्छल ने क्रिकेटर संग शादी की पुष्टि की

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना और संगीत निर्देशक पलाश मुच्छल के रिश्ते को लेकर लंबे समय से मीडिया और फैंस में चर्चा चल रही थी। अब यह अफवाहें सच साबित हुई हैं। हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में पलाश ने स्पष्ट किया कि मंधाना जल्द ही इंदौर की बहू बनेंगी। मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा, "वह जल्द ही इंदौर की बहू बनेंगी... बस इतना ही कहना चाहता हूं।" यह पहली बार है जब दोनों पक्षों ने सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते की पुष्टि की है। इससे पहले सोशल मीडिया पर दोनों की साथ में तस्वीरें और वीडियो देखे जाते रहे थे, जिससे अटकलों को और बल मिला था।

स्मृति और पलाश अक्सर सोशल मीडिया पर साथ में दिखाई देते रहे हैं। उनके फैंस हमेशा इस जोड़ी की झलक पाने के लिए उत्सुक रहते थे। हालांकि, अब पहली बार दोनों ने सीधे तौर पर अपने रिश्ते को स्वीकार किया है, जिससे मीडिया और फैंस दोनों को आधिकारिक पुष्टि मिल गई। 30 वर्षीय संगीत निर्देशक ने इस घोषणा के दौरान मजाकिया अंदाज में कहा, "मैंने आपको शीर्षक दे दिया है।"इस बीच भारतीय महिला क्रिकेट टीम इंदौर के होल्कर स्टेडियम में आईसीसी महिला विश्व कप के अहम मुकाबले की तैयारी में जुटी है। टीम का सामना इंग्लैंड से होना है और सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए जीत आवश्यक है। स्मृति मंधाना, जो टीम की उप-कप्तान और प्रमुख सलामी बल्लेबाज़ हैं, इस समय टीम के लिए फोकस्ड ट्रेनिंग कर रही हैं। पलाश ने अपनी शुभकामनाएं भी टीम को दी और विशेष रूप से स्मृति और कप्तान हरमनप्रीत कौर को हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा, "हम हमेशा यही चाहते हैं कि भारतीय क्रिकेट टीम हर मैच जीते और देश का नाम रोशन करे।"

पलाश मुच्छल फिलहाल अपनी नई निर्देशित फिल्म 'राजू बाजेवाला' पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में अविका गौर और चंदन रॉय मुख्य भूमिका में हैं। पलाश और उनकी बहन पलक मुच्छल बॉलीवुड में कई फिल्मों के लिए संगीत देने के लिए जाने जाते हैं। इंदौर में उनकी लोकप्रियता के कारण, इस शादी की पुष्टि ने स्थानीय निवासियों और मीडिया में भी उत्सुकता बढ़ा दी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पलाश ने वही दोहराया, "वह जल्द ही इंदौर की बहू बनेंगी... बस इतना ही कहना चाहता हूं।"

रोमांचक मुकाबले में सात्विक-चिराग की सेमीफाइनल में हार

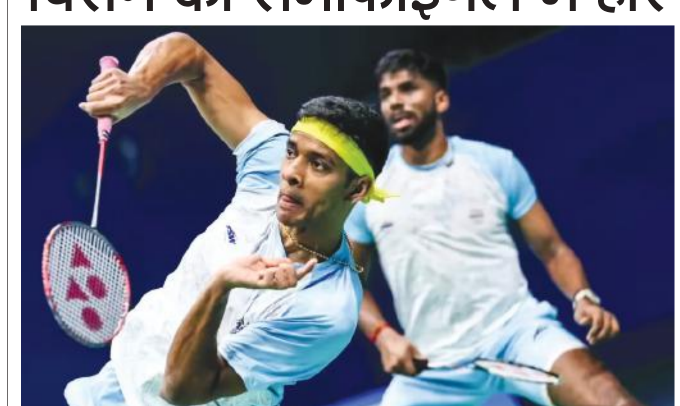

ओडेंस। भारत की स्टार बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को डेनमार्क ओपन 2025 के पुरुष युगल सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में भारतीय जोड़ी को जापान की ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी की जोड़ी ने 23-21, 18-21, 21-16 से मात दी। 68 मिनट तक चले इस कड़े मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन निर्णायक गेम में जापानी जोड़ी ने दबदबा बनाते हुए फाइनल में प्रवेश किया। ताकुरो और कोबायाशी, जो 2021 के विश्व चैंपियन और 2019 के रजत पदक विजेता हैं, ने पहले गेम में 11-6 की बढ़त बनाई थी। हालांकि सात्विक-चिराग ने वापसी करते हुए स्कोर 20-20 से बराबर किया, लेकिन जापानियों ने पहला गेम जीत लिया।

धोनी की राह पर चलो वरना टीम में जगह भूल जाओ

रोहित-विराट को मिली चेतावनी!

पर्थ। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मुकाबले को लेकर प्रशंसकों के उत्साहित होने की सिर्फ एक ही वजह थी और वह थी रोहित शर्मा और विराट कोहली की आठ महीनों के लंबे अंतराल के बाद वापसी। इन दोनों ने आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत के लिए खेला था और अब टेस्ट और टी20 मैच न खेलने के कारण उनकी वापसी में देरी हुई। हालांकि, यह मैच प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका साबित हुआ क्योंकि रोहित शर्मा (8) और विराट कोहली (0) सस्ते में आउट हो गए और टीम को मुश्किल स्थिति में डाल दिया। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इन दोनों को भविष्य में वनडे टीम में चयन के लिए विजय हज़ारे ट्रॉफी खेलने का आग्रह किया, क्योंकि यह जोड़ी काफी समय से लय में नहीं थी, और यह बात सीरीज के पहले वनडे में साबित भी हुई। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वरुण आरोन ने रोहित और कोहली से एमएस धोनी से सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैच के लिए फिट रहने के लिए, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को और क्रिकेट खेलने की ज़रूरत है, और उन्हें एमएस धोनी से सीखना चाहिए, जिन्होंने टेस्ट से संन्यास लेने के बावजूद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलना जारी रखा। आरोन ने कहा, "घरेलू क्रिकेट खेलो। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी नवंबर में शुरू होती है और फिर विजय हज़ारे ट्रॉफी दिसंबर में। खेल से जुड़े रहने का यही सबसे अच्छा तरीका है। मुझे याद है जब एमएस धोनी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था, तब उन्होंने सैयद मुश्ताक अली और विजय हजारे ट्रॉफी में कुछ मैच खेले थे। जुड़े रहने का यह एक बेहतरीन तरीका है। मुझे यकीन है कि दोनों बल्लेबाज़ इस पर ध्यान देंगे। अब, आप दो फ़ॉर्मेट नहीं खेल रहे हैं। उन्हें मैच अभ्यास की जरूरत होगी।"

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने टीम मैनेजमेंट पर उठाए सवाल

पर्थ। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे पहले ODI में भारत को टॉप ऑर्डर में झटका लगा। लंबे समय बाद वापसी करने वाले रोहित शर्मा और विराट कोहली जल्दी ही आउट हो गए। कप्तानी डेब्यू कर रहे शुभमन गिल भी पारी में ज्यादा देर टिक नहीं पाए। इस दौरान अक्षर पटेल को नंबर 5 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, जबकि अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल अभी भी नंबर 6 पर थे। इस निर्णय पर पूर्व भारतीय पेसर डोड्डा गणेश ने नाराजगी जताई और इसे 'क्रिमिनल' करार दिया।गणेश ने X (पूर्व ट्विटर) पर लिखाः 'भगवान के लिए, कृपया केएल राहुल को 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए कहें। उसे नंबर 6 पर असुविधाजनक स्थिति है।' उन्होंने आगे कहाः 'केएल राहुल जैसी गुणवत्ता वाले बल्लेबाज को नंबर 6 पर भेजना टीम के लिए अपराध है।

500 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पांचवें भारतीय बने रोहित

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले जा रहे पहले वनडे मैच में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। रोहित इस सीरीज में पूर्णकालिक बल्लेबाज के तौर पर खेल रहे हैं और उनकी जगह शुभमन गिल कप्तानी संभाल रहे हैं। रोहित लंबे समय बाद भारतीय जर्सी में नजर आए और मैदान पर उतरते ही एक विशेष सूची में शामिल हो गए।

इस मैच से रोहित शर्मा और विराट कोहली की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी हुई है। ये दोनों खिलाड़ी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद से पहली बार भारत के लिए खेलने उतरे हैं। यानी 224 दिनों बाद रोहित और कोहली भारतीय जर्सी में नजर आ रहे हैं। रोहित की यह वापसी हालांकि, यादगार नहीं रही और वह बड़ी पारी नहीं खेल सके।

रोहित 224 दिन बाद भारत के लिए खेलने उतरे, लेकिन सिर्फ 16 मिनट ही क्रीज पर टिक सके। रोहित जोश हेजलवुड की गेंद पर स्लिप में कैच थमा बैठे। वह 14 गेंदों पर एक चौके की मदद से आठ रन बनाकर आउट हुए।

सचिन-कोहली की सूची में शामिल रोहित

रोहित भले ही बड़ी पारी नहीं खेल सके, लेकिन उन्होंने इस मैच में प्लेइंग-11 में शामिल होते ही उपलब्धि हासिल कर ली। दरअसल, रोहित का यह 500वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला है और वह इतने मैच खेलने वाले भारत के पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं। रोहित से पहले सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, महेंद्र सिंह धोनी और राहुल द्रविड़ ने ही 500 या इससे अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं।

ICC ने की अफगानिस्तान पर हमले की आलोचना तो भड़क गया पाकिस्तान

आतंकवाद का रोया रोना और पक्षपात का लगाया आरोप

नई दिल्ली। पाकिस्तान के फेडरल मिनिस्टर अता तरार ने आईसीसी पर अपना गुस्सा जाहिर किया है और पक्षपात करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने ऐसा आईसीसी द्वारा अफगानिस्तान पर हुए हमले में मारे गए तीन युवा क्रिकेटरों के बाद क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था के रिएक्शन को लेकर कहा है।

दो दिन पहले पाकिस्तान द्वारा की गई एयर स्ट्राइक में अफगानिस्तान के तीन युवा क्रिकेटर मारे गए थे और उनकी मौत पर आईसीसी ने शोक व्यक्त किया था। बीसीसीआई ने भी इस हमले की निंदा की थी और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अगले महीने श्रीलंका और पाकिस्तान के साथ खेली जाने वाली ट्राई सीरीज में से नाम वापस ले लिया था।

पाकिस्तान को आईसीसी और बीसीसीआई का अफगानिस्तानी क्रिकेटरों की मौत के संबंध में बोलना पसंद नहीं आया और उसने खुद विक्टिम कार्ड खेल कहा कि वह खुद सालों से आतंकवाद का शिकार है। तरार ने रविवार को एक बयान में कहा, हम आईसीसी द्वारा दिए गए बयान की खारिज करते हैं जो ये बताता है कि अफगानिस्तान के क्रिकेटर पाकिस्तान द्वारा की गई एयर स्ट्राइक में मारे गए। आईसीसी अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा किए गए दावे को वैरिफाई किए बिना आरोप लगा रहा है और दावा कर रहा है कि हमला पाकिस्तान ने किया। अता ने कहा कि उनका देश खुद सालों से आतंकवाद से पीड़ित है। उन्होंने कहा, ये हैरान करने वाला है कि आईसीसी द्वारा जारी किए गए बयान के बाद आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने भी वही बातें कहीं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी उन्हीं शब्दों का अनुसरण किया। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बिना किसी सबूत के बयान दिया है।

भारत के नाम जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड

2023 के बाद से भारत का सबसे कम पावरप्ले स्कोर

27/3 बनाम ऑस्ट्रेलिया, चेन्नई 2023
27/3 बनाम ऑस्ट्रेलिया, पर्थ 2025 *
35/2 बनाम इंग्लैंड, लखनऊ 2023
37/3 बनाम न्यूज़ीलैंड, दुबई 2025
39/3 बनाम ऑस्ट्रेलिया, वानखेड़े 2023

2023 के बाद पावरप्ले में बनाए सबसे कम रन

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पहले वनडे के दौरान भारतीय टीम मुश्किल में नजर आई। विराट कोहली (0) और रोहित शर्मा (8) की वनडे में कई महीनों बाद वापसी फ्लॉप रही जबकि अन्य ओपनर बल्लेबाज शुभमन गिल भी मात्र 10 रन ही बना सके। इससे भारत ने वर्षा प्रभावित मैच में पावरप्ले के दौरान 27/3 का स्कोर बनाया जो 2023 के बाद भारत के पावरप्ले में सबसे कम स्कोर में से एक है। भारत ने इससे पहले 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 में चेन्नई में पावरप्ले के दौरान 27/3 का स्कोर बनाया था। इसके अलावा 2023 में ही इंग्लैंड के खिलाफ लखनऊ में 35/2 का स्कोर, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वानखेड़े में 2023 में 39/3 का स्कोर और न्यूजीलैंड के खिलाफ दुबई में 2025 में पावरप्ले के दौरान 37/3 का स्कोर बनाया था।

मैच की बात करें तो भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बारिश शुरू होने से पहले 11.5 ओवर में 37/3 का स्कोर बनाया।

लियोनेल मेस्सी की मेजर सॉकर लीग में दूसरी हैट्रिक

नैशविले (अमेरिका)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने मेजर सॉकर लीग (MLS) में अपने करियर की दूसरी हैट्रिक बनाई, जिससे इंटर मियामी ने नैशविले एससी पर 5-2 से जीत हासिल की। मेस्सी MSL के वर्तमान सत्र में अभी तक 29 गोल कर चुके हैं और वह इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। पिछली बार उन्होंने इंटर मियामी की न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन पर 6-2 की जीत में हैट्रिक बनाई थी। इंटर मियामी के डिफेंडर इयान फ्रे ने कहा 'यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वह (मेस्सी) हर मैच में हमारी जीत में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी प्रशंसा करने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं।'

दिवाली पर परिणीति- राघव के घर गूंजी किलकारी

बेटे को दिया जन्म

परिणीति चोपड़ा ने फैंस के साथ मां बनने की खुशी जाहिर की है. एक्ट्रेस ने बेबी ब्वॉय को जन्म दिया है. फैंस के साथ-साथ फिल्मी सितारे उन्हें मां बनने की शुभकामनाएं दे रहे हैं. एक्ट्रेस ने पति और आप नेता राघव चड्ढा के साथ सोशल मीडिया पर खुशखबरी साझा की. कपल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिये मम्मी-पापा बनने के जानकारी दी. उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'हमारा बेबी ब्वॉय आखिरकार यहां हमारे साथ है. हम इस खुशी के आगे अपनी पिछली जिंदगी भूल गए हैं. दिल खुशी से भरे हुए हैं. पहले हम एक-दूसरे के साथ थे. अब हमारे पास सबकुछ है. लोग पोस्ट पर कमेंट करके उन्हें नए सफर की शुभकामनाएं दे रहे हैं. परिणीति चोपड़ा डिलीवरी से पहले पति राघव चड्ढा के होमटाउन दिल्ली पहुंची थीं. उन्हें अस्पताल में एडमिट कराया गया था. राघव चड्ढा भी पत्नी के साथ हैं. राघव और परिणीति के घरवाले भी खुशी के मौके में शामिल हुए. परिणीति ने 25 अगस्त 2025 को अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था. कपल ने सोशल मीडिया पर एक केक की तस्वीर शेयर की थी, जिस पर '1 + 1 = 3' के साथ नन्हे पैरों के निशान बने थे, जो नए मेहमान के स्वागत का संकेत था. एक वीडियो में गर्भवती परिणीति को पार्क में अपने पति राघव चड्ढा का हाथ पकड़कर चलते देखा गया था. दिवाली के मौके पर बेटे के जन्म से जश्न दोगुना हो गया है. कपल ने दो साल पहले शादी की थी.

वीडियो देख यूजर्स ने मानुषी छिल्लर के फैसले पर उठाया सवाल

पूर्व मिस वर्ल्ड ने दिया करारा जवाब

अभिनेत्री मानुषी छिल्लर दिलजीत दोसांझ के साथ नए गाने 'कुफर' को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स इस गाने को पसंद कर रहे हैं, तो वहीं कुछ ऐसे भी लोग हैं जिन्होंने पूर्व मिस वर्ल्ड पर कटाक्ष किया है और सवाल उठाया है कि क्या उनकी मौजूदगी 'छोटे-मोटे डांस अपीयरेंस तक ही सीमित रह गई है।' इस पर मानुषी ने जवाब दिया है।

फैंस ने मानुषी के फैसले पर उठाया सवाल

मानुषी का नया गाना 'कुफर' जब से रिलीज हुआ है तब से मानुषी की पोस्ट पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। कई यूजर्स ने उनके अभिनय की तारीफ की है तो वहीं कई यूजर्स ने मानुषी के फैसले पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा 'मानुषी क्या आपने एमबीबीएस डिग्री पूरी कर ली?' एक और यूजर ने लिखा 'काश वह मिस वर्ल्ड के बाद एमबीबीएस की डिग्री जारी रखती।'

एक यूजर ने लिखा 'एसटीएस से डॉक्टर बनने तक, मिस वर्ल्ड बनने तक, फिर महत्वाकांक्षी फिल्म स्टार बनने तक, अब छोटे-मोटे डांस शो तक सीमित? क्या यही मिस वर्ल्ड है?'

मानुषी ने दिया करारा जवाब

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, मानुषी ने कहा 'मैंने हमेशा उन लोगों की तारीफ की है जो शिक्षा को महत्व देते हैं। लेकिन मैंने यह भी सीखा है कि कला और अभिव्यक्ति के हर रूप का सम्मान करने में ही समझदारी है। दुनिया को विचारकों और रचनाकारों, दोनों की जरूरत है। जब वे दूसरों को ऊपर उठाने के लिए मदद करते हैं तो उनमें से कोई भी 'कम' नहीं होता। हर कदम, कहानी और गीत का अपना उद्देश्य होता है, कोई भी दूसरे से कम नहीं होता।'

1985 में अमिताभ बच्चन ने दी थी ब्लॉकबस्टर, दिवाली पर जमकर हुई थी धनवर्षा

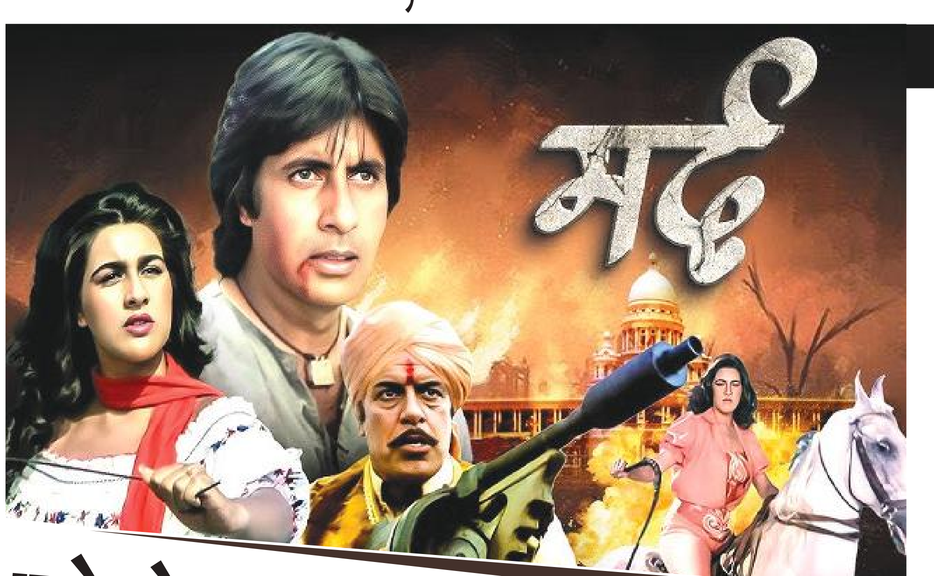

16 साल छोटी हसीना से किया था रोमांस

वैसे तो अमिताभ बच्चन ने करियर में कई सुपरहिट फिल्में दीं. मगर एक मौका था दिवाली का. जब उन्होंने धुआंधार फिल्म से फैंस के लिए दिवाली खास बना दी थी. इस फिल्म में वह 16 साल छोटी हसीना संग रोमांस करते नजर आए थे. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी. जी हां, हम बात कर रहे हैं 'मर्द' फिल्म की. साल 1985 में दिवाली के मौके पर ये फिल्म रिलीज हुई थी. इस फिल्म को मनमोहन देसाई ने डायरेक्ट किया था. अमिताभ बच्चन और देसाई की जोड़ी ने कई हिट फिल्में दी थीं. ठीक ऐसे ही 'मर्द' भी सुपरहिट रही थी.

'मर्द' की कास्ट की बात करें तो अमिताभ भच्चन ने 16 साल छोटी अमृता सिंह संग रोमांस किया था. फिल्म में दारा सिंह, निरुपमा रॉय, प्रेम चोपड़ा, कमल कपूर से लेकर जोगिंदर जैसे स्टार्स भी थे. इस फिल्म के लिए अमिताभ बच्चन फिल्मफेयर अवॉर्ड के बेस्ट एक्टर के लिए नॉमिनेट भी हुए थे. दिवाली के मौके पर रिलीज हुई 'मर्द' साल 1985 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी. ये 80s की 8वीं सबसे ज्यादा तो साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली थी. इतना ही नहीं, 'मर्द' दिवाली रिलीज में भी रिलीज होने वाली हाइएस्ट कमाई करने वाली फिल्मों में से भी एक है. आज के समय में अगर इसका हिसाब किताब भी लगाए तो आज के समय में ये 450 करोड़ी फिल्म थी. 'मर्द' फिल्म का एक रोचक किस्सा भी है. फिल्म की ऑरिजनल स्क्रिप्ट के मुताबिक फिल्म में दो हीरोइनों की जरूरत थी. मगर 1985 में अमिताभ बच्चन के साथ ज्यादातर काम कर चुकीं हीरोइनें काम के लिए मौजूद ही नहीं थीं.

दरअसल सिलसिला के बाद रेखा और अमिताभ बच्चन ने साथ में काम करना छोड़ दिया था. वहां परवीन बॉबी ने देश छोड़ दिया था. ठीक उसी तरह बिग बी के साथ कई फिल्मों में स्क्रीन शेयर कर चुकीं जीनत अमान ने शादी रचा ली थी और काम से ब्रेक पर थीं.

एयरपोर्ट पर फैन ने कर दी ऐसी हरकत, भड़क गए अक्षय कुमार

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार अपने फैंस के साथ दोस्ताना व्यवहार के लिए जाने जाते हैं. मगर कोई खराब व्यहार करे तो तुरंत सबक भी सिखा देते हैं. शुक्रवार को अक्षय कुमार के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर ऐसा ही कुछ हुआ, वह अपनी बेटी नितारा के साथ स्पॉट हुए. तभी फैंस उन्हें देखकर घेर लिया और फिर उनके साथ सेल्फी लेने की होड़ मच गई.

अक्षय कुमार ने खुशी-खुशी फैंस के साथ तस्वीरों के लिए पोज दिया, लेकिन एक फैन थोड़ा ज्यादा करीब आ गया और उनके कंधे पर हाथ रख दिया, जिस पर एक्टर ने सख्ती से रिएक्ट किया. यह घटना कैमरे में कैद हो गई और अब इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

फैन को सख्ती से लगाई डांट

वीडियो में देखा जा सकता है कि अक्षय कुमार अपनी बेटी नितारा के साथ मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे. फैंस उन्हें देखने और तस्वीरें लेने के लिए इकट्ठा हो गए. तभी एक फैन ने सेल्फी लेते समय अक्षय कुमार के कंधे पर हाथ रख दिया, तो यह बात एक्टर को पसंद नहीं आई. अक्षय कुमार ने तुरंत रिएक्ट करते हुए कहा, 'हाथ नीचे, हाथ मत रखो'. यह सुनते ही फैन ने तुरंत अपना हाथ हटा लिया. इसके बाद अक्षय ने अपना संयम बनाए रखा और बिना कुछ और कहे टर्मिनल की ओर बढ़ गए.

'वो मेरा हाथ पकड़कर मुझे...'

90 के दशक की जानी मानी एक्ट्रेस सोनम खान ने हाल ही में अपने फिल्मी करियर की शुरुआती यादों को ताजा किया और बताया कि किस तरह गोविंदा के सपोर्ट ने उन्हें स्टेज परफॉर्मेंस और डांस के डर को दूर करने में मदद की थी. वह गोविंदा के साथ कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. सोनम कपूर ने अपने करियर में हर बड़े स्टार के साथ काम किया है. अपने करियर की शुरुआत में ही उन्होंने ऋषि कपूर और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज स्टार्स के साथ काम किया था. करियर के पीक पर उन्होंने एक्टिंग छोड़ शादी रचाई थी. अब वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं. हाल ही में उन्होंने गोविंदा संग अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है.

गोविंदा को लेकर एक्ट्रेस ने दिया बड़ा बयान

सोनम ने इंस्टाग्राम पर गोविंदा के साथ अपनी पुरानी फोटो शेयर की, जिसमें दोनों कैमरे के सामने पोज देते नजर आ रहे हैं. इस फोटो के साथ उन्होंने एक दिल छू लेने वाला नोट लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि उनके और गोविंदा के बीच हमेशा से एक खास रिश्ता रहा है. सोनम ने लिखा, 'गोविंदा जी अक्सर मुझसे कहा करते थे – 'तू बिल्कुल अपुन के जैसी है.' शायद इसलिए क्योंकि हम दोनों ही बहुत साधारण बैकग्राउंड से आए थे. हमने साथ में कई फिल्में की हैं, और मुझे आज भी याद है कि वह मेरे हाथ पकड़कर डांस सिखाते थे. इससे डांस मास्टर्स थोड़ा चिढ़ जाते थे क्योंकि उन्हें नए कलाकारों के साथ धैर्य नहीं था. सोनम ने बताया कि जब उन्होंने इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब उन्होंने 30 से ज्यादा फिल्में साइन कर ली थीं, लेकिन उन्हें डांस बिल्कुल नहीं आता था. उनके पास रिहर्सल करने का भी समय नहीं होता था क्योंकि शूटिंग का शेड्यूल बहुत व्यस्त था. इसके बावजूद गोविंदा हर सीन से पहले उन्हें खुद स्टेप्स सिखाते थे और हौसला बढ़ाते थे.सोनम ने आगे लिखा, 'गोविंदा सर जितने बड़े स्टार हैं, उतने ही विनम्र और मददगार इंसान भी हैं. मेरे करियर में उनसे ज्यादा नम्र और सच्चे को-एक्टर कोई नहीं मिला. वो सच में एक ही हैं और उनकी जगह कोई नहीं ले सकता.' बता दें कि सोनम खान और गोविंदा ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है, जिनमें 'बाज', 'अपमान की आग', 'आसमान से ऊँचा' और 'रईसजादा' जैसी फिल्में शामिल हैं. अमिताभ बच्चन के साथ वह फिल्म अजूबा में नजर आ चुकी हैं.

मनोज कुमार की इस फिल्म को प्राण ने किया था रिजेक्ट

हिंदी सिनेमा के दिग्गज एक्टर मनोज कुमार को फिल्मों में देशभक्ति का जज्बा दिखाने के कारण 'भारत कुमार' के नाम से जाना जाता है. मनोज कुमार ने अपनी दमदार एक्टिंग और शानदार फिल्मों की वजह से आज भी लाखों लोगों के दिलों में जिंदा हैं. मनोज कुमार एक सुपरस्टार एक्टर ही नहीं, बल्कि एक डायरेक्टर भी थे. अपने करियर में उन्होंने कई सुपरहिट और आइकोनिक फिल्में दी हैं, जिन्हें दर्शक आज भी बहुत पसंद करते हैं. उनकी ऐसी ही एक आइकोनिक फिल्म के बारे में हम आपको बता रहें हैं. इस फिल्म को मनोज कुमार ने निर्देशित किया था, साथ ही उन्होंने इस फिल्म में काम भी किया था. हम आपको जिस फिल्म के बारे में बता रहें हैं. उसका नाम 'शोर' है. यह फिल्म साल 1972 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में मनोज कुमार ने लीड रोल निभाया था और साथ ही उन्होंने ही इसका निर्देशन भी किया था. इस फिल्म का एक दिलचस्प किस्सा है. क्या आप जानते हैं कि मनोज कुमार ने इस फिल्म में एक अहम रोल के लिए बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर प्राण को ऑफर दिया था, लेकिन उन्होंने इसे करने से मना कर दिया था. प्राण हिंदी सिनेमा के उन एक्टरों में से एक थे, जो अपने जमाने में लीड एक्टर्स पर भी भारी पड़ते थे. उन्होंने पर्दे पर कॉमेडी से लेकर विलेन तक किरदार निभाए थे.

यहां तलाक की उड़ रही खबरें, वहां हंसिका मोटवानी ने बदला सरनेम

आखिर क्यों उठाया एक्ट्रेस ने ये कदम?

बॉलीवुड एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी ने बिजनेसमैन सोहेल खतूरिया संग साल 2022 में शादी की. शादी के कुछ समय बाद ही दोनों में खटपट की खबरें तैरने लगी. खबरें तो तलाक की भी आने लगी थी. अब इन सब रुमर्स के बीच हंसिका मोटवानी ने ऐसा कदम उठाया है कि जिसे उनकी पर्सनल लाइफ से ही जोड़कर देखा जा रहा है. चलिए बताते हैं आखिर हंसिका ने ऐसा क्या किया है.

दरअसल हंसिका मोटवानी ने तलाक की खबरों के बीच इंस्टाग्राम पर अपना सरनेम चेंज कर लिया है. जिसके बाद एक बार फिर हंसिका और सोहेल का रिश्ता चर्चा में आ गया है. हालांकि अभी तक एक्ट्रेस ने साफ साफ इन खबरों पर रिएक्ट नहीं किया है.

हंसिका मोटवानी ने उठाया तलाक की खबरों के बीच ये कदम

देसमुदुरु, कोई मिल गया और महा जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए हंसिका मोटवानी ने अपने सरनेम 'मोटवानी' की स्पेलिंग में बदलाव किया है. उन्होंने 'Motwani' से Motwanni कर लिया है. संभव है कि उन्होंने ये कदम न्यूमरोलॉजी के तहत किया हो.

कई सितारों ने बदली नाम की स्पेलिंग

अक्सर सेलिब्रिटीज न्यूमरोलॉजी में विश्वास रखते हैं. राजकुमार राव से लेकर आयुष्मान खुराना जैसे सितारे भी ऐसा कर चुके हैं. कुछ इसे लकी मानते हैं तो कुछ पॉजिटिव एनर्जी के लिए करते हैं. अब हंसिका ने भी नाम की स्पेलिंग में बदलाव किए हैं.

हंसिका मोटवानी का करियर

बता दें हंसिका ने करियर की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी. बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर शुरू करने वाली हंसिका ने शाका लाका बूम बूम जैसे हिट सीरियल से कदम रखा. फिर वह ऋतिक रोशन की फिल्म कोई मिल गया में नजर आईं. साल 2007 में उन्होंने अल्लू अर्जुन की देसामुदुरु से साउथ में सक्सेसफुल कदम रखा. हंसिका मोटवानी की शादी पर सीरीज हंसिका मोटवानी की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने दिसंबर 2022 में जयपुर में धूमधाम से शादी रचाई थी. उनके पति सोहेल खतूरिया बिजनेसमैन हैं. दोनों की शादी पर डॉक्यूसीरीज लव शादी और ड्रामा भी बनी थी जिसे जियो हॉटस्टार पर रिलीज किया गया था.

कपूर और पटौदी परिवार ने मनाई दिवाली, सैफ-करीना और करिश्मा ने दिए पोज

त्योहारों के मौसम में कई बॉलीवुड सेलेब्स अपने-अपने तरीके से दिवाली मना रहे हैं। हाल ही में कई सितारे एक्टर रवि दुबे और सरगुन मेहता की दिवाली पार्टी में पहुंचे और अपने लुक से महफिल को रौशन किया। इसी तरह से अब बॉलीवुड के सबसे मशहूर परिवार कपूर और पटौदी परिवार ने दिवाली मनाई है।

कपूर परिवार की दिवाली

सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट में देखा जा सकता है कि कपूर परिवार की महिलाओं ने दिवाली मनाई है। तस्वीर में नीतू कपूर ने नीली रंग की ड्रेस पहनी है। आलिया भट्ट ने गोल्डन साड़ी पहनी है। करीना कपूर हल्की फिरोजी ड्रेस में नजर आई हैं। वहीं करिश्मा कपूर काले-सफेद ड्रेस में हैं। एक दूसरी तस्वीर में करीना कपूर, नीतू कपूर के साथ पोज देते हुए पाउट बना रही हैं।

पटौदी परिवार की दिवाली

वहीं पटौदी परिवार की दिवाली मनाते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर आई हैं। एक तस्वीर में सैफ अली खान लाल और क्रीम कलर के धोती कुर्ता में नजर आ रहे हैं। एक तरफ लाल ड्रेस में उनकी बहन सोहा अली खान हैं तो दूसरी तरफ करीना कपूर पोज दे रही हैं। इस तस्वीर में कुणाल खेमू भी नजर आ रहे हैं। एक और तस्वीर में सैफ अली खान सोहा अली खान के साथ पोज दे रहे हैं।